रक्षा बलों में आरक्षण की मांग कर राहुल गांधी फैलाना चाहते हैं अराजकता : राजनाथ - 12

केंद्रीय मंत्री पीयूष गोयल ने कहा- एफटीए में डेयरी और एमएसएमई के हितों पर ध्यान - 12

न्यूयॉर्क का मेयर बनते ही ममदानी ने ट्रंप को आव्रजन के मुद्दे पर दी चुनौती- 13

ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ चौथे टी-20 में गिल की निगाह बड़े स्कोर पर- 14

आज का मौसम

29.0° अधिकतम तापमान

14.0° न्यूनतम तापमान

सूर्योदय 06.21

सूर्यास्त 05.23

एक सम्पूर्ण दैनिक अखबार

अमृत विचार

अयोध्या

www.amritvichar.com

2 राज्य | 6 संस्करण

लखनऊ बरेली कानपुर मुरादाबाद अयोध्या हल्द्वानी

मार्गशीर्ष कृष्ण पक्ष प्रतिपदा 02:55 उपरांत द्वितीया विक्रम संवत 2082

गुरुवार, 6 नवंबर 2025, वर्ष 4, अंक 83, पृष्ठ 14 ■ मूल्य 6 रुपये

बिहार में पहले चरण का मतदान आज 1,314 उम्मीदवारों की किस्मत दांव पर

पटना, एजेंसी

- तेजस्वी, सम्राट व विजय सिन्हा समेत कई दिग्गज मैदान में

बिहार विधानसभा चुनाव के पहले चरण के लिए गुरुवार को 121 सीटों पर मतदान डाले जाएंगे। इस चरण में कुल 3.75 करोड़ मतदाता 1,314 उम्मीदवारों की चुनावी किस्मत का फैसला करेंगे।

इस चरण में विपक्षी 'इंडिया' गठबंधन के मुख्यमंत्री पद के चेहरे तेजस्वी यादव और भाजपा के उम्मीदवार एवं उपमुख्यमंत्री सम्राट चौधरी और विजय कुमार सिन्हा के साथ-साथ 16 मंत्रियों की किस्मत भी दांव पर है। राजद के नेता तेजस्वी यादव राघोपुर सीट से लगातार तीसरी जीत दर्ज करने की कोशिश में हैं। उनके मुख्य प्रतिद्वंद्वी भाजपा के सतीश कुमार हैं, जिन्होंने 2010 में जनता दल (यूनाइटेड) के टिकट पर तेजस्वी की मां और पूर्व मुख्यमंत्री राबड़ी देवी को पराजित किया था। राघोपुर सीट से जन सुराज पार्टी के नेता प्रशांत किशोर ने तेजस्वी के खिलाफ चुनाव लड़ने का ऐलान किया था, लेकिन बाद में उन्होंने मैदान में उतरने से परहेज किया और उनकी पार्टी ने चंचल सिंह को उम्मीदवार बनाया। राघोपुर सीट से सटी महुआ सीट पर तेजस्वी के बड़े भाई और जनशक्ति जनता दल के संस्थापक तेज प्रताप यादव बहुकोणीय मुकाबले में फंसे हैं। तेज प्रताप इस सीट पर राजद विधायक मुकेश रौशन को चुनौती दे रहे हैं।

आयोग ने बूथों पर शत प्रतिशत वेबकास्टिंग, नई वीआईएस पर्ची की सुविधा और ईवीएम नेट ऐप के माध्यम से मतदान रिपोर्टिंग जैसे नवाचारों को लागू किया है। पहले चरण में तीन करोड़ 75 लाख 13 हजार 302 मतदाता मताधिकार का प्रयोग करने के पात्र होंगे।

प्रधानमंत्री से मिलीं चैंपियन बेटियां, मिला सम्मान

- खिलाड़ियों ने टूर्नामेंट के दौरान अपने अनुभवों को प्रधानमंत्री के साथ किया साझा

नई दिल्ली, एजेंसी

नई दिल्ली में विश्व कप विजेता भारतीय महिला टीम और ट्रॉफी के साथ प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी। ● एजेंसी

एकदिवसीय विश्वकप विजेता भारतीय महिला टीम ने बुधवार को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से मुलाकात की। इस दौरान आयोजित समारोह में खिलाड़ियों को सम्मानित किया गया। प्रधानमंत्री से मुलाकात के दौरान खिलाड़ियों ने टूर्नामेंट के दौरान अपने अनुभवों को उनके साथ साझा किया।

भारतीय महिला क्रिकेट टीम सम्मान समारोह के लिए अपनी ऑफिशियल फॉर्मल ड्रेस में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के घर पहुंची और बहुत एलिगेंट लग रही थी। बीसीसीआई के लोगो वाले मैचिंग नेवी-ब्लू ब्लेजर और क्रीम ट्राउजर पहने हुए, खिलाड़ियों ने गर्व और प्रोफेशनलिज्म की एक शानदार तस्वीर पेश की। भारतीय टीम के साथ बीसीसीआई प्रेसिडेंट मिथुन मन्हास और कोच अमोल मजूमदार भी नजर आए। बांग्लादेश के खिलाफ चोटिल होने वाली प्रतिका रावल व्हीलचेयर पर दिखीं। विश्व चैंपियन बनी भारतीय महिला क्रिकेट टीम के खिलाड़ियों का इससे पहले छत्रपति शिवाजी महाराज अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डे पर स्वागत किया गया। मंगलवार को विशेष विमान से इंदिरा गांधी हवाई अड्डे पर पहुंची भारतीय टीम का भव्य स्वागत किया गया। टीम ताज पैलेस होटल में रुकी है। खिलाड़ियों के होटल पहुंचने पर गुलाब की पंखुड़ियां बरसाई गई।

जेमिमा रौड्रिग्स, राधा यादव और स्नेह राणा होटल के भीतर ढोल की थाप पर थिरकती दिखीं। प्रधानमंत्री से मुलाकात के लिए जाते समय सेमीफाइनल मुकाबले में चोटिल हुई सलामी बल्लेबाज प्रतिका रावल भी व्हील चेयर पर टीम के साथ थी। दो दिन पहले, बीसीसीआई को पीएमओ की ओर से मुलाकात के लिए निमंत्रण मिला था।

ब्रीफ न्यूज

नेटवर्क समस्या से एअर इंडिया की चेक-इन प्रणाली प्रभावित

नई दिल्ली। दिल्ली तथा देश के कुछ अन्य हवाई अड्डों पर बुधवार को टाटा समूह की विमान सेवा कंपनी एअर इंडिया की चेक-इन प्रणाली प्रभावित होने से यात्रियों को परेशानी का सामना करना पड़ा। एअरलाइंस ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर बताया कि तीसरे पक्ष द्वारा प्रबंधित कनेक्टिविटी नेटवर्क की समस्या के कारण कुछ हवाई अड्डों पर चेक-इन प्रणाली प्रभावित हुई है। इसके कारण एयर इंडिया समेत कुछ विमान सेवा कंपनियों की उड़ानों में देरी हो रही है। जिसे बाद में ठीक कर लिया गया।

सीमा विवाद को लेकर हिंसक झड़प, कई घायल

भुवनेश्वर। ओडिशा के खुर्दा जिले में दो गांवों के निवासियों के बीच बुधवार को सीमा विवाद को लेकर हुई हिंसक झड़प में कई लोग घायल हो गए और तीन से चार दुकानों में आगजनी की गई। पुलिस ने यह जानकारी दी। यह घटना धारा 163 के तहत निषेधाज्ञा हटाए जाने के कुछ दिन बाद हुई। इस मुद्दे पर पहले भी हिंसा हो चुकी थी, जिसके बाद इस क्षेत्र में निषेधाज्ञा लागू की गई थी।

धमकाया, अवैध कब्जा किया तो खैर नहीं

सीएम योगी की माफिया को चेतावनी, कब्जामुक्त कराई जमीन पर बनाए गए फ्लैट परिवारों को सौंपे

- मुख्यमंत्री ने लाभार्थी परिवारों से की मुलाकात, उन्हें गृह प्रवेश का सामान किया भेंट

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

लखनऊ में महिला को फ्लैट का आवंटन पत्र सौंपते मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ। ● अमृत विचार

अमृत विचार: धमकाया, अवैध कब्जा किया तो लेने के देने पड़ जाएंगे। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने माफिया और उनके गुर्गों को इस चेतावनी के साथ दुर्बल आय वर्ग के 72 परिवारों को दिए फ्लैट की चाबी सौंपी। कार्तिक पूर्णिमा के मौके पर मुख्यमंत्री ने लखनऊ में माफिया से मुक्त कराई गई भूमि पर सरदार वल्लभभाई पटेल आवासीय योजना का लोकार्पण किया। जियामऊ, डालीबाग स्थित एकता वन में आयोजित समारोह में सीएम ने दुर्बल आय वर्ग के परिवारों को फ्लैट के आवंटन पत्र वितरित किए।

इस दौरान सीएम योगी ने कहा कि यह केवल आवास वितरण नहीं, बल्कि संदेश है कि माफिया से छीनी गई भूमि पर गरीबों का आशियाना बनेगा। उन्होंने कहा कि यह उन लोगों के लिए चेतावनी है जो माफिया को शागिर्द बनाते हैं, उनकी कब्र पर फातिहा पढ़ते हैं, वे गरीबों का शोषण करवाते हैं। अब यूपी में ऐसा नहीं चलेगा। योगी ने कहा कि अगर कोई गरीबों की जमीन पर कब्जा करेगा, अगर कोई सार्वजनिक भूमि पर अवैध कब्जा करके समाज को डराने-धमकाने का काम करेगा, तो लेने के देने पड़ जाएंगे। यह सरकार जनता के अधिकारों की रक्षा के लिए पूरी दृढ़ता के साथ खड़ी है। उन्होंने कहा कि यही नए भारत और नए उत्तर प्रदेश की पहचान है, जहां विकास के साथ धर्म, संस्कृति और परंपरा का संगम है।

मुख्यमंत्री ने लाभार्थी परिवारों से मुलाकात की, उन्हें गृह प्रवेश का सामान भेंट किया, नन्हीं बच्चियों को गोद में लेकर दुलार किया और चॉकलेट बांटी। इस दौरान आवास परिसर में सीएम योगी ने वृक्षारोपण भी किया। इस दौरान उन्होंने कहा कि 8000 आवेदनों में 5700 आवेदन योग्य लोगों का था, इसमें से 72 को पहले आवंटन मिला है। मुख्यमंत्री ने सभी 72 लाभार्थियों को आवास की सुविधा मिलने पर उन्हें और उनके परिवारों को बधाई देते हुए कहा कि इन लोगों को अब अपना सिर उठाकर सम्मानपूर्वक जीवन जीने का अवसर मिला है। यह प्रधानमंत्री आवास योजना से कवर होगा तो यह और सस्ता व लाभकारी होगा।

सभी जिलों में खुलेगा सरदार वल्लभभाई पटेल इंप्लॉयमेंट सेंटर

मुख्यमंत्री ने बताया कि प्रदेश के सभी 75 जिलों में सरदार वल्लभभाई पटेल इंप्लॉयमेंट सेंटर खुलेगा। क्लस्टर विकसित कर युवाओं के लिए स्किल डेवलपमेंट कर उनके लिए स्थानीय स्तर पर रोजगार उपलब्ध कराए जाएंगे। जिससे नौजवान रोजी-रोटी की तलाश में बाहर न जाएं। वहीं, राज्यसभा सांसद और उप्र. के पूर्व डीजीपी बृजलाल ने यहां कहा कि आज मुख्यमंत्री योगी के नेतृत्व में वह माफियागिरी समाप्त हो चुकी है। कुछ अपराधी मारे जा चुके हैं, कुछ जेल में हैं, कुछ प्रदेश छोड़ भाग गए हैं और कुछ अब माला जप रहे हैं। योगी सरकार में कानून राज स्थापित हुआ है, इसलिए आज निवेशक भी उत्तर प्रदेश पर भरोसा कर रहे हैं। कभी जहां रंगदारी और अपहरण उद्योग चलता था, वहीं आज 40 लाख करोड़ से अधिक का निवेश आ रहा है।

महादेव सट्टेबाजी एप मामले में फरार आरोपी का पता लगाए ईडी

नई दिल्ली, एजेंसी

- सुप्रीम कोर्ट ने गंभीर नाराजगी जताई, कहा- यह अदालत के विवेक को झकझोरता है

शीर्ष कोर्ट ने ईडी को महादेव सट्टेबाजी ऐप के सह-संस्थापक रवि उप्पल का पता लगाने और उसे गिरफ्तार करने का निर्देश दिया है। वह दुबई से भागकर किसी अज्ञात स्थान पर चला गया है। न्यायालय ने कहा कि सफेदपोश अपराध के आरोपियों के लिए अदालतों और जांच एजेंसियों को खिलौना बनाने नहीं दिया जा सकता है।

न्यायमूर्ति एमएम सुंदरेश और न्यायमूर्ति सतीश चंद्र शर्मा की पीठ ने आरोपी उप्पल के कानून से बचने पर गंभीर नाराजगी जताई और कहा, यह अदालत के विवेक को झकझोरता है, अब कुछ करना ही होगा। बताया जाता है कि भारत में प्रवर्तन एजेंसियों से बच रहा उप्पल दुबई से किसी अज्ञात स्थान पर भाग गया है, जिसकी वजह से संयुक्त अरब अमीरात प्राधिकारियों ने उसकी प्रत्यर्पण प्रक्रिया रोक दी। न्यायालय ने कहा, ऐसे अपराधियों के लिए अदालतें और एजेंसियां खिलौना नहीं हैं। ईडी उसे जल्द खोजे और गिरफ्तार करे। शीर्ष अदालत उप्पल की याचिका पर सुनवाई कर रही थी जिसमें उसने छत्तीसगढ़ उच्च न्यायालय के 22 मार्च के आदेश को चुनौती दी है। उच्च न्यायालय ने उसे रायपुर की निचली अदालत में लंबित धन शोधन मामले की सुनवाई में शामिल होने का निर्देश दिया था। ईडी की ओर से पेश अतिरिक्त सॉलिसिटर जनरल एसवी राजू ने न्यायालय को बताया कि उप्पल 2023 में दुबई में हिरासत में था लेकिन अब वहां से भाग निकला है।

दरोगा ने बसपा नेता को पीटा, छत से नीचे फेंका, अस्पताल में मौत

संवाददाता तिलहर/शाहजहांपुर

- बेटे को पकड़ने गई थी पुलिस, दरवाजा तोड़ घर में घुसने का आरोप
- पत्नी ने थाने में दरोगा समेत एक सिपाही पर दर्ज कराई रिपोर्ट

> सत्यभान की मौत में दरोगा और उसके एक साथी के खिलाफ विभिन्न धाराओं में मुकदमा दर्ज कर लिया गया है। पोस्टमार्टम रिपोर्ट से मौत का कारण स्पष्ट होगा। पुलिस अपने स्तर से विवेचना कर रही है।
> – ज्योति यादव, सीओ तिलहर

अमृत विचार : पुलिस ने मंगलवार शाम बसपा नेता के बेटे की तलाश में उसके घर पर दबिश दी। आरोप है दरोगा ने मकान की छत पर उन्हें पीटा और छत से धकेल दिया। जिससे वह गंभीर रूप से घायल हो गए। उन्हें इलाज के लिए मेडिकल कॉलेज लाया गया जहां उनकी मौत हो गई।

मृतक की पत्नी की तहरीर पर दरोगा राहुल सिसौदिया और एक अन्य साथी पर गैर इरादन हत्या की रिपोर्ट दर्ज कर ली गई है। वहीं मरने से पहले बसपा नेता का वीडियो वायरल हो रहा है, जिसमें वह दरोगा पर मारपीट और छत से फेंकने का आरोप लगा रहे है। सत्यभान कटरा नंबर तीन से बसपा के जोन प्रभारी थे। तिलहर थाना क्षेत्र के गांव मौजमपुर निवासी रेखा देवी पत्नी सत्यभान ने बताया उसके पुत्र अभिषेक के खिलाफ धारा 307 के तहत अमन शुक्ला, पिंकी शुक्ला, रमनपाल, रामगोपाल निवासी निजामगंज थाना तिलहर ने मुकदमा दर्ज कराया था। मंगलवार शाम 7:30 बजे दरोगा राहुल सिसौदिया अपने एक साथी के साथ बाइक से आए। आरोप है दरोगा और उसके साथी ने दरवाजा तोड़कर घर में घुस गए और बेटे अभिषेक के बारे में पूछा। इसके बाद दोनों लोग छत पर चढ़ गए। आरोप है दरोगा और उसके साथी ने उनके पति सत्यभान सिंह (47) को पकड़ लिया और जाति सूचक शब्द कहते हुए मारने पीटने लगा था।

आस्था की डुबकी

अयोध्या में कार्तिक पूर्णिमा के पावन अवसर पर सरयू नदी में आस्था की डुबकी लगाता श्रद्धालुओं का सैलाब। ● अमृत विचार

यूपी बोर्ड : परीक्षाएं 18 फरवरी से, पहला पेपर हिंदी का

लखनऊ। एशिया के सबसे बड़े शिक्षा बोर्ड के रूप में शामिल उत्तर प्रदेश माध्यमिक शिक्षा परिषद (यूपी बोर्ड) ने वर्ष 2026 की हाईस्कूल (10वीं) और इंटरमीडिएट (12वीं) बोर्ड परीक्षाओं की तिथि बुधवार को घोषित कर दी है। परिषद की सचिव भावना सिंह के स्तर से जारी आदेश के अनुसार, आगामी वर्ष की परीक्षाएं 18 फरवरी 2026 से प्रारंभ होकर 12 मार्च 2026 तक चलेंगी।

माध्यमिक शिक्षा परिषद, प्रयागराज द्वारा जारी आदेश में बताया गया है कि हाईस्कूल एवं इंटरमीडिएट दोनों परीक्षाएं दो पालियों में आयोजित की जाएंगी।

पहली पाली सुबह 8:30 बजे से 11:45 बजे तक और दूसरी पाली दोपहर 2:00 बजे से शाम 5:15 बजे तक होगी। हाईस्कूल (कक्षा 10) की परीक्षा का पहला प्रश्नपत्र हिंदी का होगा, जो 18 फरवरी को पहली पाली में आयोजित किया जाएगा। इंटरमीडिएट (कक्षा 12) की परीक्षा का आरंभ भी 18 फरवरी को सामान्य हिंदी विषय से होगा।

गर्व के पल

अमेरिका के कई राज्यों के प्रमुख शहरों में हुए मेयर पद के लिए चुनाव

भारतवंशियों का परचम, ममदानी बने न्यूयॉर्क के मेयर

न्यूयॉर्क, एजेंसी

जोहरान ममदानी

आफताब पुरेवैल

गजाला हाशमी

अमेरिका के कई राज्यों के प्रमुख शहरों में मंगलवार को मेयर पद के लिए चुनाव हुए जिनमें लोगों ने बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया और अपने पसंदीदा नेता को चुना लेकिन सबसे दिलचस्प मुकाबला न्यूयॉर्क सिटी के मेयर पद के लिए हुए चुनाव में देखने को मिला जिसमें भारतीय मूल के जोहरान ममदानी ने विजयी होकर इतिहास रच दिया। वह अमेरिका के सबसे बड़े शहर के मेयर पद पर आसीन होने वाले पहले दक्षिण एशियाई और मुस्लिम व्यक्ति बन गए हैं। वहीं, सिनसिनाटी शहर में आफताब पुरेवैल भी दूसरी बार मेयर चुने गए। वर्जीनिया में गजाला हाशमी लेफ्टिनेंट गवर्नर चुनी गईं।

ममदानी ने 9,48,202 वोट (50.6 प्रतिशत) प्राप्त कर न्यूयॉर्क सिटी के मेयर का चुनाव जीता, जिसमें 83 प्रतिशत वोट पड़े। वह कई महीनों से न्यूयॉर्क सिटी के मेयर चुनाव की दौड़ में सबसे आगे थे और मंगलवार को उन्होंने रिपब्लिकन उम्मीदवार कर्टिस स्लिवा तथा दिग्गज नेता एवं न्यूयॉर्क के पूर्व गवर्नर एंड्रयू कुओमो को हराया, जो निर्दलीय उम्मीदवार के रूप में चुनाव लड़ रहे थे। कुओमो को चुनाव की पूर्व संध्या पर ही अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप का समर्थन प्राप्त हुआ था। कुओमो को 7,76,547 वोट (41.3 प्रतिशत) मिले जबकि स्लिवा को 1,37,030 वोट मिले। उनकी प्रचार टीम ने कहा था, जोहरान ममदानी न्यूयॉर्क के कामकाजी वर्ग के लोगों के लिए जीवनयापन की लागत कम करने के वास्ते मेयर पद का चुनाव लड़ रहे हैं।

युवा नेता ममदानी को युवाओं और कामकाजी वर्ग के न्यूयॉर्कवासियों के बीच भरपूर समर्थन मिला, जो देश में कठिन आर्थिक और राजनीतिक माहौल के बीच महंगाई और नौकरी की असुरक्षा के बोझ तले दबे हुए हैं। भारतीय मूल के ममदानी प्रसिद्ध फिल्म निर्माता मीरा नायर और कोलंबिया विश्वविद्यालय के प्रोफेसर महमूद ममदानी के पुत्र हैं।

बहराइच में डंपर ने बाइक को मारी टक्कर, चार की मौत

संवाददाता, बहराइच

- मृतकों में पति-पत्नी व उनका तीन साल का पुत्र शामिल

अमृत विचार : लखनऊ-बहराइच राष्ट्रीय राजमार्ग पर घने कोहरे के बीच फखरपुर थाना क्षेत्र में मदन कोठी के पास बुधवार सुबह करीब छह बजे गिट्टी लदा अनियंत्रित डंपर बाइक को रौंदते हुए सड़क किनारे गड्ढे में पलट गया। हादसे में बाइक सवार दंपति समेत चार लोगों की मौके पर ही मौत हो गई। मृतकों में दंपति व उनका तीन साल का पुत्र भी शामिल है। सूचना मिलते ही मौके पर फखरपुर पुलिस और वरिष्ठ अधिकारी पहुंचे और डंपर के नीचे दबे शवों को बाहर निकाला। शवों को पोस्टमार्टम के लिए भेजा गया है। पुलिस ने डंपर समेत चालक को गिरफ्तार कर लिया है।

फखरपुर से बहराइच की ओर जा रहे डंपर चालक आगे जा रही रोडवेज बस को देख नहीं सका। टक्कर से बचने के प्रयास में ट्रक चालक ने पहले वाहन को बाईं ओर मोड़ा, फिर दाईं ओर घुमा दिया। इसी बीच रोडवेज बस का पिछला हिस्सा डंपर से टकरा गया, जिससे वह अनियंत्रित हो गया। उसी समय विपरीत दिशा से आ रही बाइक डंपर की चपेट में आ गई। डंपर उसे घसीटते हुए सड़क किनारे गड्ढे में पलट गया। हादसे में बाइक सवार चारो लोगों की मौके पर ही मौत हो गई। शवों की शिनाख्त चन्द्र किशोर (35) निवासी मानिकपुर भगवानपुर, थाना नानपारा व सीनू (28) पत्नी करन व करन (32) पुत्र राजकुमार सहित विक्की (3) पुत्र करन निवासी ललुही थाना खैरीघाट के रूप में हुई। ये लोग बाइक से सबाराबंकी के कोटवाधाम में कार्तिक पूर्णिमा पर आयोजित मेले में जा रहे थे। स्थानीय लोगों के अनुसार, हादसा घने कोहरे और तेज रफ्तार के कारण हुआ। अपर पुलिस अधीक्षक नगर रामानंद कुशवाहा ने बताया कि हादसे की सूचना मिलते ही पुलिस टीम मौके पर पहुंची। शवों को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है।

मौके पर मौजूद पुलिसकर्मी। ● अमृत विचार

अमृत विचार

अयोध्या, गुरुवार, 6 नवंबर 2025

देव दीपावली पर लाखों दीपों से जगमगाए गंगा घाट

राज्य ब्यूरो, लखनऊ/वाराणसी

- नमो घाट पर मुख्यमंत्री ने प्रज्ज्वलित किया पहला दीप
- क्रूज पर सवार होकर योगी ने देखी गंगा आरती

काशी में नमो घाट पर देव दीपावली की विधिवत शुरुआत करते मुख्यमंत्री योगी, साथ में मंत्री जयवीर सिंह व अन्य।

अमृत विचार : देव दीपावली की शुरुआत बुधवार को मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने काशी के नमो घाट पर पहला दीप जलाकर किया। उनके साथ पर्यटन मंत्री जयवीर सिंह, राज्य मंत्री रविन्द्र जायसवाल, विधायक डॉ नीलकंठ तिवारी, जिला पंचायत अध्यक्ष पूनम मौर्य, महापौर अशोक तिवारी ने भी दीप प्रज्वलित कर मां गंगा को नमन किया। इसके बाद सभी विशिष्ट अतिथियों ने क्रूज़ पर सवार होकर मां गंगा की आरती के साथ घाटों पर सजी देव दीपावली के अद्भुत नज़ारे का अवलोकन किया। देव दीपावली पर बुधवार की शाम काशी के अर्धचंद्राकार गंगा घाटों पर जब शाश्वत ज्योति की लौ प्रज्वलित हुई, तो पूरा शहर दिव्यता और भव्यता के अद्भुत संगम में डूब गया। मां गंगा की गोद से निकलती आस्था की सीढ़ियों पर जलते लाखों दीपों की रोशनी ने ऐसा दृश्य प्रस्तुत किया, मानो स्वर्ग स्वयं धरती पर उतर आया हो। गोधूलि बेला में उत्तरवाहिनी गंगा की लहरों पर जब दीपों की सुनहरी आभा झिलमिलाई, तो काशी की आत्मा एक बार फिर सनातन संस्कृति की उजास से आलोकित हो उठी।

योगी सरकार द्वारा इस बार 10 लाख दीपों का लक्ष्य रखा गया था, लेकिन जन सहभागिता से यह संख्या बढ़कर 15 से 25 लाख दीपों तक पहुंच गई। इन दीपों में 1 लाख गाय के गोबर से निर्मित पर्यावरण अनुकूल दीप भी शामिल थे। घाटों, तालाबों, कुंडों और देवालयों पर दीपों की श्रृंखला ने काशी को सुनहरी माला की तरह सजा दिया। गंगा पार की रेत पर कोरियोग्राफ और सिंक्रोनाइज ग्रीन क्रैकर्स शो ने पर्यटकों को मंत्रमुग्ध कर दिया।

काशी में लाखों श्रद्धालुओं ने किया गंगा स्नान

राज्य ब्यूरो, लखनऊः

- कार्तिक पूर्णिमा पर नदी के घाटों पर उमड़े लोग

कार्तिक पूर्णिमा पर काशी में गंगा घाट पर पवित्र स्नान करते देशी-विदेशी श्रद्धालु।

अमृत विचार : कार्तिक पूर्णिमा पर वाराणसी में गंगा घाटों पर भारी संख्या में श्रद्धालुओं ने पवित्र नदी में आस्था की डुबकी लगाई। बुधवार तड़के से ही अस्सी घाट से राजघाट तक और गंगा-गोमती के संगम पर भी श्रद्धालुओं की भीड़ उमड़ी रही। सूर्य की पहली किरण के साथ गंगा में पूर्णिमा का स्नान शुरू हुआ। देश-विदेश से आए लाखों श्रद्धालुओं ने गंगा स्नान कर पुण्य अर्जित किया।

पर्यटन एवं संस्कृति मंत्री जयवीर सिंह ने बताया कि वाराणसी के विभिन्न घाटों पर देश-विदेश से आए श्रद्धालुओं और पर्यटकों ने डुबकी लगाकर आस्था व्यक्त की। विधि-विधान के साथ गंगा में गंगा आरती, भजन-कीर्तन और दीपदान के दृश्य ने उन्हें मंत्रमुग्ध कर दिया। कार्तिक पूर्णिमा के अवसर पर यह अपने चरम पर दिखाई दिया।

न्यूज ब्रीफ

टीवी चैनल के लिए सपा के 89 प्रवक्ता घोषित

अमृत विचार, लखनऊ : टीवी चैनल में समाजवादी पार्टी का पक्ष रखने के लिए सपा ने राजधानी लखनऊ के लिए 17 प्रवक्ताओं के साथ कुल 89 प्रवक्ताओं की घोषणा कर दी है। पार्टी हाई कमान द्वारा प्रवक्ताओं की सूची जिलेवार जारी की गयी है। पार्टी प्रवक्ता के अनुसार, बिहार चुनाव के अलावा आगामी चुनाव और राजनीतिक गतिविधियों पर चर्चा के लिए अधिकृत प्रवक्ता घोषित किए गए हैं।

बिजली कर्मियों का 14 को ध्यानाकर्षण प्रदर्शन

अमृत विचार, लखनऊ : यूपीपीसीएल प्रबंधन द्वारा उपकेंद्रों के परिचालन और अनुरक्षण कार्य में तैनात लगभग 25 हजार आउटसोर्स कर्मचारियों की छटनी के विरोध में बिजली कर्मचारियों में रोष बढ़ता जा रहा है। इस मुद्दे सहित कई अन्य लंबित समस्याओं को लेकर निविदा संविदा कर्मचारी संघ 14 नवम्बर को प्रदेशभर में ध्यानाकर्षण प्रदर्शन करेगा। राजधानी में यह कार्यक्रम मध्यांचल वितरण निगम के एमडी कार्यालय के सामने आयोजित होगा। संघ के प्रदेश महामंत्री देवेंद्र कुमार पांडेय ने कहा कि पावर कार्पोरेशन प्रबंधन ने 18 सितम्बर को जारी अपने ही आदेशों की अनदेखी की है। छटनी के बाद उपकेंद्रों के लिए कर्मचारियों की नई तैनाती से संबंधित मानक समिति की रिपोर्ट पांच माह बाद भी उपलब्ध नहीं कराई गई है। उन्होंने बताया कि 55 वर्ष की आयु का हवाला देकर कर्मचारियों को हटाना पूरी तरह मनमाना कदम है। उन्होंने आगे कहा कि मीटर रीडरों को प्रति बिल 16 रुपये भुगतान नहीं किया जा रहा है। वहीं, स्मार्ट मीटर लगाए जाने पर उन्हें अन्य कार्यों में समायोजित करने के बजाय हटाया जा रहा है।

महानिदेशक ने एनसीसी निदेशालय का किया दौरा

अमृत विचार, लखनऊ : एनसीसी के महानिदेशक लेफ्टिनेंट जनरल वीरेंद्र वत्स ने लखनऊ स्थित उत्तर प्रदेश एनसीसी निदेशालय का दौरा किया। इस दौरान उन्हें निदेशालय के अधीन कार्यरत 11 समूहों और 110 एनसीसी इकाइयों की गतिविधियों की विस्तृत जानकारी दी गई। दौरे के दौरान महानिदेशक ने विभिन्न इकाइयों के कैडेटों से संवाद कर उनका उत्साहवर्धन किया। उप्र एनसीसी निदेशालय के अपर महानिदेशक मेजर जनरल विक्रम कुमार के साथ उन्होंने लखनऊ समूह मुख्यालय में कैडेटों द्वारा प्रस्तुत गार्ड ऑफ ऑनर स्वीकार किया। इसके बाद उन्होंने समूह के नौसैनिक कैडेटों के साथ बोट क्लब का निरीक्षण किया और प्रशिक्षण संबंधी व्यवस्थाओं की समीक्षा की।

मृदा कार्ड से सुधरेगी मिट्टी की सेहत

अमृत विचार, लखनऊ : रबी फसलों के लिए खेतों की मिट्टी की उर्वरा शक्ति परीक्षण कराकर बढ़ाई जाएगी। इससे किसान मिट्टी में पोषक तत्वों व अन्य होने वाली कमियों की जानकारी करके उसकी पूर्ति करेंगे। मिट्टी के कुल 4,800 नमूने परीक्षण कराने का लक्ष्य रखा है। इसमें प्रत्येक विकास खंड की छह ग्राम पंचायत चिह्नित की हैं। इन पंचायतों के अंतर्गत कुल 100 नमूने लिए जाएंगे। सहायक निदेशक मृदा परीक्षण/कल्चर लखनऊ मंडल डॉ. मनमोहन लाल ने बताया कि विशेष अभियान के तहत विभाग ने चिनहट विकास खंड में 100 फीसद नमूने ले लिए हैं। इन सभी का परीक्षण करके 15 दिन में रिपोर्ट कार्ड किसानों को वितरित करेंगे। किसान खेतों में डीएपी व एनपीके का अधिक इस्तेमाल करते हैं। इससे मिट्टी को नुकसान पहुंचता है और कीट मित्र मरने से उर्वरा शक्ति कमजोर हो जाती है। ऑर्गेनिक कार्बन व नाइट्रोजन कम है। इससे उपज कम होती है और लागत ज्यादा आती है। सभी किसान मिट्टी का परीक्षण जरूर कराएं।

पहले पशुओं का चारा खाया, अब आए तो गरीबों का राशन खा जाएंगे

बिहार की चुनावी जनसभा में मुख्यमंत्री योगी ने विपक्ष पर कसा तंज

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

- बोले, ठगी की दुकान खोलकर चुनाव के बहाने आपके बीच आए हैं महागठबंधन वाले

बिहार में आयोजित चुनावी सभा में संबोधित करते मुख्यमंत्री योगी।

अमृत विचार : उत्तर प्रदेश में तमाम व्यस्तताओं के बीच मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ बुधवार को भी बिहार विधानसभा चुनाव में प्रचार करने पहुंचे। योगी ने वहां भाजपा के विकास कार्यों को गिनाया तो राजद-कांग्रेस गठबंधन पर करारा प्रहार भी किया। मुख्यमंत्री सूचना परिसर लखनऊ से साझा की गई जानकारी के मुताबिक, योगी ने वहां कहा कि कांग्रेस व राजद झूठे वायदे कर रहे हैं, पहले यह पशुओं का चारा खाए, अब अवसर दिया तो गरीबों का राशन खा जाएंगे। योगी ने अपील की कि कांग्रेस-राजद की घोषणा पर विश्वास न करना, क्योंकि जो राम का नहीं, वह हमारे किसी काम का नहीं। जो रामद्रोही है, वह हमारा भी विरोधी है। रामद्रोही रामराज्य नहीं ला सकता, वह जंगलराज ही लाएगा।

योगी के मुताबिक, बिहार में आज एनआईटी, आईआईएम, एम्स, इंजीनियरिंग कॉलेज, मेडिकल कॉलेज आदि की लंबी श्रृंखला है। बिहार का नौजवान दुनिया में फिर से अपनी मेधा की छाप छोड़ रहा है और बिहार के विकास में भी योगदान दे रहा है। 11 वर्ष में मोदी जी ने विकास व विरासत का सम्मान किया है। मुख्यमंत्री ने केंद्र सरकार की विकास योजनाओं को भी गिनाया।

योगी आदित्यनाथ ने कहा कि 2005 के पहले बिहार में अपराध, जातीय संघर्ष, माओवाद, नक्सलवाद था। यूपी-बिहार के नाम पर देश-दुनिया में सम्मान नहीं मिलता था। बिहार में लालू प्रसाद यादव के शासन में 60 से अधिक जातीय नरसंहार, 30 हजार से अधिक अपहरण हुए। व्यापारी, डॉक्टर, इंजीनियर, संभ्रांत व्यक्ति सुरक्षित नहीं थे। बिहार के 30-40 फीसदी लोगों की आबादी गोरखपुर व वाराणसी में है, क्योंकि उस समय जंगलराज था, लेकिन नीतीश बाबू के नेतृत्व में 20 वर्ष में सुशासन की सुदृढ़ नींव रखी गई। बिहार में रोड, रेल, एयर कनेक्टिविटी के साथ अब वाटरवे की कनेक्टिविटी बिहार से होते हुए यूपी को जोड़ रही है। किसानों के उत्पाद हों या बिहार का मखाना, जल मार्ग से दुनिया के बाजारों में पहुंचाया जा रहा है।

जंगलराज फिर नहीं आने देना है : योगी

मुख्यमंत्री योगी ने कहा कि कांग्रेस व राजद ने बिहार के नागरिकों के सामने पहचान, बहन-बेटियों, व्यापारियों व उद्यमियों के सामने सुरक्षा का संकट खड़ा किया था तो किसानों को आत्महत्या के लिए मजबूर कर दिया। आज जो लोग घोषणाएं कर रहे हैं, वह लोग महागठबंधन बनाकर ठगी की दुकान खोलकर चुनाव के बहाने आपके बीच आए हैं, फिर से जंगलराज नहीं आने देना है।

गुरु नानक देव के संदेश देश की सामाजिक व्यवस्था की नींव : योगी

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

- 556वें प्रकाश पर्व पर सिख गुरुओं के सम्मान में मुख्यमंत्री ने शीश नवाया

गुरु नानक देव जी महाराज के प्रकाश पर्व पर लखनऊ में आयोजित समारोह के दौरान मुख्यमंत्री योगी को स्मृति चिन्ह व अंगवस्त्र भेंट करते सिख समुदाय के लोग।

अमृत विचार : मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ बुधवार को सिख पंथ के संस्थापक एवं प्रथम गुरु श्री गुरु नानक देव जी महाराज के 556वें प्रकाश पर्व पर राजधानी लखनऊ के डीएवी कॉलेज में आयोजित कार्यक्रम में शामिल हुए। इस दौरान उन्होंने सिख गुरुओं के सम्मान में अपना शीश नवाया और दर्शन किए। समारोह में कमेटी की ओर से मुख्यमंत्री का स्मृति चिन्ह और अंगवस्त्र भेंट कर स्वागत किया गया। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि गुरु नानक देव जी भारत के एक उच्च कोटि के आध्यात्मिक महापुरुष थे, जिन्होंने 500 वर्ष पहले समाज के संगठन, समानता और सेवा का जो संदेश दिया, वही आज भारत की सामाजिक व्यवस्था की नींव है।

मुख्यमंत्री योगी ने कहा कि उस काल में जब देश बाबर जैसे विदेशी आक्रांताओं की बर्बरता झेल रहा था, जब मंदिर तोड़े जा रहे थे, आस्था पर प्रहार हो रहे थे, तब भी गुरु नानक देव जी बिना भय, बिना दबाव समाज को मार्गदर्शन दे रहे थे। उन्होंने मिल-बांटकर खाने, गरीबों की मदद करने और एकजुट समाज बनाने का संदेश दिया।

मुख्यमंत्री ने इस अवसर पर समाज में एकता और धर्म की मजबूती का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि आज जब कुछ क्षेत्रों में धर्मांतरण जैसी गतिविधियां दिखाई देती हैं, तो हमें सिख पंथ की मूल भावना- एकता, संगठन और सेवा को और सशक्त करना होगा।

मुख्यमंत्री ने यह भी कहा कि हम मजबूत रहेंगे, तो हर कोई हमारी आस्था का सम्मान करेगा। सिख गुरुओं और महापुरुषों का बलिदान हमारे लिए प्रेरणा है। कार्यक्रम के अंत में मुख्यमंत्री ने प्रदेशवासियों को प्रकाश पर्व की हार्दिक बधाई दी।

बिहार में भाजपा को 30 सालों की सरकार का हिसाब देना है : अखिलेश

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

बिहार में मायावती की एंट्री, चुनावी सभा आज

अमृत विचार, लखनऊ : बिहार विधानसभा चुनाव के प्रचार अभियान में अब बहुजन समाज पार्टी (बसपा) की मुखिया और उप्र. की पूर्व मुख्यमंत्री मायावती की भी एंट्री हो गई है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ और सपा प्रमुख अखिलेश यादव के बाद अब मायावती भी बिहार के रण में उतरने जा रही हैं। बसपा प्रमुख गुरुवार को कैमूर जिले के भभुआ में चुनावी जनसभा को संबोधित करेंगी। यह सभा भभुआ हवाई अड्डे के समीप आयोजित की जाएगी, जिसमें पड़ोसी जिलों और आसपास के विधानसभा क्षेत्रों से भी बड़ी संख्या में कार्यकर्ताओं और समर्थकों के पहुंचने की संभावना है। बसपा इस बार बिहार विधानसभा चुनाव अकेले अपने दम पर लड़ रही है और लगभग सभी सीटों पर अपने प्रत्याशी उतारे हैं। पार्टी के राष्ट्रीय संयोजक और मायावती के भतीजे आकाश आनंद, राज्यसभा सांसद व राष्ट्रीय कोऑर्डिनेटर रामजी गौतम, तथा अनिल सिंह सहित कई वरिष्ठ नेता लगातार बिहार में प्रचार अभियान में जुटे हुए हैं। बसपा की इस सक्रियता से चुनावी माहौल में नया उत्साह और सियासी हलचल बढ़ गई है। मायावती की भभुआ रैली बसपा के लिए बिहार में नए राजनीतिक समीकरणों की दिशा तय कर सकती है।

अमृत विचार : सपा प्रमुख अखिलेश यादव ने कहा कि पूरे बिहार में इंडिया गठबंधन के पक्ष में बदलाव की बयार चल रही है। पूरा देश बिहार की तरफ देख रहा है। बिहार की जनता ने हमेशा देश को संदेश देने का काम किया है। बिहार में सरकार बदलेगी। इंडिया गठबंधन की सरकार बनेगी। तेजस्वी यादव मुख्यमंत्री बनेंगे। नयी सरकार में नौजवानों को नौकरी और रोजगार मिलेगा।

सपा प्रमुख ने बुधवार को बिहार में इंडिया गठबंधन के प्रत्याशियों के पक्ष में चार चुनावी जनसभा को सम्बोधित किया। उन्होंने कहा कि इस चुनाव में बिहार की जनता केंद्र की भाजपा सरकार के 10 साल और प्रदेश की एनडीए सरकार के 20 सालों का हिसाब देगी। बिहार में भाजपा को 30 सालों की सरकार का हिसाब देना है। भाजपा ने बिहार को महंगाई, भ्रष्टाचार, बेरोजगारी और पलायन के अलावा कुछ नहीं दिया है। भाजपा ने बिहार के बजट की लूट की है। बिहार का बजट बिहार के विकास पर खर्च होना चाहिए। बिहार से भाजपा का बंडलराज खत्म करना है।

अखिलेश यादव ने कहा कि बिहार के चुनाव में जनता के बीच तेजस्वी यादव को मुख्यमंत्री बनने को लेकर उत्साह है। तेजस्वी यादव सामाजिक न्याय के राज की स्थापना करेंगे। सभी को नौकरी और रोजगार मिलेगा, सभी को सम्मान और न्याय मिलेगा। हर घर को 200 यूनिट बिजली मुफ्त देंगे।

श्रमिकों की बेटियों के विवाह पर मिलेंगे 85 हजार रुपये

प्रदेश सरकार ने बढ़ाई कन्या विवाह सहायता राशि, आवेदन प्रक्रिया ऑनलाइन और निशुल्क

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

- सामान्य विवाह पर 65,000 रुपये, अंतर्जातीय विवाह पर 75,000, सामूहिक विवाह पर 85,000 रुपये तक की सहायता
- आयोजन के लिए मिलेंगे अलग से 15,000 रुपये

अमृत विचार : प्रदेश सरकार ने निर्माण श्रमिकों के हित में बड़ा निर्णय लिया है। राज्य के भवन एवं अन्य सन्निर्माण कर्मकार कल्याण बोर्ड द्वारा संचालित कन्या विवाह सहायता योजना में आर्थिक सहायता राशि में बढ़ोतरी की गई है। अब सामान्य विवाह के लिए 65 हजार रुपये, अंतर्जातीय विवाह के लिए 75 हजार रुपये और सामूहिक विवाह के लिए 85 हजार रुपये प्रति जोड़े की आर्थिक सहायता दी जाएगी। इसके अतिरिक्त 15 हजार रुपये आयोजन के लिए अलग से उपलब्ध कराया जाएगा।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ का मानना है कि श्रमिक परिवार समाज की रीढ़ हैं। उनकी बेटियों के विवाह में आर्थिक सहयोग देना सरकार का मानवीय कर्तव्य है। सरकार का प्रयास है कि कोई भी श्रमिक बेटी बिना चिंता के अपने जीवन का नया अध्याय शुरू कर सके। इसी क्रम में सामूहिक विवाह कार्यक्रमों की संपूर्ण व्यवस्था श्रम विभाग एवं बोर्ड द्वारा की जाएगी, ताकि श्रमिक परिवारों को किसी प्रकार की असुविधा न हो। विवाह आयोजन में सुरक्षा, आवास, परिवहन और भोजन की सभी व्यवस्थाएं विभाग द्वारा सुनिश्चित की जाएंगी।

बोर्ड की सचिव पूजा यादव ने बताया कि भवन एवं अन्य सन्निर्माण कर्मकार कल्याण बोर्ड का उद्देश्य हर पंजीकृत श्रमिक तक योजनाओं का लाभ पहुंचाना है। कन्या विवाह सहायता राशि में वृद्धि से श्रमिक परिवारों को सीधा और ठोस लाभ मिलेगा। वर्तमान में 1.88 करोड़ से अधिक श्रमिक बोर्ड में पंजीकृत हैं।

पंजीकृत श्रमिक मात्र 20 रुपये एकमुश्त पंजीकरण शुल्क और 20 रुपये वार्षिक अंशदान देकर योजनाओं के पात्र बन सकते हैं। आवेदन प्रक्रिया पूरी तरह ऑनलाइन एवं निःशुल्क है। श्रमिक www.upbocwboard.in वेबसाइट या जन सेवा केंद्रों के माध्यम से आवेदन कर सकते हैं।

नर्सिंग कॉलेजों की खाली सीटों पर होगी सीधी भर्ती

अमृत विचार, लखनऊ : नर्सिंग कॉलेजों में जीएनएम पाठ्यक्रम में दाखिले के लिए कॉलेज प्रशासकों को छूट मिल गयी है। कॉमन इंट्रेंस परीक्षा और काउंसिलिंग के माध्यम से सभी सीटें फुल न होने के बाद चिकित्सा शिक्षा विभाग ने छूट दी है। उप्र. स्टेट मेडिकल फैकल्टी के रजिस्टार डॉ.अनुराग श्रीवास्तव ने बताया कि जो अथ्यर्थी इंट्रेंस परीक्षा दिए हैं और दाखिला नहीं पाए हैं, उन्हें पुनः मौका मिलेगा। मालूम हो कि प्रदेश में आठ सरकारी और 450 निजी नर्सिंग कॉलेज हैं। इनमें कुल 20648 सीटों में अभी तक 5082 सीटें रिक्त हैं।

आयोजन | सरदार पटेल 150वीं जयंती समारोह अभियान के तहत 10 से विधानसभा क्षेत्र स्तर पर शुरू होंगी पदयात्राएं

यात्रा समापन तक साथ रहेंगे भाजपा के 1000 कार्यकर्ता

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

- पार्टी पदाधिकारियों ने तैयारी को लेकर किया वर्चुअल संवाद

अमृत विचार : भारतीय जनता पार्टी सरदार पटेल 150वीं जयंती समारोह अभियान के तहत 10 नवंबर से विधानसभा स्तर पर प्रारंभ होने वाली पदयात्राएं प्रत्येक विधानसभा में 8 किलोमीटर की यात्रा तय करते हुए शहर, गली, गांव तक पहुंचेगी। भाजपा के 1000 से अधिक कार्यकर्ता यात्रा प्रारंभ स्थान से लेकर समापन तक साथ रहेंगे। इसके साथ ही विभिन्न सामाजिक संगठन, व्यापारी संगठन, एनजीओ, मजदूर, किसान, अधिवक्ता, शिक्षक, युवा तथा महिलाओं सहित विभिन्न क्षेत्रों में काम करने वाले संगठन भी पदयात्रा में साथ चलेंगे।

भाजपा के राष्ट्रीय महामंत्री सुनील बंसल ने प्रदेश भाजपा अध्यक्ष भूपेंद्र सिंह चौधरी और प्रदेश महामंत्री (संगठन) धर्मपाल सिंह के साथ प्रदेश, क्षेत्र एवं जिला टीम के साथ बुधवार को वर्चुअल संवाद किया। सरदार पटेल 150वीं जयंती समारोह अभियान के तहत 10 नवम्बर से विधानसभा स्तर क्षेत्र पर प्रारंभ होने वाली पदयात्राओं की तैयारियों की समीक्षा के साथ प्रभावी कार्यक्रमों की कार्ययोजना पर चर्चा हुई। सुनील बंसल ने कहा कि पद यात्राओं में प्रत्येक 2 किलोमीटर पर पड़ाव रहेगा। इस तरह पूरी यात्रा के दौरान कुल 4 पड़ाव होंगे। प्रथम पड़ाव पर पौधरोपण के कार्यक्रम आयोजित किये जायेंगे। द्वितीय पड़ाव पर किसी खिलाड़ी, साहित्यकार, सामाजिक कार्यकर्ता, व्यापारी नेता, अभिनेता, अधिवक्ता जैसे किसी विशिष्ट व्यक्ति का उद्बोधन होगा। जबकि तृतीय पड़ाव पर गायन, नाटक सहित विभिन्न सांस्कृतिक कार्यक्रमों के माध्यम से सरदार पटेल के योगदान का मंचन किया जाएगा।

पार्टी नेताओं के साथ वर्चुअल संवाद करते धर्मपाल सिंह, साथ में अन्य।

मतदाता पुनरीक्षण अभियान में मुस्तैदी से जुटें

अमृत विचार, लखनऊ : भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश महामंत्री (संगठन) धर्मपाल सिंह ने बुधवार को मतदाता पुनरीक्षण अभियान की बैठक को सम्बोधित करते कहा कि प्रत्येक कार्यकर्ता पदाधिकारी तथा जनप्रतिनिधि को अभियान में मुस्तैदी से जुटना है और हर गांव, हर घर, हर व्यक्ति तक पहुंचकर सभी पात्र लोगों का नाम मतदाता सूची में जुड़वाना है। धर्मपाल सिंह बाराबंकी में मंडल अध्यक्षों एवं विधानसभा संयोजको को सम्बोधित कर रहे थे।

आयुष्मान के क्लेम में मरीज व डॉक्टर के फोटो भी लगेंगे

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

- धोखाधड़ी की रोकथाम के लिए ई-केवाईसी व बायोमेट्रिक सत्यापन अनिवार्य

अमृत विचार: राष्ट्रीय स्वास्थ्य प्राधिकरण (एनएचए) द्वारा आयुष्मान भारत प्रधानमंत्री जन आरोग्य योजना (आयुष्मान भारत योजना) को डिजिटली सुदृढ़ बना दिया गया है। अब क्लेम प्रस्तुत करते समय अस्पतालों को मरीज और डॉक्टर की तस्वीरें पोर्टल पर अपलोड करना अनिवार्य कर दिया गया है। एनआईएचए (नेशनल इन्फॉर्मेशन हेड क्वार्टर एजेंसी) और एसआईएलए (सिस्टम इन्फ्रास्ट्रक्चर एंड लॉजिस्टिक एजेन्सी) ने इसे तकनीकी रूप से सशक्त बनाया है। सुरक्षा के उपायों से इन पोर्टल्स में सेंधमारी आसान नहीं होगी।

उप्र. में योजना संचालन की नोडल एजेंसी (स्टेट एजेंसी फॉर कॉम्प्रिहेंसिव हेल्थ एंड इंटीग्रेटेड) की मुख्य कार्यपालक अधिकारी अर्चना वर्मा ने बुधवार को बताया कि अब आयुष्मान भारत योजना से जुड़े सभी पोर्टलों पर आधार-आधारित ई-केवाईसी को अनिवार्य कर दिया गया है। इससे योजना में किसी भी प्रकार की धोखाधड़ी को रोकने में मदद मिलेगी। इसके अलावा पोर्टलों पर उपयोगकर्ताओं के पासवर्ड सुरक्षित रखने के अलावा बायोमेट्रिक सत्यापन भी लागू कर दिया गया है। जिससे पोर्टल्स पर दो-स्तर से सत्यापन और डेटा सुरक्षा में वृद्धि होगी। इसके अलावा उन्होंने बताया कि राष्ट्रीय स्वास्थ्य प्राधिकरण द्वारा आर्टिफिशियन इंटेलिजेंस तकनीकी का उपयोग कर अस्पतालों द्वारा प्रस्तुत दावों की पहचान की जाएगी। संदिग्ध कार्ड्स के भौतिक सत्यापन के लिए जिला अधिकारियों को भेजा जाएगा। मुख्य कार्यपालक अधिकारी अर्चना वर्मा ने बताया कि नियमों के सख्त होने से मरीजों को इलाज में गुणवत्ता और प्रामाणिकता मिलेगी।

आस्था का सैलाब

कार्तिक पूर्णिमा के अवसर पर प्रसिद्ध हनुमानगढ़ी मंदिर पर उमड़ा श्रद्धालुओं का रेला। अमृत विचार

अयोध्या में रामपथ पर रेलिंग फांदकर कर जाता एक श्रदालु। अमृत विचार

20 लाख श्रद्धालुओं ने सरयू में लगाई आस्था की डुबकी

कार्तिक पूर्णिमा पर दिन भर चलता रहा स्नान के बाद दान पुण्य का सिलसिला

घाटों पर फिसलन रोकने और भीड़ नियंत्रण के लिए किए गए विशेष इंतजाम, ड्रोन, सीसीटीवी से होती रही निगरानी

अयोध्या कार्यालय।

अमृत विचार : कार्तिक पूर्णिमा के अवसर पर बुधवार को सरयू नदी के पावन तटों पर भक्तों का सैलाब उमड़ पड़ा। प्रशासनिक अनुमान के अनुसार लगभग 20 लाख श्रद्धालुओं ने पवित्र सरयू में आस्था की डुबकी लगाई। घाटों पर मंगलवार रात से ही भक्ति की लहर दौड़ने लगी, भोर में बह्म मुहूर्त में स्नान का दौर शुरू हुआ। भीड़ का यह आलम था कि स्नान घाट से रामपथ होते हुए राम मंदिर व हनुमानगढ़ी जाने वाला मार्ग श्रद्धालुओं से पटा रहा। दिन भर स्नान, पूजन व दान का सिलसिला जारी रहा। सरयू घाट जय सरयू मइया व जय श्रीराम के उद्घोष से गूंजती रही।

सरयू तट के कच्चा व पक्का घाट के साथ लक्ष्मण घाट तक करीब दो किमी. की परिधि में सिर्फ श्रद्धालुओं की भीड़ ही नजर आ रही थी। भोर में भीड़ इस कदर हो गई कि पुलिस को घाट पर जाने वाले बैरियरों को गिराना पड़ा। हालांकि 10 बजे के बाद स्नानार्थियों की संख्या कुछ कम हुई। पवित्र सरयू में डुबकी लगाने के बाद दान-पुण्य का दौर चला। जिसमें ब्राह्मणों को दान, गरीबों को अन्न-वस्त्र वितरण और गोदान प्रमुख रहे। घाटों पर पंडों ने अपने शिविरों में अतिरिक्त व्यवस्थाएं कर रखी थी।

वहीं, स्नान के बाद श्रद्धालुओं ने सबसे पहले नागेश्वरनाथ का रुख किया। सरयू घाट से इस मंदिर के बीच में करीब 12 स्थानों पर बेरिकेडिंग की गई थी। श्रद्धालुओं को टुकड़ियों में मंदिर में प्रवेश दिया गया। गर्भगृह में मौजूद पुलिस भोलेनाथ पर जल चढ़ाने के बाद तत्काल श्रद्धालुओं को बाहर करती रही।

कार्तिक पूर्णिमा के अवसर पर सरयू में स्नान कर दान पुण्य करते श्रद्धालु। अमृत विचार

हनुमानगढ़ी पर रहा सबसे ज्यादा दबाव, राम मंदिर में लगी लंबी कतार

सरयू घाट के बाद सबसे श्रद्धालुओं का ज्यादा दबाव हनुमानगढ़ी पर रहा। यहां भोर से ही श्रद्धालु स्नान के बाद पहुंचने लगे। मंदिर परिसर से रामपथ तक करीब एक किमी. की दूरी तक श्रद्धालुओं की कतार लगी रही। सुबह सात से आठ बजे के बीच यह दबाव और बढ़ गया। जिसके बाद श्रद्धालुओं को टुकड़ियों में प्रवेश दिया जाने लगा। निकास द्वार से निकलने वाले श्रद्धालुओं को पीछे की ओर से ही रामपथ पर जाने दिया गया। वहीं, राम मंदिर पर श्रद्धालुओं की लंबी कतार लगी रही, लोकगीत व भजन गाती हुई ग्रामीण महिलाओं की कतार लोगों को बरबस आकर्षित कर रही थी। यहां भी अंगद टीले से निकास किया गया। इसके अलावा कनक भवन, दशरथ महल, मणिराम दासजी की छावनी, हनुमान बाग समेत अन्य प्रमुख मठ मंदिरों पर भी भीड़ दिखी।

3.50 लाख श्रद्धालुओं ने राम मंदिर और 5 लाख ने हनुमान गढ़ी में किया दर्शन

कार्तिक पूर्णिमा पर लगभग 3 :50 लाख श्रद्धालुओं ने राम मंदिर में दर्शन-पूजन किया । हनुमान गढ़ी मंदिर में दर्शन करने वाले श्रद्धालुओं की संख्या लगभग 5 लाख बताई जा रही है। ब्रह्म मुहूर्त से प्रारंभ हुई भीड़ से देर शाम तक मंदिर पर लंबी कतार रही। श्री राम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट के धार्मिक समिति के सदस्य गोपाल जी राव ने बताया कि सुबह निर्धारित समय से पहले 6 :15 पर गर्भगृह का पट खोल दिया गया। सुबह भीड़ को देखते हुए श्रृंगार आरती से पूर्व ही दर्शन प्रारंभ हो गया था। इस दौरान आने वाले श्रद्धालु श्रृंगार आरती को भी देख सके हैं। प्रत्येक दिन की तरह श्रृंगार आरती में शामिल होने वाले लोगों को इस बार उन्हें प्रथम तल राम दरबार की आरती में शामिल कराया गया हैं। वहीं सिद्ध पीठ हनुमानगढ़ी मंदिर में भी 3 .30 पर ही मंदिर को दर्शन के लिए खोल दिया गया।

लता चौक के पहले नयाघाट पर दो पुलिस कर्मियों में विवाद के बाद मौके पर पहुंचे अधिकारी।

हाईवे पर दिखी वाहनों की लंबी कतार

पार्किंग फुल होने के बाद गोरखपुर-अयोध्या-लखनऊ हाईवे पर सर्विस लेन, बालू घाट, सड़क की दोनों पटरियों पर वाहनों की कतार लगी रही। सुबह के समय नए पुल पर घंटों जाम लगा रहा। वाहनों को सड़क से हटवाने के लिए यातायात कर्मियों को कड़ी मशक्कत करनी पड़ी। ओवरब्रिज के दोनों छोर से सर्विस लेन पर जाने वाले रास्ते पर बैरिकेडिंग लगाई गई थी, यहां से सिर्फ दो पहिया वाहनों को ही जाने दिया जा रहा था।

कार्तिक पूर्णिमा के अवसर पर मेले में खरीदारी करतीं महिलाएं।

खोया पाया कैम्प में श्रद्धालुओं को जानकारी देते पुलिस कर्मी।

अयोध्या धाम रहा नो व्हीकल जोन, हाईवे पर भारी वाहनों की नो एंट्री

भारी भीड़ आने की संभावना को देखते हुए पुलिस प्रशासन ने पूर्व में ही अयोध्या धाम को नो व्हीकल जोन घोषित कर दिया था। साकेत पेट्रोल पंप, हनुमान गुफा, रामघाट, बूथ नंबर चार, चूड़ामणि चौराहा, उदया चौराहा, विद्याकुंड, साकेत गैस एजेंसी, निषाद राज चौराहा समेत अन्य स्थानों पर लगे बैरियर पर पुलिस के साथ यातायात पुलिस के जवान भी तैनात रहे। अयोध्या धाम में सिर्फ पैदल ही श्रद्धालुओं को आने दिया जा रहा था।

सीटी बजाकर व पीएएस से एनाउंस कर गहरे पानी में जाने से रोकती रही जल पुलिस

घाटों पर सुरक्षा के साथ नदी क्षेत्र में भी सुरक्षा के कड़े इंतजाम रहे। यहां पर पूर्व तैनात एसडीआरएफ, जल पुलिस व पीएसी बाढ़ राहत दल तैनात की गई। एनडीआरएफ की एक टीम को भी तैनात किया गया। जीवन रक्षक संसाधनों से लैस सुरक्षाकर्मी सीटी बजाकर व पब्लिक एड्रेस सिस्टम के माध्यम से श्रद्धालुओं को गहरे पानी में जाने से रोकते रहे। सुरक्षा की दृष्टि से स्थानीय गोताखोरों व नाविकों को भी तैनात किया गया था। जल पुलिस के जवान बोट पर नदी क्षेत्र की गश्त करते दिखे।

> भीड़ नियंत्रण और सुरक्षा के लिए विशेष इंतजाम किए। फिसलन रोकने हेतु घाटों पर रेत की परत बिछाई गई, एंटी-स्किड जाल लगाए गए और रोशनी की व्यवस्था मजबूत की गई। पूरे मेला क्षेत्र को जोन व सेक्टर में बांटकर अर्धसैनिक बलों, पीएसी, पुलिस, होमगार्ड व एटीएस की तैनाती की गई थी। ट्रैफिक डायवर्जन और पार्किंग के लिए अलग-अलग जोन बनाए गए। ड्रोन व सीसीटीवी के माध्यम से निगरानी रखी गई। -डॉ. गौरव ग्रोवर, एसएसपी।

न्यूज ब्रीफ

सीनियर जूडो ट्रायल 8 को

अयोध्या, अमृत विचार : क्षेत्रीय खेल कार्यालय की ओर से सीनियर महिला व पुरुष जूडो ट्रायल आठ नवम्बर को डाभासेमर स्थित डॉ. आंबेडकर अंतरराष्ट्रीय क्रीड़ा संकुल में होगा।

आरएसओ अनिमेष सक्सेना ने बताया कि जिला स्तरीय ट्रायल सुबह नौ बजे व मंडलीय ट्रायल दोपहर 12 बजे होगा। ट्रायल से चयनित मंडलीय टीम लखनऊ में 13 नवम्बर से आयोजित पं. दीन दयाल उपाध्याय प्रदेशीय सीनियर महिला-पुरुष जूडो प्रतियोगिता में प्रतिभाग करेगी।

सीनियर महिला हैण्डबॉल ट्रायल 10 को

अयोध्या, अमृत विचार : क्षेत्रीय खेल कार्यालय की ओर से सीनियर महिला हैण्डबॉल चयन ट्रायल 10 नवम्बर को डाभासेमर के डॉ. आंबेडकर अंतरराष्ट्रीय क्रीड़ा संकुल में होगा। आरएसओ अनिमेष सक्सेना ने बताया कि जिला स्तरीय ट्रायल सुबह नौ बजे व मंडलीय ट्रायल दोपहर 12 बजे होगा। ट्रायल से चयनित मंडलीय टीम बस्ती में 13 नवम्बर से आयोजित पं. दीन दयाल उपाध्याय प्रदेशीय सीनियर महिला हैण्डबॉल प्रतियोगिता में प्रतिभाग करेगी।

जिला अस्पताल में वार्ड बॉय-चालक में झड़प

अयोध्या, अमृत विचार : जिला अस्पताल में वार्ड बॉय और एक एंबुलेंस के चालक के बीच झड़प का मामला सामने आया है। चिकित्सा अधीक्षक डॉ. अजय चौधरी ने बताया कि मंगलवार देर रात दोनों आमने-सामने हो गए। मुझे रात 11 बजे सूचना मिली थी। हालांकि किसी की भी तरफ से कोई शिकायत नहीं दी गई है।

गुरुनानकपुरा गुरुद्वारा में प्रकाश पर्व पर शब्द कीर्तन प्रस्तुत करते रागी जत्थे।

श्रद्धा के साथ मनाया गुरु नानक देव का प्रकाश पर्व

अयोध्या कार्यालय। अमृत विचार : सिक्खों के प्रथम गुरु गुरु नानक देव के प्रकाश पर्व बुधवार को गुरुद्वारा गुरु नानक पुरा में धूमधाम से मनाया गया। अमृतसर से आए रागी जत्थे सरदार हरि प्रीत सिंह ने संगीतमय धार्मिक कीर्तन प्रस्तुत किया। गुरुनानक स्कूल के छात्रों का माता गुजरी के जत्थे से सम्मानित किया गया। जत्थे ने शब्द कीर्तन प्रस्तुत किया। इस अवसर पर बड़ी संख्या में सिख महिला, पुरुष मौजूद रहे। प्रथम गुरु गुरु नानक देव का प्रकाशोत्सव पिछले महीने 19 अक्टूबर से शुरू हुआ। दो नवंबर तक सुबह प्रभात फेरी निकाली गई। दो नवंबर को दोपहर बाद दो बजें से नगर में भव्य शोभायात्रा विभिन्न मार्गों से निकली। शोभायात्रा का शहर के विभिन्न संगठनों से स्वागत किया गया। कार्यक्रम में गुरुद्वारा प्रबंधक कमेटी के अध्यक्ष जसवीर सिंह सेठी, भगवंत सिंह, गुरु चरन सिंह, राजेन्द्र सिंह के साथ सेवादार मिन्टू मक्कड़, रवीन्द्र सिंह सहित सिख समुदाय के अनेक लोगों की सक्रिय भागीदारी रही। संगत में शहीद शोध संस्थान के प्रबंध निदेशक सूर्य कांत पाण्डेय, विश्व प्रताप सिंह, रुद्र प्रताप पाण्डेय, दुर्गा पूजा एवं राम लीला समिति के अध्यक्ष मनोज जायसवाल, व्यवसायी पवन जीवानी आदि पहुंचे थे। संगत की की ओर से सबको सरोपा भेंट कर सम्मानित किया गया।

कचहरी में पेशी पर आया वादकारी बेहोश

अयोध्या कार्यालय। अमृत विचार: प्रतापगढ़ जिले से बुधवार को अजय सोनी मुकदमे की पैरवी करने आया था। उसका मुकदमा सिविल जज जूनियर डिवीजन फास्ट ट्रैक कोर्ट रूपाली सिंह के न्यायालय में था। लिफ्ट में भीड़ होने के कारण वह जीने के रास्ते पांचवीं मंजिल पर स्थित न्यायालय भवन में जा रहा था। वह पांचवीं मंजिल तक किसी तरह पहुंच गया। इसके बाद उसे चक्कर आया और वह बेहोश हो गया। सूचना मिलते ही मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट सुधांशु शेखर उपाध्याय, सिविल जज सीनियर डिवीजन अंशुमाली पांडेय व न्यायिक अधिकारी प्रत्यूष आनंद मिश्र मौके पर पहुंचे और दीवानी न्यायालय प्रांगण स्थित प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र से डॉक्टर को बुलाया। डॉक्टर ने उसे प्राथमिक की चिकित्सा मुहैया कराई। इसके बाद उसे होश आ गया। प्राथमिक उपचार के बाद उसे जिला चिकित्सालय भेज दिया गया, जहां उसकी हालत चिंताजनक बताई जा रही है।

हनुमानगढ़ी परिसर के पास सुतली बम के धमाके से हड़कंप

अयोध्या कार्यालय

- बम स्कवॉयड ने मौके पर पहुंचकर की जांच, पुलिस के अनुसार किसी बच्चे की शरारत

अमृत विचार। हनुमानगढ़ी परिसर के पास बुधवार सुबह धमाके की तेज आवाज हड़कंप मच गया। मौके पर तैनात पुलिस बल व बम स्कवॉयड ने तत्काल जांच पड़ताल की तो पता चला किसी ने सुतली बम में आग लगाकर उसके ऊपर हेलमेट रख दिया था। प्राथमिक जांच में पुलिस इसे किसी बच्चे की शरारत मान कर चल रही है।

हनुमानगढ़ी परिसर के सामने राजद्वार में बनी प्रसाद की दुकान पर बुधवार सुबह करीब आठ बजे तेज धमाके की आवाज सुनाई दी। मौके पर तैनात पुलिस बल ने ऐहितयातन कुछ मिनटों के लिए रास्ता रोककर बम स्कवॉयड को बुलाकर जांच पड़ताल की तो पता चला कि एक दुकान की छत पर किसी ने हेलमेट के नीचे सुतली बम रखकर उसमें आग लगा दी। मौके पर टूटा हेलमेट भी मिला। सब सही पाए जाने पर पुलिस ने राहत की सास ली। सीओ अयोध्या देवेश चतुर्वेदी ने बताया कि मौके पर लगे सीसीटीवी के माध्यम से जांच की जा रही है। यह किसी बच्चे की शरारत लग रही है।

हादसे में युवक की मौत, साथी घायल

शुजागंज, अयोध्या। अमृत विचार : रुदौली कोतवाली क्षेत्र में बुधवार सुबह सड़क हादसे में एक युवक की मौत हो गई, जबकि एक अन्य गंभीर रूप से घायल हो गया। हरिहरपुर बलिया गांव निवासी अशोक पाठक पुत्र सुरेश चंद्र पाठक गांव के ही सुरेश कुमार लोधी के साथ बुधवार सुबह बाइक से कोटवा धाम से दर्शन कर लौट रहे थे। शुजागंज चौकी क्षेत्र के मुस्काबाद गांव के पास अज्ञात वाहन की टक्कर से दोनों गंभीर रूप से घायल हो गये। दोनों को सीएचसी रुदौली पहुंचाया गया। जहां चिकित्सकों ने सुरेश को मृत घोषित कर दिया, जबकि सुरेश कुमार लोधी की हालत गंभीर बनी हुई है। चौकी प्रभारी मनीष चतुर्वेदी ने बताया कि शव पोस्टमार्टम के लिए भेजा गया है।

सुविधा | परिवहन निगम बसों का संचालन बंद करने का कर रहा था विचार, 'अमृत विचार' ने सुझाया मार्ग

अयोध्या डिपो से मेडिकल कॉलेज के लिए ई-बसें शुरू

अयोध्या कार्यालय।

- रोडवेज से सिविल लाइंस, फतेहगंज ओवरब्रिज, वजीरगंज जप्ती, देवकाली तिराहा होते हुए जाएंगी

अमृत विचार : अब अयोध्या डिपो से फतेहगंज ओवरब्रिज, वजीरगंज जप्ती, देवकाली तिराहे होते हुए मेडिकल कॉलेज तक ई-बस का संचालन होगा। यह सेवा हर आधे घंटे पर मिलेगी, बुधवार से इसकी शुरूआत हो गई।

पूर्व में अमृत विचार की पहल पर परिवहन निगम ने सहादतगंज से हाईवे पर नाका, देवकाली, मेडिकल कॉलेज होते हुए पूरा बाजार तक ई-बस सेवा का संचालन किया जा रहा था। किराया ज्यादा होने व यात्रियों की पर्याप्त संख्या न होने के कारण यह संचालन घाटे में हो रहा था। इसको लेकर परिवहन निगम बसों के संचालन को बंद करने का विचार कर रहा था। ई-बस डिपो के मैनेजर अनूप अवस्थी ने अमृत विचार से संपर्क किया व पूरी बात बताकर सुझाव मांगे। इस पर अमृत विचार ने बसों का संचालन हाईवे से न करके शहर के अंदर से करने का नया मार्ग सुझाया। सुझाव पर अमल कर बुधवार से नए रूट पर बसों का संचालन प्रारंभ कर दिया। हालांकि पहले दिन यात्रियों की संख्या कम रही, उम्मीद है कि जल्द ही यात्रियों की संख्या में इजाफा होगा।

अयोध्या डिपो से मेडिकल कॉलेज के लिए निकलती ई-बस।

इस मार्ग से होकर चलेंगी ई-बस

अयोध्या डिपो से चलने वाली सिटी ई-बस सिविल लाइंस, पुष्पराज चौराहा, जेल रोड, जीआईसी के पास से फतेहगंज ओवरब्रिज, वजीरगंज जप्ती, देवकाली तिराहा, देवकाली हाईवे पार कर शंकरगढ़ होते हुए मेडिकल कॉलेज जाएगी। इस मार्ग पर चार बसों का संचालन इस प्रकार किया जाएगा कि अयोध्या डिपो व मेडिकल कॉलेज से हर आधे घंटे पर यह सेवा लोगों को मिलेगी।

अयोध्या डिपो से मेडिकल कॉलेज का किराया 20 रुपये

इस बस सेवा में अधिकतम किराया 20 रुपये व न्यूनतम 10 रुपये निर्धारित किया गया है। ई-बस डिपो के मैनेजर अनूप अवस्थी ने बताया कि अयोध्या डिपो से देवकाली हाईवे तक किराया मात्र 10 रुपये, जबकि मेडिकल कॉलेज तक का किराया 20 रुपये निर्धारित किया गया है।

> हाईवे से मेडिकल कॉलेज होते हुए पूरा बाजार तक जाने वाली ई-बस के मार्ग में परिवर्तन किया गया है। अब यह बस शहर के अंदर से होकर गुजरेगी, बुधवार से इस सेवा का संचालन प्रारंभ कर दिया गया है। -विमल राजन, क्षेत्रीय प्रबंधक परिवहन निगम।

नेचर इंडेक्स संस्थागत रैंकिंग में अवध विवि को मिला प्रदेश में दूसरा स्थान

अयोध्या कार्यालय।

- गौरव का पल, विश्वविद्यालय में उत्कृष्ट शोध कार्यों में कार्य करने का परिवेश निर्मित होगा : कुलपति

अमृत विचार : डॉ. राममनोहर लोहिया अवध विश्वविद्यालय के गणित एवं सांख्यिकी विभाग के प्रो. सीके मिश्र, डॉ. पीके द्विवेदी व सचिन कुमार के शोधपत्र ने नेचर इंडेक्स संस्थागत रैंकिंग 2024- 25 में राज्य विश्वविद्यालयों में द्वितीय स्थान प्राप्त किया है।

इसके अलावा अवध विश्वविद्यालय ऑल इंडिया रैंकिंग समग्र श्रेणी में 137 वां स्थान फिजिकल साइंसेज डिसिप्लिन में 85 वां एवं एकेडमिक रैंकिंग के तहत 114वां स्थान हासिल कर शोध उत्कृष्टता का प्रतिमान स्थापित किया है। वर्ष 2024- 25 में पहली बार अवध विश्वविद्यालय को यह उपलब्धि हासिल हुई है। वर्ष 2024- 25 में दो राज्य विवि ने यह उपलब्धि हासिल की है। इसमें प्रथम डीडीयू गोरखपुर विश्वविद्यालय एवं द्वितीय स्थान अवध विश्वविद्यालय को प्राप्त हुआ है। कुलपति कर्नल डॉ. बिजेंद्र सिंह ने कहा कि नेचर इंडेक्स रैंकिंग में विश्वविद्यालय को प्रदेश स्तर पर द्वितीय स्थान प्राप्त होना गौरव का पल है। इससे विवि में उत्कृष्ट शोध कार्यों में कार्य करने का परिवेश निर्मित होगा। जो विश्वविद्यालय को वैश्विक पटल पर अपनी गरिमापूर्ण उपस्थिति दर्ज कराए। कुलसचिव विनय कुमार सिंह ने शोध कार्य के लिए शिक्षकों को बधाई दी है।

न्यूज ब्रीफ

कांग्रेस की बैठक 7 को

अयोध्या, अमृत विचार : जिला कांग्रेस के पदाधिकारियों की बैठक सात नवंबर को दोपहर 12 बजे पार्टी कार्यालय कमला नेहरू भवन में कांग्रेस जिलाध्यक्ष चेत नारायण सिंह की अध्यक्षता में होगी। प्रवक्ता शीतला पाठक ने बताया कि जिलाध्यक्ष सहित जिले के प्रमुख कांग्रेस नेताओं के बिहार चुनाव में व्यस्त होने के चलते तीन तारीख को होने वाली बैठक सात नवंबर को बुलाई गई है। बैठक में जिले के पदाधिकारी, ब्लॉक व नगर अध्यक्ष, फ्रंटल व प्रकोष्ठ अध्यक्ष शामिल होंगे।

ऑक्सीजन पाइप चोरी मामले में कार्रवाई नहीं

अयोध्या, अमृत विचार : जिला चिकित्सालय के मेल सर्जिकल वार्ड से ऑक्सीजन पाइप उखाड़ ले जाने की घटना के 48 घंटे बीत जाने के बाद भी कोई कार्रवाई नहीं हुई। अस्पताल में आए दिन हो रही चोरी को लेकर प्रबंधक राजेंद्र तिवारी ने सीएमएस को पत्र लिखकर ईएनटी गलियारों व अन्य जगहों पर सीसी कैमरे लगवाने की मांग की है। चिकित्सा अधीक्षक डॉ. अजय चौधरी ने बताया कि ऑक्सीजन पाइप ले जाने के मामले में वार्ड की नर्स को ही एफआइआर कराने के लिए निर्देशित किया गया है।

जगन्नाथ भंडारे में उमड़े भक्त

शुजागंज, अयोध्या। अमृत विचार : शुजागंज बाजार स्थित शिव मंदिर, पक्का तालाब परिसर में बुधवार को जगन्नाथ का भंडारा श्रद्धा और उत्साह के साथ आयोजित किया गया। कार्यक्रम की शुरुआत विधिवत पूजा-अर्चना, हवन और कन्या पूजन के साथ हुई। आयोजन सतीश कसौधन की ओर गया। विधायक रामचंद्र यादव ने भी उपस्थिति दर्ज कराई और प्रसाद ग्रहण किया।

ब्लॉक प्रमुख ने अमौना मेले में की पूजा-अर्चना

रुदौली, अयोध्या। अमृत विचार : आस्था और परंपरा के संगम अमौनी मेले में मवई ब्लॉक प्रमुख राजीव तिवारी बुधवार को अपनी टीम के साथ पहुंचे। उन्होंने मेले में स्थित मंदिर में विधिवत पूजा-अर्चना कर क्षेत्र के सुख-समृद्धि की कामना की। महंत से भेंट कर मेले की व्यवस्थाओं की जानकारी ली। श्रद्धालुओं से बातचीत कर उनके अनुभव भी साझा किए। मेले के भ्रमण के दौरान उनके साथ विजय मिश्र, दीपक शुक्ला, देवेंद्र शुक्ला, राम आसरे यादव सहित अन्य कार्यकर्ता और सहयोगी मौजूद रहे।

अब गांव के लोग करेंगे डीएम से शिकायत

रानीबाजार, अमृत विचार : सोहावल तहसील क्षेत्र की ग्राम पंचायत अमौना के ग्राम प्रधान राजकुमार ने ग्राम सभा में उपस्वास्थ्य केंद्र, सेक्टर मार्ग, चक मार्ग, नवीन परती, श्मशान भूमि व पशुचर पर अवैध कब्जो को लेकर शिकायत की लेकिन कार्रवाई नहीं हुई ।अब गांव के लोग सामूहिक रूप से शिकायत को डीएम के पास जाएंगे। 30 जनवरी 2023 को प्रधान ने तत्कालीन जिलाधिकारी नीतीश कुमार से शिकायत की। उन्होंने एसडीएम सोहावल को प्रकरण का स्वयं परीक्षण करने का निर्देश दिया, लेकिन तहसील से कोई नहीं पहुंचा। इसी तरह अन्य शिकायतों पर भी कार्रवाई नही हुई ।इससे गांव के लोगों में काफी असंतोष है। अब ग्राम प्रधान के नेतृत्व में सात नवंबर को गांव के लोग जिला अधिकारी सि मेलकर आतिक्रमण हटवाने के लिए प्रार्थना पत्र देने जाएंगे।

राम के आदर्शों से प्रेरणा लेना चाहिए

पूराबाजार, अमृत विचार : ब्लॉक के रहीमपुर दुगवां गांव में आयोजित भव्य रामलीला का शुभारंभ प्रमुख संघ के जिला अध्यक्ष शिवेंद्र सिंह ने दीप प्रज्वलित कर किया। उन्होंने कहा कि रहीमपुर दुगवां की रामलीला ने वर्षों से जनमानस को भगवान श्रीराम के

आदर्शों से जोड़ने का कार्य किया है। यदि हम अपने जीवन में भगवान राम के चरित्र का थोड़ा भी अंश उतार लें, तो जीवन स्वत: ही सफल और सार्थक हो जाएगा। बताया कि अब तक दशरथ-कैकेई संवाद, केवट प्रसंग और भरत मिलाप जैसे मनमोहक दृश्य मंचित किए जा चुके हैं। कार्यक्रम में अतुल पांडेय फौजी, उत्तम पंडित, दीप कुमार पांडेय, दिग्विजय पांडेय, शिवम पांडेय और लल्लू चाचा सहित बड़ी संख्या में ग्रामीण मौजूद रहे। इस दौरान उत्तम पंडित ने अतिथियों को स्मृति चिन्ह भेंट कर सम्मानित किया।

कथित जीएस गर्ल्स डिग्री कॉलेज की एनओसी रद्द, प्रवेश प्रतिबंधित

अयोध्या कार्यालय।

अमृत विचार IMPACT

बीकापुर तहसील के गंडई गांव में बिना भूमि व भवन के कॉलेज की मान्यता पर विश्वविद्यालय का निर्णय मान्यता देने के मामले में कर्मी भी जांच के दायरे में

- भूमि प्रकरण की जांच राजस्व विभाग के हवाले, अमृत विचार ने 27 अक्टूबर को प्रकाशित की थी खबर, छुट्टियों के चलते अब हुई कार्रवाई
- जीएस लॉ कॉलेज को बदनाम करने वाला जालसाज हुआ बेनकाब

भवन विहीन डिग्री कॉलेज की मान्यता, सवालों के घेरे में अवध विश्वविद्यालय

अमृत विचार में 27 अक्टूबर को प्रकाशित खबर।

अमृत विचार : बिना भूमि व भवन के गलत तथ्य एवं पत्रावलियां प्रस्तुत कर डिग्री कॉलेज की मान्यता लेने के मामले में डॉ. राम मनोहर लोहिया अवध विश्वविद्यालय ने कथित जीएस गर्ल्स डिग्री कॉलेज के विरुद्ध कार्रवाई शुरू कर दी है। पहले चरण में बीकापुर तहसील के ग्रामीण इलाके गंडई में स्थित जीएस गर्ल्स डिग्री कॉलेज की नई एनओसी (नो ऑब्जेक्शन सर्टिफिकेट) रद्द कर दी है। साथ ही, छात्राओं को प्रवेश की अनुमति भी निरस्त कर दी गई है। यदि कोई छात्रा बिना वैध मान्यता के यहां प्रवेश लेती पाई जाती है, तो सख्त कार्रवाई की चेतावनी जारी की गई है।

यह कार्रवाई वर्ष 2023-24 सत्र के दौरान सामने आए एक गंभीर अनियमितता पर आधारित है। जांच में पाया गया कि कॉलेज ने बिना किसी वैध भूमि स्वामित्व के मान्यता प्राप्त करने का प्रयास किया था, जो शिक्षा विभाग के दिशा-निर्देशों का स्पष्ट उल्लंघन है। उच्च शिक्षा में न्यूनतम मानकों के तहत किसी भी संस्थान को कम से कम पांच बीघा भूमि उपलब्ध करानी अनिवार्य होती है। जिसमें भवन निर्माण, खेल मैदान और अन्य सुविधाओं का समावेश हो। गंडई कॉलेज ने इन नियमों को ताक पर रखकर एनओसी हासिल करने की कोशिश की, जो छात्राओं के भविष्य के लिए खतरा साबित हो सकती थी।

'अमृत विचार' ने उजागर की थी अनियमितता

इस मुद्दे को ''अमृत विचार'' ने 27 अक्टूबर को प्रमुखता से प्रकाशित कर अपनी रिपोर्ट में कॉलेज की अनियमितताओं पर सीधी चोट की थी, जिसके बाद विश्वविद्यालय ने त्वरित संज्ञान लिया। न केवल एक कॉलेज की मान्यता रद्द हुई, बल्कि पूरे क्षेत्र में शिक्षा संस्थानों के लिए एक मिसाल कायम हुई। ग्रामीण क्षेत्रों में लड़कियों की शिक्षा को बढ़ावा देने वाले इस कदम से अभिभावकों में विश्वास बढ़ा है। अवध विश्वविद्यालय की यह पहल अन्य संस्थानों के लिए चेतावनी का काम करेगी, ताकि कोई भी संस्थान नियमों का पालन किए बिना छात्राओं का भविष्य दांव पर न लगाए। अब उम्मीद है कि राजस्व विभाग की जांच से पूरी सच्चाई सामने आएगी और दोषियों को सजा मिलेगी।

बिना भवन व सड़क के ली थी मान्यता

शिकायत के मुताबिक गाटा नंबर 624-625 पर सिर्फ पिलर हैं, कोई इमारत नहीं। फिर भी ग्राम प्रधान, लेखपाल राजेश श्रीवास्तव, राजस्व निरीक्षक प्रदीप तिवारी और तहसीलदार की फर्जी रिपोर्ट 25 फरवरी 2023 से 26 .4 फीट चौड़ी पक्की सड़क का झूठा प्रमाणपत्र बनवाया गया। इसकी जांच बीकापुर तहसील की एसडीएम श्रेया करा रहीं हैं।

खेला गया था दोहरा खेल, एक ही जमीन पर दो कॉलेज

प्रतिमा तिवारी पत्नी अनिरुद्ध तिवारी ने उसी जमीन पर ग्रामीण शिक्षा एंड सोशल वेलफेयर ट्रस्ट के नाम से नई मान्यता के लिए आवेदन किया, 9 दिसंबर 2024 को 3 लाख 54 हजार 360 रुपये फीस जमा की गई। आवेदन में दावा है कि 21 कमरे बने हैं जबकि हकीकत में सिर्फ पिलर है। वहीं एसडीएम की 13 जनवरी 2025 की जांच रिपोर्ट के अनुसार गाटा 624-625 पर कोई पक्की सड़क या चकमार्ग नहीं। सिर्फ पिलर हैं, कोई बिल्डिंग नहीं है।

'अमृत विचार' द्वारा प्रकाशित खबर संज्ञान में आने के बाद जीएस गर्ल्स डिग्री कॉलेज की नई एनओसी तत्काल प्रभाव से निरस्त कर प्रवेश प्रतिबंधित कर दिया गया है। आगे की कार्रवाई की जा रही है। **-विनय कुमार सिंह, कुलसचिव, अवध विश्वविद्यालय।**

विश्वविद्यालय प्रशासन ने भूमि संबंधी सभी दस्तावेजों की गहन जांच की, जिसमें कई विसंगतियां सामने आईं। अब इसकी पुष्टि के लिए मामला राजस्व विभाग को सौंप दिया गया है। इसके अलावा, अवध विश्वविद्यालय के अपने कर्मियों की भूमिका पर भी जांच का शिकंजा कसा जा रहा है। प्रारंभिक रिपोर्ट में संकेत मिले हैं कि कुछ आंतरिक स्तर पर लापरवाही या पक्षपात हो सकता है, जिसकी निष्पक्ष जांच के आदेश दिए गए हैं। इतना ही नहीं कथित जीएस गर्ल्स डिग्री कॉलेज से जुड़ी सभी पत्रावलियां रिकॉर्ड रूम से निकलवा कर कुलसचिव कार्यालय में रखवा लीं गईं हैं। बताया जाता है कि बीते दिनों लगातार अवकाश के कारण यह कार्रवाई देर से संभावित हो पाई। इस पूरे मामले में जीएस लॉ कॉलेज को बदनाम करने वाला जालसाज अनिरुद्ध तिवारी न सिर्फ बेनकाब हुआ है बल्कि उसको नोटिस भी जारी की जा रही है। बताया जाता है कि कुलसचिव विनय कुमार सिंह ने पूरे मामले में सत्र 2023-24 में बिना जांच पड़ताल के दी गई इस गलत मानता के मामले में तब कार्यरत कर्मचारियों और तत्कालीन कुलसचिव की भूमिका को भी इंगित किया है। हालांकि अभी अग्रिम कार्रवाई के लिए मान्यता समिति की बैठक की प्रतीक्षा की जा रही है।

वैद्य जी मंदिर से निकली 84 कोसी परिक्रमा यात्रा। अमृत विचार

84 कोसी परिक्रमा पर निकला 200 संतों का जत्था

अयोध्या,अमृत विचार : चित्रकूट के महंत गोविंद दास के नेतृत्व में 200 से अधिक साधु संतों का जत्था अयोध्या धाम के सांस्कृतिक सीमा 84 कोसी परिक्रमा की यात्रा के लिए बुधवार को मखौड़ा धाम रवाना हुआ। वैद्य जी का मंदिर के महंत राजेंद्र दास ने भगवा ध्वज दिखाकर यात्रा को रवाना किया। इसके पहले परिक्रमार्थियों ने हनुमान जी महराज और राम मंदिर में विराजमान श्री रामलला के दरबार में दर्शन-पूजन भी किया। यात्रा के संयोजक महंत गोविंद दास ने बताया कि यह परिक्रमा मखौड़ा धाम से शुरू होगी। रामरेखा आश्रम, हनुमान बाग, सूंगऋषि आश्रम, महादेव घाट, सूर्यकुंड, जन्मेजय कुंड, अमानीगंज, रानी मऊ हनुमान मंदिर, जम्मू दीप गौरीगंज, श्री नरहरि आश्रम के रास्ते नवाबगंज होते हुए 26 को वापस मखौड़ा धाम पहुंचेगी, और 27 नवंबर को वैद्य जी का मंदिर अयोध्या आकर यात्रा का समापन होगा।

आइए गंगा संग बनाए नदियों के त्योहार का आयोजन

अयोध्या कार्यालय।

- राष्ट्रीय स्वच्छ गंगा मिशन के उप महानिदेशक ने कहा-उत्सव का उद्देश्य गंगा नदी के संरक्षण को बढ़ावा देना

अमृत विचार: नमामि गंगे के तहत बुधवार को सचिव, जल संसाधन, नदी विकास और गंगा संरक्षण विभाग, भारत सरकार वीएल कांथा राव की अध्यक्षता में आस्था और एकात्मकता का सार आइए गंगा संग बनाए नदियों का त्योहार कार्यक्रम का आयोजन डॉ. राम मनोहर लोहिया अवध विश्वविद्यालय के प्रेक्षागृह में किया गया। इस दौरान पुस्तकों का विमोचन किया गया।

सचिव कांथा राव ने कहा कि राज्य स्वच्छ गंगा मिशन, उत्तर प्रदेश से प्रदेश के सभी 75 जिलों में गंगा उत्सव का आयोजन किया जा रहा है। कार्यक्रम 2008 में गंगा को राष्ट्रीय नदी घोषित होने के ऐतिहासिक दिन की स्मृति में वर्ष 2017 से हर साल आयोजित होता है। इस साल गंगा उत्सव को भव्य रूप से आयोजित करने की तैयारी है। उप महानिदेशक राष्ट्रीय स्वच्छ गंगा मिशन नई दिल्ली नलिन कुमार श्रीवास्तव ने कहा कि इस उत्सव का मुख्य उद्देश्य गंगा नदी के संरक्षण को बढ़ावा देना, उसके सांस्कृतिक और आध्यात्मिक महत्व को रेखांकित करना है। सीडीओ कृष्ण कुमार ने कहा कि इस वर्ष का मुख्य राज्यस्तरीय आयोजन अयोध्या में आज कार्तिक पूर्णिमा के पावन अवसर पर को विवि में किया जा रहा है। प्रभागीय वनाधिकारी प्रखर गुप्ता ने बताया कि जिले में 20 हजार से अधिक स्कूली बच्चों को जागरूक करने का लक्ष्य है, ताकि नई पीढ़ी गंगा संरक्षण की भावना और जिम्मेदारी को आत्मसात कर सके। कार्यक्रम में कमिश्नर राजेश कुमार, कुलपति डॉ. बिजेंद्र सिंह, निदेशक राज्य स्वच्छ गंगा मिशन, लखनऊ धीरज जोशी, नगर आयुक्त जयेंद्र कुमार, अन्य संबंधित अधिकारी मौजूद रहे।

विवादित स्थलों को बदले या समाधान कराएं

अयोध्या कार्यालय

- शिथिल पर्यवेक्षण में 12 मुख्य सेविकाओं का रोका वेतन
- अनुपस्थित पीडब्ल्यूडी और यूपीपीसीएल के अभियंता से स्पष्टीकरण तलब

अमृत विचार: मुख्य विकास अधिकारी कृष्ण कुमार सिंह ने बुधवार को बाल विकास विभाग के कार्यों की समीक्षा की। अयोध्या में आंगनबाड़ी केंद्रों के निर्माण को लेकर उन्होंने एसडीएम सदर से कहा कि विवादित स्थलों को या तो बदले या विवाद का समाधान कराएं। जिससे संबंधित विभाग आंगनबाड़ी केंद्रों का निर्माण कराए।

कलेक्ट्रेट सभाकक्ष में आयोजित बैठक में अयोध्या धाम के नवीन स्वीकृत 70 आंगनबाड़ी केन्द्र भवनों के निर्माण की प्रगति की समीक्षा की। निर्माण कार्यों की गति बढ़ाने के लिए नगर निगम को निर्देश दिया। एक माह में सभी कार्य पूर्ण कराने के लिए सभी खंड विकास अधिकारी और सहायक विकास अधिकारी (पंचायत) को निर्देश दिया। कुपोषित एवं अतिकुपोषित बच्चों के चिन्हांकन व देखभाल की समीक्षा में जिला कार्यक्रम अधिकारी एवं मुख्य चिकित्साधिकारी को प्रत्येक 15 दिन पर सभी बाल विकास परियोजना अधिकारी व प्रभारी चिकित्साधिकारियों के कार्यों की समीक्षा करने के निर्देश दिये। अतिकुपोषित बच्चों की देखरेख में उदासीनता बरतने के कारण चार मुख्य सेविकाओं ललिता विशाखा, सरिता सचान, सुधा देवी और शकुन्तला दूबे का वेतन बाधित कर दिया। आंगनबाड़ी केन्द्र के सभी लाभार्थियों की ई-केवाईसी में शिथिल पर्यवेक्षण के लिए आठ मुख्य सेविकाओं सुमनलता वर्मा, रेनू श्रीवास्तव, उर्मिला पाण्डेय, माला वर्मा, राधा वर्मा, ललिता विशाखा, सुमनलता श्रीवास्तव, शशी, शकुन्तला दूबे का वेतन बाधित कर दिया। बैठक में लोक निर्माण विभाग (सीडी-चार) के सहायक अभियन्ता व यूपीपीसीएल के सहायक अभियन्ता / अधिशासी अभियन्ता के न आने पर उनसे स्पष्टीकरण तलब किया गया है। बैठक में जिला कार्यक्रम अधिकारी, सभी बाल विकास परियोजना अधिकारी, सभी खंड विकास अधिकारी, सभी सहायक विकास अधिकारी (पंचायत), जिला पंचायत राज अधिकारी, बेसिक शिक्षा अधिकारी, मुख्य चिकित्साधिकारी, उपायुक्त मनरेगा सहित अपर नगर आयुक्त एवं अन्य अधिकारी मौजूद रहे।

अवध सरयू सेवा समिति नित्य आरती के तत्वावधान में सरयू तट पर दीप व मोमबत्ती प्रज्ज्वलित करते अध्यक्ष सुरेश यादव व अन्य।

देव दीपावली पर गुप्तार घाट पर दीप जलाते लोग।

देव दीपावली पर दीपों से प्रकाशमान हुआ सरयू तट

अयोध्या, अमृत विचार : राम नगरी में बुधवार को कार्तिक पूर्णिमा के मौके पर देव दीपावली मनाई गई। मठ मंदिरों में विशेष आरती भोग का आयोजन किया गया। देर शाम मंदिरों में और सरयू के तट पर सैकड़ों दीप जलाकर घाटों को प्रकाशमान किया गया। गुप्तार घाट पर 1100 दीप जलाकर माँ सरयू की भव्य आरती भी उतारी गई। अवध सरयू सेवा समिति नित्य आरती के तत्वाधान में सरयू तट पर 5100 दीपक प्रज्वलित कर देव दीपावली का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि समाजसेवी संस्था के राष्ट्रीय अध्यक्ष सुरेश यादव ने कहा कि प्रभु श्रीराम के भव्य राम दरबार की स्थापना के शुभ अवसर पर इस वर्ष विशेष रूप से देव दीपावली मनाई गई है। समिति के अध्यक्ष सीताराम उर्फ बबलू महाराज ने बताया कि समिति द्वारा प्रतिदिन माता सरयू की आरती की जाती है। इस अवसर पर तीर्थ पुरोहित धर्मार्थ सेवा ट्रस्ट के अध्यक्ष राजेश महाराज, मांझी समाज के अध्यक्ष रामजस मांझी, हरजीत कौर संस्थान के अध्यक्ष गुरवीर सिंह, आरती व्यवस्थापक मुकेश शास्त्री एवं मीडिया प्रभारी अंकुर पांडे सहित बड़ी संख्या में श्रद्धालु उपस्थित रहे।

श्रृंगी ऋषि आश्रम सरयू तट पर उमड़ी आस्था

गोसाईगंज, अमृत विचार : कार्तिक पूर्णिमा एवं देव दीपावली के अवसर पर श्रृंगी ऋषि आश्रम सरयू तट पर आस्था का सैलाब उमड़ा। भोर होते ही लाखों श्रद्धालुओं ने पवित्र सरयू नदी में स्नान कर पुण्य अर्जित किया। जय श्रीराम के जयघोष से पूरा स्थल गूंज उठा। कोतवाल शरदेंदु दुबे के अनुसार मेला सकुशल संपन्न हुआ, केवल कुछ मामूली घटनाओं की जानकारी मिली।

भुगतान की मांग को लेकर पूर्व प्रधान आमरण अनशन पर

मिल्कीपुर, अयोध्या।

- तीन में भुगतान के लिखित आश्वासन के बाद हैरिंग्टनगंज चौकी प्रभारी ने जूस पिलाकर समाप्त कराया अनशन

अमृत विचार : हैरिंग्टनगंज ब्लॉक के ग्राम पंचायत जमुआ में करीब पांच वर्ष पूर्व बनवाए गए पंचायत भवन के अवशेष भुगतान की मांग को लेकर हैरिंग्टनगंज विकास खंड मुख्यालय पर पूर्व ग्राम प्रधान बालगोविंद तिवारी का आमरण अनशन मंगलवार से लगातार जारी था।

हैरिंग्टनगंज बीडीओ रूप नारायण भारती, एडीओ पंचायत अरविंद कुमार, सहायक विकास अधिकारी गौतम वर्मा के निर्देश पर पंचायत सचिव मिथलेश ने तीन दिन के भीतर बकाया भुगतान करने का लिखित आश्वासन दिया। लिखित आश्वासन के बाद हैरिंग्टनगंज चौकी प्रभारी उपनिरीक्षक हैरिंग्टनगंज वीरेन्द्र सिंह ने स्वयं शाम 6 बजे नारियल जूस पिलाकर पूर्व प्रधान का अनशन तुड़वाया। इस दौरान मौजूद लोगों ने अधिकारियों से समयबद्ध भुगतान

जूस पिलाकर अनशन समाप्त कराते चौकी इंचार्ज।

सुनिश्चित कराने की मांग की। लोगों का कहना है कि जनकल्याण के कार्यों में विलंब से गांव का विकास बाधित होता है। इस अवसर पर कार्यालय सहायक डॉ. राम कुमार, दुर्गा प्रसाद बालक राम सहित ग्रामीण उपस्थित रहे।

भूमि विवाद में मारपीट चार लोगों पर केस

बीकापुर, अयोध्या अमृत विचार : भूमि विवाद को लेकर हुई मारपीट के मामले में कोतवाली पुलिस ने पति-पत्नी सहित चार आरोपियों के विरुद्ध मारने पीटने, गाली गलौज करने और धमकी देने की धाराओं में केस दर्ज किया है। कोतवाली क्षेत्र के चौरे चंदौली निवासी नीतू पत्नी जितेन्द्र ने बताया कि उनके घर के बगल में एक बाग है, जिसकी वह सह खातेदार है। वहां करीब 20 वर्षों से पुआल रखती चली आ रही है। बताया की 27 अक्टूबर को उसी स्थान पर उनके पड़ोसी विपक्षी रंजीत उनकी पत्नी आशा देवी, नंदिनी व हर्षित द्वारा पुआल रखना शुरू कर दिया गया। उनके परिजनों ने मना किया तो गाली गलौज करते हुए लाठी डंडे से मारने पीटने लगे। हल्ला गुहार मचाने पर विपक्षी जान से मारने की धमकी देते हुए चले गए, चौकी इंचार्ज चौरे बाजार राजेश पटेल ने बताया कि दोनों पक्ष की तरफ से मुकदमा दर्ज करके विवेचना की जा रही है।

आंगनबाड़ी कार्यकत्री के 194 व सहायिका के 932 रिक्त पदों पर होगी नियुक्ति

अयोध्या कार्यालय। अमृत विचार : जिले में रिक्त आंगनबाड़ी के 194 और सहायिकओं के 932 पदों पर नियुक्ति की जाएगी। चयन प्रक्रिया सात दिन में शुरू हो जाएगी। आवेदन और चयन की बारीकियां भी सार्वजनिक की जाएंगी। नियुक्ति प्रक्रिया शुरू किए जाने का निर्देश मुख्य विकास अधिकारी कृष्ण कुमार सिंह ने दिया। कहा है कि इन पदों के लिए ऑनलाइन आवेदन प्राप्त लिया जाए। यह चयन प्रक्रिया शासन के शीर्ष प्राथमिकताओं में हैं। निर्देश दिया कि चयन मानक, पात्रता, निवास, एपीएल/बीपीएल के मानकों और आवेदन पत्र ऑनलाइन भरने के सही तरीकों को भी सार्वजनिक सूचना जारी कर प्रचारित-प्रसारित कराया जाए। जिला कार्यक्रम अधिकारी एके त्रिपाठी ने बताया कि मुख्य विकास अधिकारी ने चयन प्रक्रिया शुरू कराने का निर्देश दिया है। शीघ्र ही इसे शुरू किया जाएगा।

टीबीसीए व पानी संस्थान टीमें फाइनल में

अयोध्या कार्यालय

अमृत विचार: अस्मिता टेनिस बॉल क्रिकेट लीग प्रतियोगिता के सेमीफाइनल में जीत दर्ज कर टेनिस बॉल क्रिकेट एसोसिएशन व पानी संस्थान टीमों ने खिताबी दौर में प्रवेश कर लिया। मुख्य अतिथि भाजपा के जिलाध्यक्ष संजीव सिंह व विशिष्ट अतिथि उप्र टेनिस बॉल क्रिकेट संघ के उपाध्यक्ष तौसीफ अहमद लारी ने बुधवार को खिलाड़ियों से परिचय प्राप्त कर प्रतियोगिता का उद्घाटन किया। कहा कि हमारे देश की बेटियों ने विश्व कप जीत कर पूरे देश का मान बढ़ाया और बेटियों को खेलों के प्रति प्रोत्साहित किया है।

जीजीआईसी मैदान पर जिला विद्यालय क्रीड़ा समिति, जिला टेनिस

अस्मिता टेनिस बॉल क्रिकेट लीग के उद्घाटन अवसर पर मुख्य अतिथि भाजपा जिलाध्यक्ष संजीव सिंह के साथ खिलाड़ी व अन्य।

अस्मिता टेनिस बॉल क्रिकेट लीग

बॉल क्रिकेट एसोसिएशन, जिला ओलंपिक संघ के संयुक्त तत्वावधान में अस्मिता सीनियर बालिका टेनिस बॉल क्रिकेट लीग प्रतियोगिता आयोजित हुई। इसमें जिला विद्यालय क्रीड़ा समिति, एचसीजे एकेडमी, बापू बालिका, स्पोर्ट्स स्टेडियम डाभासेमर, पानी संस्थान, टेनिस बॉल क्रिकेट एसोसिएशन व जीजीआईसी टीमों ने प्रतिभाग किया। प्रतियोगिता के दोनों पूल से क्वालीफाई कर क्रीड़ा समिति, स्टेडियम, पानी संस्थान व टीबीसीए टीमों ने सेमीफाइनल में प्रवेश किया। पहले सेमीफाइनल में पानी संस्थान के 45 रनों के जवाब में क्रीड़ा समिति टीम 44 रनों पर सिमट गई। दूसरे सेमीफाइनल में टीबीसीए टीम ने एक विकेट खोकर 84 रन बनाये। जवाब में स्टेडियम टीम 50 रनों पर ऑल आउट हो गई। प्रतियोगिता का फाइनल मुकाबला व समापन गुरुवार को होगा। इस मौके पर विद्यालय क्रीड़ा समिति के मंडलीय सचिव धर्मेन्द्र सिंह, जिला सचिव अभिषेक, बिजेंद्र, ओलंपिक संघ के जिला सचिव परमेंद्र सिंह, टेनिस बॉल क्रिकेट संघ के जिला सचिव रमेंद्र सिंह आदि मौजूद रहे।

BAREILLY INTERNATIONAL UNIVERSITY

Rohilkhand Medical College Campus, Pilibhit Bypass Road, Bareilly-243006 (UP) India, Phone : 0581-2526051, 053, 153
Email : registrar@biu.edu.in, Website : www.biu.edu.in
For any query contact : 9520876189, 9105500202, 9105500404

Applications are invited from Indian/NRI/Foreign National Students for Admission to Ph.D. Programmes January 2026 session in the following disciplines

- **Faculty of Medical Sciences** (All Clinical and Non-Clinical Specialities)
- **Faculty of Nursing** M.Sc. (N) with 3 years teaching or clinical experience
- **Faculty of Dental Sciences** (All Specilities)
- **Humanities and Journalism** English
- **Faculty of Pharmacy**
- **Faculty of Management**
- **Faculty of Allied Health Sciences (Faculty of Paramedical Sciences)** (Ph.D. in Medical Laboratory Technology/Physiotherapy)

Application Fee
- For Indian Candidate Rs. 2000/-
- NRI/Foreign National Candidate Rs. 5000/- or $60 USD

Last Date of Receiving Application : 30th November, 2025

Application Submission Address : To, The Registrar, Administrative Block, Bareilly International University, Bareilly-243006 (U.P.) India
For more details and application form & application fee, visit univerisity website : www.biu.edu.in
(https://biu.edu.in/reseach/Latest-Application-form-for-PHD-programme.pdf)

सॉफ्टवेयर तय करेगा बोर्ड परीक्षा के केंद्र

नकल की कॉपी-पेस्ट संस्कृति को जड़ से उखाड़ने के लिए माध्यमिक शिक्षा परिषद ने लागू की डिजिटल व्यवस्था

अयोध्या कार्यालय

अमृत विचार : माध्यमिक शिक्षा परिषद (यूपी बोर्ड) ने नकल की कॉपी-पेस्ट संस्कृति को जड़ से उखाड़ फेंकने के लिए डिजिटल व्यवस्था लागू की है। 2026 की हाईस्कूल और इंटरमीडिएट परीक्षाओं के केंद्रों का निर्धारण अब शत प्रतिशत ऑनलाइन सॉफ्टवेयर के माध्यम से होगा, जिसमें कोई मानवीय हस्तक्षेप नहीं रहेगा। यह डिजिटल दांव नकल माफियाओं पर सीधा प्रहार है, जो वर्षों से परीक्षा केंद्रों में हेराफेरी कर छात्रों को फायदा पहुंचाते आए हैं।

- जिले में 446 माध्यमिक विद्यालयों में से करीब 200 कॉलेज ऐसे हैं जो नकल के लिए बदनाम हैं

प्रतीकात्मक फोटो

नया सॉफ्टवेयर पूरी तरह स्वचालित होगा। यह स्कूलों की दूरी, छात्र संख्या, आधारभूत सुविधाएं और पिछले रिकॉर्ड पर आधारित केंद्र आवंटित करेगा। इससे मनमानी और भ्रष्टाचार की गुंजाइश समाप्त हो जाएगी। जिला विद्यालय निरीक्षक डॉ. पवन कुमार तिवारी ने राजकीय, सहायता प्राप्त और वित्तविहीन स्कूलों के प्रधानाचार्यों को निर्देश जारी करते हुए कहा है कि केंद्र निर्धारण में किसी भी प्रकार की सिफारिश या दबाव स्वीकार नहीं किया जाएगा। सभी स्कूलों को ऑनलाइन पोर्टल पर सटीक डेटा अपलोड करना अनिवार्य है। गलत जानकारी देने पर कड़ी कार्रवाई होगी। प्रधानाचार्यों से अपील की कि वे छात्रों के हित में इस प्रक्रिया का समर्थन करें।

यह कदम पिछले वर्षों की नकल की घटनाओं से सबक लेते हुए उठाया गया है। 2025 परीक्षाओं में कई केंद्रों पर पकड़े गए नकल गिरोहों ने बोर्ड की साख को धक्का पहुंचाया था। विशेषज्ञों का मानना है कि डिजिटल सिस्टम से न केवल नकल रुकेगी, बल्कि परीक्षा की विश्वसनीयता बढ़ेगी। शिक्षाविद् डॉ. आरके सिंह ने कहा यह तकनीकी हस्तक्षेप शिक्षा व्यवस्था में क्रांति लाएगा। जिले में 446 माध्यमिक विद्यालयों में से करीब 200 कॉलेज ऐसे हैं जो नकल के लिए बदनाम हैं। अब इस बार डिजिटल निर्धारण से केंद्र के लिए पैरवी नहीं कर पायेंगे।

बच्चों के मॉडल ने किया लोगों को आकर्षित

मसौधा, अयोध्या

अमृत विचार: देवा पब्लिक स्कूल व देवा इंटर कॉलेज में बुधवार को बाल मेले का आयोजन हुआ। छात्र-छात्राओं ने विज्ञान, क्राफ्ट व कला प्रदर्शनी के साथ सांस्कृतिक कार्यक्रमों की प्रस्तुति दी। जिसने लोगों को आकर्षित किया। कार्यक्रम की अध्यक्षता हनुमानगढ़ी, नाका के महंत राम दास ने की।

विद्यालय निदेशक सहदेव उपाध्याय व प्रधानाचार्या नमिता मिश्रा ने अतिथियों संग मां सरस्वती के चित्र पर माल्यार्पण कर पूजन अर्चन कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया। निदेशक के जन्मदिवस के अवसर पर अतिथियों के साथ केक काट कर निदेशक के चिरायु होने की कामना की।

मुख्य अतिथि जिला सहकारी बैंक अयोध्या /अंबेडकरनगर के अध्यक्ष धर्मेंद्र प्रताप सिंह टिल्लू सिंह ने फीता काट कर बाल मेले का उद्घाटन किया। कार्यक्रम में राजेश कुमार सिंह, संतोष सिंह, रालोद नेता विश्वेश नाथ मिश्र, राम सिंह पटेल, महेश नारायण पाण्डेय ने बच्चों से निर्मित क्राफ्ट,कला प्रदर्शनी आदि का निरीक्षण कर बच्चों द्वारा बनाए गए मॉडल की सराहना की। छात्राओं से निर्मित मह-मह, चाऊमीन, टिकिया, पानी फुल्की, पेस्ट्री आदि का स्वाद चखा। मौके पर देवा इंटर कॉलेज के सहयोगी संस्थान देवास पब्लिक स्कूल रेवतीगंज अयोध्या के छात्र-छात्राओं व शिक्षक शिक्षिकाओं सहित देवा परिवार के सभी शिक्षकों एनसीसी कैडेट्स, पंडित संजय दूबे, रामेश्वर प्रसाद तिवारी, लोकेश द्विवेदी, सुखदेव उपाध्याय, भीम सिंह अकेला सहित बड़ी संख्या में अभिभावक पुरातन छात्र मौजूद रहे।

देवा स्कूल में बाल मेले व प्रदर्शनी की गुणवत्ता देखते जिला सहकारी बैंक के चेयरमैन व वरिष्ठ भाजपा नेता धर्मेन्द्र प्रताप सिंह टिल्लू।

तू ही है मेरा भगवान,लाज बचाना ही पड़ेगा

मसौधा, अयोध्या।

अमृत विचार: नंदीग्राम महोत्सव में लोक गायिका आल्या श्रीवास्तव की मनमोहक प्रस्तुति- तू ही है मेरा भगवान, लाज बचाना ही पड़ेगा...। मशहूर लोक गायक सूरज भल्ला की प्रस्तुति- श्री राम का मय हो गया दीवाना, जहां नाचते मिलेंगे हनुमाना...। जैसे भजनों और भोजपुरी लोकगीतों की मनमोहक प्रस्तुतियों पर दर्शक दीर्घा में बैठे लोग झूम गए। संगीतमयी राम कथा में मगन हुए श्रोताओं ने कहा कि आनंद आ गया।

इसके पूर्व बतौर मुख्य अतिथि निर्वतमान सांसद लल्लू सिंह ने योगिराज भरत के चित्र के सामने दीप प्रज्वलित कर सांस्कृतिक कार्यक्रमों का शुभारंभ किया। देर रात तक चले सांस्कृतिक कार्यक्रमों की श्रंखला में प्रस्तुति ने महिलाओं को भाव विभोर

नंदीग्राम महोत्सव में सजे खाटू श्याम दरबार में भोजपुरी गीतों पर नृत्य प्रस्तुत करतीं लोक गायिका आराध्या गौतम टीम के साथ।

- मनमोहक प्रस्तुतियों से झूमे नंदीग्राम महोत्सव के दर्शक

कर दिया। मशहूर लोक गायिका आराध्या गौतम की टीम ने श्याम की मुरलिया में जादू भरा बाय,सखी तन मन बचायो... सरीखे अनेकों प्रस्तुतियों ने युवाओं को सराबोर कर दिया। गायक राहुल सिंधी ने अपनी प्रस्तुति में कहा कि- हमारे कीर्तन में रस बरसाओ, प्रभु दिल में बसाओ..., सराहनीय रहा। मशहूर हारमोनियम वादक सत्य प्रकाश मिश्रा ने लोकगीत प्रस्तुत कर दर्शकों का मन मोह लिया। कार्यक्रम समापन पर भाजपा के पूर्व जिला अध्यक्ष कमला शंकर पांडे, अवधेश पाण्डेय बादल,भाजपा नेता राम भरत पांडे, विनोद कुमार पांडेय नंदीग्राम महोत्सव अध्यक्ष रमाकांत पांडे, दक्षिण मुखी भरत गुफा के महंत परमात्मा दास ने महोत्सव में आए विशिष्ट अतिथियों को भरत स्मृति चिन्ह भेंट कर अंग वस्त्र देकर सम्मानित किया।

राम-भरत मिलाप देख भावुक हुए लोग

पूराबाजार, अमृत विचार: नौ दिवसीय नंदीग्राम महोत्सव के अंतिम दिन मर्यादा पुरुषोत्तम भगवान श्री राम और योगीराज भरत का मिलन देख पंडाल में मौजूद लोग भावुक हो गए। अचानक पुष्पक नगर पुहंपी में विमान उतरने की सूचना दूत के रुप में हनुमान जी ने नन्दीग्राम भरतकुंड पहुंचकर योगिराज भरत को दी। भरत मर्यादा पुरुषोत्तम भगवान श्रीराम से मिलने के लिए दौड़ पड़े। कथा वाचिका पं. आस्था अवध बिहारी दासी ने जैसे-जैसे दोनों भाइयों के मिलन की कथा सुनाती गई, वैसे-वैसे दोनों भाइयों का मिलन साकार होता देख लोग भाव-विभोर हो गए। इस पल पर बिहार की गायिका आल्या ने मीठी प्रस्तुति दी, वाराणसी के भजन गायक राज्यपाल, उ.प्र. से सम्मानित बाल कलाकार राम कृष्ण, राधा कृष्ण, राधे कृष्ण की प्रस्तुतियों से पंडाल तालियों की गड़गड़ाहट से गूंज गया।

वाराणसी, गोरखपुर, अयोध्या, आजमगढ़, बस्ती व प्रयागराज क्वार्टर फाइनल में

राज्य विद्यालयी बालक खो-खो प्रतियोगिता

अयोध्या कार्यालय।

अमृत विचार: वाराणसी, गोरखपुर, अयोध्या, आजमगढ़, बस्ती, प्रयागराज मंडल टीमों ने बुधवार को प्रदेशीय विद्यालयीय खो-खो प्रतियोगिता के बालक वर्ग के क्वार्टर फाइनल में स्थान सुनिश्चित कर लिया। मंडलीय विद्यालय क्रीड़ा समिति के संयोजन व आदर्श इंटर कॉलेज की देखरेख में डॉ. आंबेडकर राज्य विद्यालयीय क्रीड़ा संस्थान स्टेडियम मकबरा में चल रही राज्य विद्यालयीय खो-खो प्रतियोगिता के दूसरे दिन आदर्श विद्यालय कर्मचारी परिषद के अध्यक्ष राजेश प्रताप सिंह ने खिलाड़ियों से परिचय प्राप्त कर उत्साहवर्धन किया।

प्रदेशीय स्कूली खो-खो प्रतियोगिता के बालक वर्ग मुकाबले में संघर्ष करती टीमें। अमृत विचार

प्रदेशीय खो-खो प्रतियोगिता के बालक वर्ग में बुधवार को लीग मुकाबले खेले गए। अंडर-14 वर्ग में मुरादाबाद ने मिर्जापुर को, वाराणसी ने मेरठ को, गोरखपुर ने लखनऊ को, सहारनपुर ने चित्रकूट को, बस्ती ने प्रयागराज को, अलीगढ़ ने बरेली को, मिर्जापुर ने आगरा को, कानपुर ने मुरादाबाद को, गोरखपुर ने मेरठ को, वाराणसी ने झांसी को, अयोध्या ने चित्रकूट को व मुरादाबाद ने आगरा को पराजित किया। अंडर-19 वर्ग के लीग मुकाबले में वाराणसी ने आगरा को, अलीगढ़ ने लखनऊ को, गोरखपुर ने देवीपाटन को, मेरठ ने सहारनपुर को, बस्ती ने बरेली को, प्रयागराज ने कानपुर को, मुरादाबाद ने अयोध्या को, अलीगढ़ ने आगरा को, गोरखपुर ने चित्रकूट को, मिर्जापुर ने बस्ती को, प्रयागराज ने अयोध्या को, अलीगढ़ ने वाराणसी को पराजित किया। अंडर-19 वर्ग के लीग मुकाबलों में सर्वाधिक अंक हासिल कर गोरखपुर, अयोध्या, मिर्जापुर, वाराणसी, अलीगढ़, प्रयागराज, बस्ती व मुरादाबाद मंडल की टीमों ने अंतिम आठ में स्थान सुनिश्चित कर लिया। इस मौके पर राष्ट्रीय तकनीकी समिति के सदस्य विनोद सिंह, मंडलीय स्कूली क्रीड़ा समिति के सचिव धर्मेन्द्र सिंह, जिला सचिव अभिषेक सिंह, विजेन्द्र सिंह, शिवकरन सिंह, चन्द्रशेखर सिंह, दिलीप सिंह आदि मौजूद रहे।

अपर जिला जज ने बंदियों को पढ़ाया जागरूकता का पाठ

जिला संवाददाता, अंबेडकरनगर

अमृत विचार। उप्र राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण लखनऊ द्वारा प्रेषित प्लान ऑफ एक्शन के अनुपालन में बुधवार को जिला कारागार में नशा उन्मूलन, तम्बाकू निषेध एवं निःशुल्क विधिक सहायता विषय पर विधिक साक्षरता शिविर आयोजित किया गया। कार्यक्रम का आयोजन जिला जज चन्द्रोदय कुमार के निर्देशन में तथा अपर जिला जज सचिव जिला विधिक सेवा प्राधिकरण भारतेन्दु प्रकाश गुप्ता की अध्यक्षता में किया गया।

शिविर में आलोक सिंह जेलर, सूर्यमान सरोज व तेजवीर सिंह डिप्टी जेलर, डॉ. दिग्विजय प्रताप चिकित्सक कारागार चिकित्सालय, जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के कर्मचारी तथा बड़ी संख्या में बन्दियों

बंदियों को जागरूक करते अपर जिजा जज भारतेन्दु प्रकाश गुप्ता व मौजूद अन्य।

शिविर का आयोजन

ने सहभाग किया। अपर जिला जज भारतेन्दु प्रकाश गुप्ता ने नशे के दुष्प्रभावों पर प्रकाश डालते हुए कहा कि नशा एक अभिशाप है, जो व्यक्ति को शारीरिक, मानसिक और सामाजिक रूप से कमजोर बना देता है। उन्होंने कहा कि शराब, गांजा, भांग, अफीम, तम्बाकू जैसे नशीले पदार्थ न केवल व्यक्ति के स्वास्थ्य को नष्ट करते हैं, बल्कि परिवार और समाज को भी प्रभावित करते हैं। नशे की लत से कई गंभीर बीमारियां, मानसिक तनाव और अपराध प्रवृत्ति उत्पन्न होती है। उन्होंने बन्दियों को राष्ट्रीय विधिक सेवा प्राधिकरण के निर्देशानुसार उपलब्ध निःशुल्क विधिक सेवाओं की जानकारी दी और जेल प्रशासन को निर्देशित किया कि यदि कोई विचाराधीन बन्दी बीएनएसएस की धारा 479 से सम्बन्धित है या जमानत होने के बावजूद जमानतदार के अभाव में रिहा नहीं हो पा रहा है, तो उसकी सूचना तत्काल जिला विधिक सेवा प्राधिकरण को दी जाए। ताकि रिहाई के लिए आवश्यक कार्यवाही की जा सके।

निरीक्षण के दौरान अपर जिला जज ने बन्दियों से उनके भोजन, स्वास्थ्यए मुकदमें की स्थिति और निःशुल्क अधिवक्ताओं द्वारा की जा रही पैरवी के सम्बन्ध में जानकारी हासिल की। उन्होंने जेल परिसर की स्वच्छता पर विशेष ध्यान देने और अस्वस्थ बन्दियों को तत्काल चिकित्सा सुविधा उपलब्ध कराने के निर्देश दिए। साथ ही उन्होंने कहा कि कोई भी बन्दी यदि निःशुल्क विधिक सहायता प्राप्त करना चाहता है, तो जिला विधिक सेवा प्राधिकरण में प्रार्थना पत्र प्रस्तुत कर सकता है।

हरे पेड़ की कटाई में लगाया गया जुर्माना

जलालपुर (अंबेडकरनगर)। वन विभाग की लापरवाही के चलते क्षेत्र में हरे पेड़ों की अवैध कटाई का सिलसिला थमने का नाम नहीं ले रहा है। ताजा मामला जलालपुर कोतवाली क्षेत्र के गौरा कमाल गांव का है, जहां करीब पांच दशक पुराना प्रतिबंधित पीपल का पेड़ चोरी-छिपे काट लिया गया। स्थानीय लोगों ने जब इस बात की सूचना वन क्षेत्राधिकारी स्नेह कुमार को दी, तो उन्होंने तत्काल कार्रवाई करते हुए हल्का वनरक्षक अभिनव सिंह और वनरक्षक बृजेश यादव को मौके पर भेजा। जांच में पता चला कि पेड़ को आज़मगढ़ जनपद के पवई निवासी एक ठेकेदार द्वारा काटा गया है। वन विभाग ने ठेकेदार के खिलाफ सख्त रुख अपनाते हुए 50 हजार रुपए का जुर्माना लगाया और काटी गई लकड़ी को स्थानीय ग्रामीणों के सुपुर्दगी में दे दिया है।

धूमधाम से मना आर्य समाज का 93वां स्थापना दिवस

जलालपुर (अंबेडकरनगर)

अमृत विचार। नगर स्थित दयानंद आदर्श जूनियर हाई स्कूल एवं बाल मंदिर में आर्य समाज का 93वां स्थापना दिवस बड़े हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। इस अवसर पर विद्यालय परिसर में विविध धार्मिक और सांस्कृतिक कार्यक्रमों का आयोजन किया गया।

कार्यक्रम के तहत बुधवार को छात्र-छात्राओं द्वारा भव्य रैली निकाली गई जो पूरे नगर का भ्रमण करते हुए वैदिक संदेशों का प्रसार करती रही। इसके साथ ही विद्यालय परिसर में यज्ञ, भजन, ध्वजारोहण और शोभा यात्रा का भी आयोजन हुआ। विद्यालय प्रबंधक अभिमन्यु मिश्र ने बताया कि आर्य समाज अपने स्थापना काल से ही ऐसे व्यक्तियों का संगठन रहा है जो समाज में व्याप्त कुरीतियों के विरोध में खड़े होकर सत्य, सनातन और वैदिक धर्म के मार्ग पर चलने के लिए प्रेरित करते हैं। कार्यक्रम में अध्यक्ष नंदकिशोर अध्यक्ष, प्रधानाचार्य विजय शंकर, अजीत कुमार मिश्र, राम आसरे, अनंत सोनी सहित अनेक गणमान्य लोग उपस्थित रहे।

आयोजन में हरदोई से भजनोपदेशक नेम प्रकाश आर्य, गोंडा से साकेत मुनि तथा सुल्तानपुर से राम मगन आर्य सहित कई लोग अपनी मनमोहक भजन प्रस्तुति करेंगे। विद्यालय प्रबंधक ने बताया गया कि गुरुवार और शुक्रवार को भी यज्ञ, भजन और प्रवचन के कार्यक्रम जारी रहेंगे।

एसडीएम से की गई कब्जे की शिकायत

जलालपुर (अंबेडकरनगर)। जलालपुर तहसील क्षेत्र के अरई गांव में सरकारी भूमि पर अवैध कब्जे का मामला सामने आया है। इससे नाराज ग्रामीणों ने उप जिलाधिकारी को शिकायती पत्र देकर तत्काल कार्रवाई की मांग की है। गांव के अनीता देवी, चंद्रभान, बृजभान, राम आशीष, दिलीप कुमार समेत दर्जनों ग्रामीणों ने शिकायती पत्र में बताया कि खलिहान, नवीन परती तथा घूर गड्ढे के खाते में अंकित है, उस पर विपक्षी पक्ष के कामता प्रसाद और सूरजभान ने दबंगई के बल पर अवैध कब्जा कर लिया है। ग्रामीणों का कहना है कि इस संबंध में कई बार शिकायत देने के बावजूद कोई ठोस कार्रवाई नहीं की गई, जिससे विपक्षियों का मनोबल बढ़ता जा रहा है। ग्रामीणों ने आरोप लगाया कि विपक्षी पक्ष के प्रभाव में लेखपाल भी कार्रवाई करने से बच रहे हैं।

रामलीला मंच को बनाए जाने को लेकर धरना जारी

जहांगीरगंज, अंबेडकरनगर

अमृत विचार। तहसील प्रशासन द्वारा तोड़े गए रामलीला मंच को फिर से बनवाए जाने की मांग को लेकर हरिहरपुर में आजाद अधिकार सी पार्टी के नेतृत्व में ग्रामीणों का चल रहा धरना बुधवार को तीसरे दिन भी जारी रहा।

जहांगीरगंज के हरिहरपुर में गत सोमवार से शुरू हुआ धरना पहले नायब तहसीलदार हुबलाल से फिर बाद में एसडीएम सुभाष सिंह और तहसीलदार पद्मेश श्रीवास्तव से हुई वार्ता से संतुष्ट नहीं होने के बाद

रामलीला मंच को बनवाने को लेकर प्रदर्शन करते ग्रामीण। अमृत विचार

अनिश्चितकालीन धरना शुरू कर दिया है। आजाद अधिकार सेना पार्टी के अयोध्या मंडल कोऑर्डिनेटर रजनीश त्रिपाठी और जिलाध्यक्ष मि॰ लाल यादव तथा नरेंद्र पांडे, मिश्रीलाल चौरसिया, पति राज दुबे, बच्चा राम चौरसिया आदि बुधवार के धरने में शामिल हुए। धरना दे रहे लोगों ने बताया कि सार्वजनिक भूमि पर आसपास ही बड़े पैमाने पर अतिक्रमण कर कब्जा किए जाने को नजर अंदाज कर भेदभावपूर्ण रवैया अपनाते हुए लेखपाल दयाशंकर की अगुवाई में तहसील शासन द्वारा जेसीबी से दशहरे के समय में सिर्फ रामलीला मंच को ही निशाना बनाया गया, यह सब कार्रवाई पूर्वाग्रह से ग्रसित होकर की गई। अब प्रशासन या तो अन्य अतिक्रमण पर भी कार्रवाई करे या रामलीला मंच को फिर से बनवाए।

हर्षोल्लास के साथ मनाया गया प्रकाशोत्सव

टांडा (अंबेडकरनगर) अमृत विचार। सिख पंथ के संस्थापक एवं प्रथम गुरु श्री गुरु नानक देव जी महाराज का प्रकाशोत्सव कार्तिक पूर्णिमा पर नगर के श्री गुरुद्वारा गुरु सिंह सभा परिसर में हर्षोल्लास पूर्वक मनाया गया। गुरुद्वारा गुरु सिंह सभा के तत्वावधान में प्रकाशोत्सव के पावन उत्सव पर निकल रही पांच दिवसीय प्रभातफेरी का परम्परागत ढंग से बीते शनिवार को समापन हुआ। रविवार से ज्ञानी सरदार सोहन सिंह द्वारा शबद कीर्तन कर संगत को निहाल किया। 3 नवम्बर की सुबह 7 बजे से अनवरत चलने वाले तीन दिवसीय अखण्ड पाठ का समापन बुधवार को सुबह दस बजे हुआ। इस अवसर पर सुबह 10 बजे से 12 बजे तक महिला संगत द्वारा सुखमनी साहिब का पाठ किया गया। उसके बाद ज्ञानी सरदार सोहन सिंह द्वारा शबद कीर्तन हुआ। दोपहर में अरदास व 2 बजे से गुरु का अटूट लंगर देर रात तक चला। रात में दीवान साहिब के भव्य सजावट के साथ रेहरास साहिब के पाठ से कार्यक्रम का शुभारम्भ होगा। कबि दरबार, ज्ञानी जत्था व बच्चों द्वारा सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किए। जो देर रात तक श्रद्धा पूर्वक चलत रहा। गुरुद्वारा गुरु सिंह सभा के संरक्षक सरदार राजेश सिंह सलूजा ने बताया कि प्रथम गुरु के प्रकाशोत्सव को भव्य रूप से संपन्न कराने में प्रधान सरदार त्रिलोक सिंह व सेक्रेटरी अंशू सिंह बग्गा की अगुवाई में सिख संगत के सेवादार जीजान से लगे रहे।

मिशन शक्ति के तहत किया गया जागरूक

जिला संवाददाता, अंबेडकरनगर

अमृत विचार। मिशन शक्ति पेज 5.0 के तहत नारी सम्मान देश का सम्मान विषय पर निबंध लेखन प्रतियोगिता का जनपद के विभिन्न विद्यालयों में आयोजन किया गया। अभियान के तहत छात्राओं को उनके हक के बारे में जागरूक किया गया। छात्राओं को विभिन्न योजनाओं और हेल्पलाइन नंबरों के बारे में जानकारी दी गई।

बता दें कि अभियान के तहत प्रमुख रूप से राजकीय बालिका इंटर कॉलेज भीटी, राजकीय बालिका इंटर कॉलेज कुर्की बाजार, राजकीय बालिका हाई स्कूल रतना भियांव, राजकीय हाईस्कूल पहतीपुर, राजकीय बालिका हाईस्कूल बसिया, राजकीय हाईस्कूल जहांगीरगंज, बीआरबी इंटर कॉलेज नसरुल्लाहपुर, जनता इंटर कॉलेज उतरेथू, राजकीय हाईस्कूल बड़ेपुर, राजकीय हाईस्कूल डिहवा मोहिदीनपुर, पंडित दीनदयाल उपाध्याय राजकीय मॉडल इंटर कॉलेज पहितीपुर खजूर डीह, रामलाल सिंह राम फेर जनता इंटर कॉलेज सेवागंज, राजकीय बालिका हाईस्कूल फरीदपुर कुतुब टांडा, राजकीय हाईस्कूल लखनपुर आदि विभिन्न विद्यालयों में निबंध लेखन की प्रतियोगिता कराई गई।

निबंध लेखन की प्रतियोगिता में प्रतिभाग करते छात्र-छात्राएं। अमृत विचार

आस्था | जनपद में श्रद्धा और उल्लास के साथ मनाया गया कार्तिक पूर्णिमा और देवदीपावली का त्योहार

कार्तिक पूर्णिमा पर श्रद्धालुओं ने सरयू में लगाई डुबकी

जहांगीरगंज, अंबेडकरनगर

अमृत विचार। जनपद में कार्तिक पूर्णिमा गंगा स्नान का पर्व श्रद्धा और उल्लास के साथ मनाया गया। सरयू के तटों पर भक्ति की बयार दिखाई दी। हर-हर गंगे के जयघोष से सरयू के घाट गूंज उठे। इस मौके पर लोगों ने नदियों, सरोवरों में स्नान किया तथा मंदिर में पूजा-पाठ किया। सुबह से लेकर शाम तक पूजा-पाठ का क्रम चलता रहा। पूजा पाठ करके लोगों ने मंगलकामनाएं कीं। हलांकि आलापुर तहसील क्षेत्र केचहोड़ा घाट पर स्नान कर रही दो महिलाओं के साथ चेन स्नैचिंग का मामला प्रकाश में आने पर पुलिस ने कुछ संदिग्ध महिलाओं को हिरासत में लेकर उनसे पूछताछ कर रही है। रामबाग घाट पर 5100 दीप

कार्तिक पूर्णिमा पर सरयू तट पर स्नान व दान करते श्रद्धालु। अमृत विचार

प्रज्जवलित कर देवदीपावली मनाया गया।

बता दें कि कार्तिक पूर्णिमा पर बुधवार को तहसील आलापुर क्षेत्र के सरयू तट चहोड़ा, रामबाग, बिड़हर, कम्हरिया, सरयूनगर में श्रद्धालुओं ने भोर पहर से ही आस्था की डुबकी लगायी। इस दौरान मंदिर परिसर में सत्यनाराण कथा का श्रवण कर हलवा-पूड़ी का भोग लगाया और तुलसी की विदाई किया। गंगा स्नान कार्तिक पूर्णिमा पर प्रमुख रूप से भगवान विष्णु की पूजा करने का महत्व है। पुराणों के मुताबिक कार्तिक मास सभी महीनों में उत्तम होता है। उसके पूरा होने पर भगवान विष्णु की पूजा का महत्व है। इसी दिन भगवान श्रीराम ने काशी में जाकर दीप दान किया था, इसलिए इसे देव दीपावली के पर्व के रूप में भी मनाया जाता है। इस दिन देवताओं की दीपावली होती है। सुबह से मंदिरों में जहां पूजा-पाठ का क्रम शुरू हुआ, वहीं दिन भर लोगों ने नदी घाटों पर स्नान करके पूजा पाठ किया। घरों पर भी लोगों ने भगवान सत्यनारायण की कथाएं सुनीं।

श्रद्धालुओं ने सुनीं भगवान सत्यनारायण की कथा

टांडा (अंबेडकर नगर)। कार्तिक पूर्णिमा पर श्रद्धालुओं ने पवित्र सरयू नदी में स्नान किया। लोगों ने श्रद्धा के साथ भगवान सत्यनारायण का विधि-विधान पूर्वक पूजन कर उनकी कथा भी सुनीं और दान किया। मान्यता है कि कार्तिक पूर्णिमा पर दिया गया दान, कई महायज्ञों के बराबर होता है। इस मौके पर ग्रामीण अंचलों में परम्परागत मेले का भी आयोजन हुआ। कार्तिक पूर्णिमा पर लोगों ने श्रद्धा के साथ भक्तिमय माहौल में व्रत धारण कर विधिवत भगवान सत्यनारायण की पूजा कर कथा सुनी और हवन आरती करके सुख समृद्धि की कामना किया। वहीं भारी संख्या में श्रद्धालुओं ने क्षेत्र के हनुमान गढ़ी घाट, राजघाट व तामेश्वर नाथ महादेव डुहिया स्थित पवित्र सरयू तट पर पावन जलधारा में स्नान कर पूजन-अर्चन किया। सुबह चार बजे से ही स्नानार्थियों का आवागमन और पवित्र सरयू स्नान शुरू हुआ। जो दोपहर तक निरन्तर चलता रहा। लोगों ने सरयू स्नान कर मंदिरों में स्थापित विग्रहों का पूजन-अर्चन कर पुरोहितों को दान भी दिया। इस अवसर पर नदी के किनारे घाटों पर भारी संख्या में पुलिस बल की तैनाती रही।

देव दीपावली पर सरयू आरती में शामिल हुए हजारों भक्त

आजमगढ़। देव दीपावली के पावन अवसर पर नगर पंचायत महराजगंज स्थित भैरवधाम में आस्था और श्रद्धा का अद्भुत संगम देखने को मिला। मंदिर परिसर और सरयू तट पर हजारों दीपों की लौ से पूरा क्षेत्र आलोकित हो उठा। बड़ी संख्या में श्रद्धालु मां सरयू की आरती में शामिल हुए और भक्ति भाव से दीपदान कर पुण्य अर्जित किया। आज सुबह से ही सामाजिक संगठनों व श्रद्धालुओं द्वारा धाम मंदिर परिसर व सरयू के किनारे दीप प्रज्जवलन की तैयारी में लगे नज़र आये। शाम होते धाम परिसर व सरयू तट पर भक्तों की भीड़ उमड़ पड़ी और सायंकाल सरयू आरती के समय पूरा वातावरण "हर हर गंगे" और "हर हर महादेव" के जयघोष से गूंज उठा। नगर पंचायत की ओर से विशेष सजावट की गई थी।

कार्तिक पूर्णिमा पर स्नान करने जा रही महिला की हादसे में हुई मौत

जहांगीरगंज, अंबेडकरनगर

अमृत विचार। कार्तिक पूर्णिमा पर पुत्र के साथ बाइक पर बैठकर सरयू नदी में स्नान करने जा रही महिला हादसे की शिकार हो गई। जिससे उनकी मौके पर ही मौत हो गई। पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज आरोपित चालक के विरुद्ध मुकदमा दर्ज कर लिया है।

बिन्दू पांडे की फाइल फोटो।

बता दें कि जहांगीरगंज के आदमपुर गांव निवासी मनीष पांडे बुधवार को सुबह करीब 9 बजे अपनी 56 वर्षीय मां बिन्दू पांडे को बाइक पर बैठकर कार्तिक पूर्णिमा के अवसर पर सरयू नदी में स्नान कराने के लिए रामबाग घाट के लिए लेकर जा रहे थे। वह गांव से कुछ ही दूरी पर ऐनवां चरहिया मुख्य मार्ग पर पहुंचे ही थे, तभी सामने से आ रही तेज रफ्तार गैस सिलेंडर लदी ट्रक ने बाइक में जोरदार टक्कर मार दिया। टक्कर लगने से दोनों बाइक से नीचे गिर गए तभी बिन्दू का सिर पहिए के नीचे आ गया और बाइक पूरी तरह से क्षतिग्रस्त हो गई। सडक़ हादसे में बिन्दू की मौके पर ही दर्दनाक मौत हो गई, जबकि हादसे के बाद ट्रक चालक जो कि स्थानीय ऐनवां गांव का ही निवासी बताया जा रहा है, वह ट्रक को मौके पर ही छोडक़र भाग गया। मौके पर पहुंची पुलिस ने ट्रक को अपनी अभिरक्षा में ले लिया और शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। मृतका के पुत्र मनीष पांडे ने हादसे की जिम्मेदार ट्रक चालक अनवर के विरुद्ध थाने पर तहरीर दे दी है।

अमृत विचार

अयोध्या, गुरुवार, 6 नवंबर 2025

ट्रक से भिड़ी टूरिस्ट बस, 14 तीर्थ यात्री घायल

अयोध्या से बनारस जा रही थी बस, दोमुंहा-सुलतानपुर मार्ग पर सोनबरसा गांव के पास हुआ हादसा

भदैंया, सुलतानपुर

अमृत विचारः बुधवार सुबह देहात कोतवाली क्षेत्र अंतर्गत दोमुंहा-सुलतानपुर मार्ग पर सोनबरसा गांव के पास अयोध्या से बनारस जा रही तीर्थयात्रियों से भरी बस एक ट्रक से जा टकराई। भीषण हादसे में गुजरात के वापी और बलसाड क्षेत्र के करीब दो दर्जन यात्री घायल हो गए। सभी घायलों को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र भदैंया में भर्ती कराया गया, जहां प्राथमिक उपचार के बाद उन्हें आगे की यात्रा पर रवाना कर दिया गया।

कोतवाली देहात के सोनबरसा के पास दुर्घटनाग्रस्त टूरिस्ट बस। ● अमृत विचार

जानकारी के मुताबिक, गुजरात के वापी और बलसाड से दो बसें अयोध्या दर्शन के बाद काशी के लिए रवाना हुई थीं। लोहरामऊ ओवरब्रिज बंद होने से बसों को डायवर्जन मार्ग से भेजा गया था। इसी दौरान सोनबरसा के पास पीछे चल रही बस एक ट्रक से टकरा गई। हादसे में रोमा देवी (60) को सिर में चोटें आईं, जबकि योगेश भाई (23) की उंगली कट गई। अन्य घायलों में हीरा भाई (35), जशोदा (65), आभा बेन (54), मोनी (23), राधिका (43), सरस्वती बेन (54), हीरा बाई (45), सुशीला बेन (54), रिंकी (16), सांभवी (23), विजय भाई (34) और सोमेन शाह (45) शामिल हैं। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और सभी घायलों को एंबुलेंस से सीएचसी भदैया भेजा। वहां चिकित्सक डॉ. अवनीश कांत तिवारी व फार्मासिस्ट बृजेश पांडेय की टीम ने उपचार किया। यात्रियों के अनुसार, ओवरब्रिज बंद होने के कारण संकरे डायवर्जन मार्ग पर बस का संतुलन बिगड़ गया था। देहात कोतवाल अखंडदेव ने बताया कि दुर्घटनाग्रस्त वाहन की तलाश की जा रही है और मामले में विधिक कार्रवाई की जा रही है।

पूर्वांचल एक्सप्रेस-वे पर चलती बस में चालक की हार्ट अटैक से मौत

संवाददाता, सुलतानपुर : पूर्वांचल एक्सप्रेस-वे पर बुधवार को हरियाणा से बिहार जा रही एक निजी बस में चालक की हार्ट अटैक से मौत हो गई। पसियापारा माइलेज 166.2 के पास तबीयत बिगड़ने पर बस रोकी गई। साथी चालक ने मदद बुलाई, लेकिन सीएचसी दोस्तपुर में डॉक्टरों ने 43 वर्षीय जितेंद्र निवासी सिवाना, झाझर (हरियाणा) को मृत घोषित कर दिया। शव को एम्बुलेंस से हरियाणा भेजा गया।

दो पक्षों में हुई मारपीट में चार लोग घायल, मुकदमा दर्ज

कादीपुर, सुलतानपुर

अमृत विचारः कोतवाली क्षेत्र के मखदुमपुर कला गांव में बुधवार को खेत में पानी छोड़े जाने को लेकर दो पक्ष आमने-सामने हो गए। विवाद इतना बढ़ा कि लाठी-डंडे और धारदार हथियार चल गए। घटना में दो महिलाओं सहित चार लोग घायल हो गए। दोनों पक्षों ने एक-दूसरे पर गंभीर आरोप लगाते हुए तहरीर दी है।

सुंदरी देवी पत्नी विजय बहादुर का आरोप है कि विपक्षी जबरन उनके चक में धान की फसल रख रहे थे। विरोध करने पर सुंदरी देवी और उनके पुत्र बृजेश तथा प्रिंस को लाठी-डंडों से पीटा गया। जिससे तीनों को गंभीर चोटें आई हैं। वहीं दूसरी ओर इंदु पत्नी शेर बहादुर ने आरोप लगाया है कि विपक्षी पक्ष ने उनके खेत में खड़ी धान की फसल में जबरन पानी छोड़ दिया, जिससे फसल खराब हो गई। विरोध करने पर विपक्षी उसके घर में घुस आए और कुल्हाड़ी से हमला किया। इस दौरान इंदु के सिर में गंभीर चोट आई।

प्रभारी निरीक्षक श्याम सुंदर ने बताया कि सुंदरी देवी की तहरीर पर इंदु एवं संतराम के खिलाफ और इंदु की तहरीर पर अजय, प्रिंस एवं सुंदरी देवी के खिलाफ नामजद मुकदमा दर्ज कर लिया गया है। मामले की जांच की जा रही है।

न्यूज ब्रीफ

पॉक्सो व अन्य धाराओं का वांछित गिरफ्तार

सुलतानपुर, अमृत विचार : कोतवाली देहात थाना क्षेत्र की एक किशोरी को बहला फुसलाकर भगा ले जाने के आरोपी को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। कोतवाली देहात के उतुरी निवासी हर्ष कुमार ने थाना क्षेत्र के एक किशोरी को बहला फुसलाकर भगा ले गया था। घर लौटी किशोरी ने सारी घटना अपनी मां को बताई थी। जिस पर किशोरी की मां ने थाने पर तहरीर दी थी। तहरीर पर पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर आरोपी युवक की तलाश में जुटी थी।

मुख्य सेमेस्टर की परीक्षाएं 13 नवंबर से

सुलतानपुर, अमृत विचार : कमला नेहरू स्वायत्तशासी संस्थान में सत्र 2025-26 की मुख्य सेमेस्टर परीक्षाएं 13 नवंबर से शुरू होंगी। प्राचार्य प्रो. आलोक कुमार सिंह ने बताया कि बीए, बीएससी, बीकॉम, बीएड, एलएलबी, एमए, एमएससी व एमकॉम समेत सभी कक्षाओं की परीक्षाएं तीन पालियों में होंगी। परीक्षा फार्म भरने की अंतिम तिथि 7 नवम्बर निर्धारित की गई है।

'घर-घर संघ' अभियान का शुभारंभ

सुलतानपुर, अमृत विचार : राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के शताब्दी वर्ष पर अंबेडकर शाखा सुलतानपुर द्वारा कार्तिक पूर्णिमा के दिन "घर-घर संघ" अभियान की शुरुआत की गई। 15 दिन चलने वाले इस अभियान में स्वयंसेवक टोली बनाकर समाज के हर वर्ग से संवाद स्थापित करेंगे और राष्ट्रभावना, समरसता व सेवा के संस्कार घर-घर तक पहुंचाएंगे।

दो भाइयों को विपक्षियों ने पीटा, मुकदमा दर्ज

संवाददाता, सुलतानपुर, अमृत विचार : खेत पर काम कर रही मां को भोजन देने जा रहे दो सगे भाइयों को रास्ते में ही विपक्षियों ने गाली गलौज देते हुए पीट दिया। मामले में पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर लिया है। कुड़वार थाना क्षेत्र के सोहगौली गांव निवासी अंजलि पत्नी मोबीन ने थाने पर तहरीर दी है। उसने बताया कि मंगलवार की दोपहर उनका दस वर्षीय पुत्र नसीम व 14 वर्षीय पुत्र समी उसे खेत पर खाना देने जा रहे थे। रास्ते में दोनों को गंजेहड़ी निवासी अनस व हामिम ने दोनों को गाली गलौज देते हुए मारपीटा। जिससे नसीम का हाथ टूट गया साथ ही दोनों को गंभीर चोट भी आई है। महिला ने बताया कि दोनों दबंग किस्म के आदमी है रास्ते में जान से मारने की धमकीं भी दी है। कुड़वार थाना प्रभारी ने बताया कि केस दर्ज कर जांच शुरू कर दी गई है।

ऋणग्राही की मौत पर बीमा कंपनी भरेगी लोन

● स्थायी लोक अदालत ने सुनाया फैसला

विधि संवाददाता, सुलतानपुर

अमृत विचारः स्थायी लोक अदालत अध्यक्ष राधेश्याम यादव, सदस्यगण मृदुलाराय व रमेश चन्द्र यादव की पीठ ने एक महत्वपूर्ण निर्णय में यह स्पष्ट किया है कि ऋणग्राही की मृत्यु के बाद यदि उस पर बीमा कवर मौजूद है तो संपूर्ण ऋण राशि बीमा कंपनी को बैंक को अदा करनी होगी। अदालत ने यह आदेश कोतवाली नगर के खैराबाद निवासी सोनू कुमार की याचिका पर सुनाया। याची सोनू कुमार ने शिकायत की थी कि उसके पिता स्वर्गीय रामफूल ने एसबीआई सिटी ब्रांच सुलतानपुर से 10 लाख का पर्सनल लोन लिया था, जिस पर एसबीआई जनरल इंश्योरेंस कंपनी का बीमा कवर भी था। पिता की अचानक 11 अगस्त 2023 को हृदयगति रुकने से मृत्यु हो गई थी। इसके बावजूद बैंक अधिकारियों ने बीमा की जानकारी छिपाते हुए पुत्र सोनू कुमार से 60 हजार रुपए की तीन किस्तें वसूल कीं और शेष ऋण भुगतान के लिए दबाव बनाया।

अदालत ने आदेश दिया कि एसबीआई जनरल इंश्योरेंस कंपनी, मृतक रामफूल द्वारा लिए गए 10 लाख रुपए के ऋण का भुगतान एक माह के भीतर भारतीय स्टेट बैंक सिटी ब्रांच सुलतानपुर को करे। साथ ही, बैंक द्वारा याची से वसूले गए 60 हजार रुपये को 7 प्रतिशत वार्षिक ब्याज सहित एक माह के भीतर वापस किया जाए।

इसौली पूर्व विधायक के केस में बहस टली

संवाददाता, सुलतानपुर : इसौली के पूर्व विधायक चंद्रभद्र सिंह सोनू और तीन अन्य पर गाली-गलौज व हत्या की धमकी देने के मामले में बुधवार को विशेष कोर्ट एमपी-एमएलए मजिस्ट्रेट शुभम वर्मा की अदालत में बहस के लिए 20 नवम्बर की तारीख नियत की गई है। धनपतगंज थाना क्षेत्र के मायंग गांव में 18 जून 2022 को नाली के पानी को लेकर हुए विवाद में गांव के बैजनाथ निषाद की तहरीर पर मामला दर्ज हुआ था। पुलिस ने चंद्रभद्र सिंह सोनू, फूलचन्द्र निषाद, रोशन सिंह और पप्पू सिंह के खिलाफ चार्जशीट दाखिल की है।

संजय निषाद हत्याकांड: आरोपी की जमानत खारिज

संवाददाता, सुलतानपुर : संजय निषाद हत्याकांड में जेल मे निरुद्ध कादीपुर थानाक्षेत्र के पलिया गोलपुर निवासी आरोपी घनश्याम की जमानत अर्जी बुधवार को जनपद न्यायाधीश सुनील कुमार की अदालत ने खारिज कर दी। अभियोजन पक्ष से डीजीसी क्रिमिनल रामअचल मिश्र के मुताबिक वादी सुनील निषाद निवासी ग्राम बेरामारुफपुर ने कोतवाली कादीपुर में तहरीर देकर आरोप लगाया था कि चार माह पूर्व उसके पुत्र संजय निषाद की हत्या घनश्याम पुत्र राममिलन ने अज्ञात साथियों के साथ मिलकर की थी। घटना के बाद शव नहर पटरी से लगभग सौ मीटर की दूरी पर मिला था। पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर विवेचना प्रारंभ की थी। अदालत ने मामले की गंभीरता को देखते हुए आरोपी की जमानत याचिका अस्वीकार कर दी।

अधिशाषी अभियंता हत्याकांड में सुनवाई 14 को

जल निगम के अधिशाषी अभियंता संतोष कुमार की हत्या के बहुचर्चित मामले में बुधवार को एडीजे द्वितीय विशेष एससी-एसटी न्यायालय न्यायाधीश राकेश पांडेय के अवकाश पर रहने से सुनवाई 14 नवम्बर तक टल गई। मामले में पूर्व सीओ प्रशांत सिंह को गवाही के लिए तलब किया गया है। अभियोजन पक्ष से पीड़ित के वकील अरविंद सिंह राजा ने बताया 17 अगस्त 2024 को अधिशाषी अभियंता संतोष कुमार की उनके घर में पीट-पीटकर हत्या कर दी गई थी। इस संबंध में मृतक के भाई संजय कुमार ने सहायक अभियंता समेत अज्ञात लोगों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कराया था। पुलिस ने सहायक अभियंता अमित कुमार शाह व आरोपी प्रदीप राम को पुलिस ने मुठभेड़ के बाद गिरफ्तार कर जेल भेजा था।

प्रॉपर्टी डीलर हत्याकांड में आज सुनवाई

चर्चित प्रॉपर्टी डीलर विजय नारायण सिंह हत्याकांड में एडीजे प्रथम संध्या चौधरी की अदालत में आज सुनवाई होगी। न्यायालय ने अभियोजन पक्ष के तीसरे गवाह संदीप को बतौर गवाह तलब किया है। पीड़ित पक्ष के अधिवक्ता अरविंद सिंह राजा ने बताया कि यह घटना 7 अप्रैल 2024 की शाम शहर के दरियापुर तिराहे पर हुई थी। इस मामले में अंबेडकर नगर जिले का शूटर अजय सिंह सिलावट आरोपी है, जो इस समय रायबरेली जेल में बंद है।

नहा रही महिला का बनाया वीडियो, कर दिया वायरल

सुलतानपुर अमृत विचार : महिला के नहाने के दौरान गांव के ही एक युवक ने महिला का वीडियो बना लिया। महिला का अश्लील वीडियो युवक ने अपने सोशल मीडिया अकाउंट से वायरल कर दिया। महिला की तहरीर पर पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर लिया है। धनपतगंज थाना क्षेत्र के एक गांव निवासी महिला ने थाने पर तहरीर देकर बताया कि वह जब नहा रही थी तभी गांव के युवक ने उसका चुपके से अश्लील वीडियो बना लिया। युवक ने उसके वीडियो को अपने सोशल मीडिया अकाउंट से वायरल कर दिया। जब उसे वीडियो वायरल होने की जानकारी मिली तो वह युवक से मिली जिस पर युवक व उसकी पत्नी ने गाली गलौज देते हुए जान से मारने की धमकी देते हुए घर से भगा दिया। धनपतगंज थाना प्रभारी प्रवीण कुमार यादव ने बताया कि तहरीर पर आरोपी युवक व उसके पत्नी के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर लिया गया है।

अवैध अल्ट्रासाउंड केंद्र को किया सीज

बल्दीराय, सुलतानपुर

अमृत विचारः तहसील क्षेत्र के पारा चौराहे पर अवैध रूप से संचालित एक अल्ट्रासाउंड केंद्र पर स्वास्थ्य विभाग की टीम ने बुधवार को छापेमारी कर तत्काल प्रभाव से केंद्र को सीज कर दिया। जांच के दौरान केंद्र संचालक आवश्यक दस्तावेज़, अनुमति पत्र तथा पंजीकरण प्रमाणपत्र प्रस्तुत नहीं कर सका, जिसके बाद कार्रवाई की गई।

एसीएमओ डॉ जेसी सरोज के नेतृत्व में एसडीएम बल्दीराय प्रवीण कुमार तथा स्वास्थ्य विभाग की टीम ने संयुक्त रूप से अल्ट्रासाउंड मशीन, रजिस्टर और पंजीयन अभिलेखों की गहन जांच की। दस्तावेजों में अनियमितताएं

अल्ट्रासाउंड केंद्र सीज करती हुई स्वास्थ्य विभाग की टीम। ● अमृत विचार

● शिकायत के बाद जागे स्वास्थ विभाग ने की कार्रवाई

पाए जाने पर केंद्र को अवैध संचालन की श्रेणी में मानते हुए सीज किया गया। एसडीएम प्रवीण कुमार ने सख्त रुख अपनाते हुए कहा कि "बिना अनुमति और मानकों के विपरीत चल रहे केंद्रों पर सख्त कार्रवाई जारी रहेगी। छापेमारी की कार्रवाई से क्षेत्र के अन्य अल्ट्रासाउंड एवं पैथोलॉजी केंद्र संचालकों में हड़कंप मचा हुआ है।

डीडीओ ने लिया क्राप कटिंग का जायजा

संवाददाता, सुलतानपुर

अमृत विचारः बुधवार को जिला विकास अधिकारी गजेन्द्र कुमार त्रिपाठी कूरेभार विकास खंड के इटकौली गांव पहुंचे। यहां उन्होंने किसानों से वार्ता की साथ ही धान के फसल की कटाई कर क्रॉप कटिंग का निरीक्षण किया।

इस दौरान किसानों से वार्ता के दौरान उन्होंने कहा है वह भी एक किसान के बेटे है किसानों का दुख दर्द समझते हैं। किसानों ने कहा है कम बरसात के बाद भी धान की फसल ठीक है। डीएम के निर्देश पर डीडीओ क्रॉप कटिंग का निरीक्षण करने पहुंचे थे। उन्होंने राजस्व कर्मियों को निर्देश दिया कि क्रॉप कटिंग का सही आकलन उपलब्ध कराए। वही किसानो से कहा कि सरकार किसानों की मेहनत का सम्मान करती है। कृषि योजना से

धान काटते जिला विकास अधिकारी गजेन्द्र कुमार त्रिपाठी। ● अमृत विचार

● कृषि योजना से जुड़ी सभी योजनाएं किसानों तक पहुंचाना सरकार का लक्ष्य

जुड़ी सभी योजनाएं किसानों तक पहुंचाना सरकार का लक्ष्य है। डीडीओ के क्रॉप कटिंग के निरीक्षण के दौरान लेखपाल सुनील सिंह, प्रधान प्रतिनिधि इरशाद हुसैन कृषि विभाग के अधिकारी व ग्रामीण मौजूद रहे।

गाली-गलौज के विरोध पर दुकानदार को पीटा

सुलतानपुर, अमृत विचारः दुकान पर बैठे दुकानदार को एक व्यक्ति ने गाली गलौज दी जिसका दुकानदार ने विरोध किया। जिस पर व्यक्ति ने दुकानदार की पिटाई कर दी। कूरेभार थाना क्षेत्र के जियापुर गांव निवासी झगरू राम ने थाने पर तहरीर दी है। बताया कि वह गांव में एक किराने की दुकान चलाता है। आरोप है कि मंगलवार की रात उसके दुकान पर राजेंद्र मौर्या आए उसे भद्दी गालियां देने लगे। जिसका उसने विरोध किया तो राजेंद्र दुकान में घुसकर उसे मारने लगे। ग्रामीणों को आता देख राजेंद्र जान से मारने की धमकी देता हुआ चला गया। राजेंद्र की पिटाई से उसे गंभीर चोट आई है। कूरेभार थाना प्रभारी ने बताया कि तहरीर पर मुकदमा दर्ज कर जांच की जा रही है।

मिश्रपुर पुरौना में श्रीमद्भागवत कथा में जमकर झूमे श्रद्धालु

भदैंया, सुलतानपुर, अमृत विचार : विकासखंड भदैंया अंतर्गत मिश्रपुर पुरौना गांव में चल रही सात दिवसीय श्रीमद्भागवत कथा ज्ञानयज्ञ के चौथे दिन बुधवार को भगवान श्रीकृष्ण का जन्मोत्सव श्रद्धा और उल्लास के साथ मनाया गया। इस दौरान कथा पंडाल में प्रसिद्ध भजन 'नंद के घर आनंद भयो, जय कन्हैया लाल की' की स्वर लहरियों पर भक्तजन देर तक झूमते व नाचते रहे। कथा स्थल को फूल-मालाओं और रंग-बिरंगे गुब्बारों से आकर्षक ढंग से सजाया गया था। कथावाचक पंडित ज्ञानेश्वर त्रिपाठी जी महाराज (टीकर माफी) ने श्रीकृष्ण की बाल लीलाओं का वर्णन करते हुए धर्म, अर्थ, काम और मोक्ष की महत्ता पर प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि जब-जब पृथ्वी पर अत्याचार और अन्याय बढ़ता है, तब-तब प्रभु विभिन्न रूपों में अवतार लेकर धर्म की स्थापना करते हैं। जब कंस ने मर्यादाओं का उल्लंघन किया, तब भगवान श्रीकृष्ण ने जन्म लेकर अधर्म का नाश किया। कथा के दौरान बासुदेव, यशोदा और बाल रूप श्रीकृष्ण की झांकी प्रस्तुत की गई, जिसे देखकर श्रद्धालु 'जय श्रीकृष्ण' के जयकारों से पूरा पंडाल गूंज उठा। प्रवचन के क्रम में कथावाचक ने कहा कि अच्छे जीवन के लिए संकल्प, संस्कार और गुरु-माता-पिता की आज्ञा का पालन जरूरी है। भागवत कथा और सत्संग से बच्चों में नैतिक संस्कारों का विकास होता है। सात दिवसीय श्रीमद्भागवत कथा से पूरे क्षेत्र में भक्ति और आनंद का वातावरण व्याप्त रहा। कथा के दौरान व्यास पूजा, भजन, झांकी और आरती का आयोजन हुआ।

सीता हरण का दृश्य देख भावुक हुए दर्शक

सूरापुर, सुलतानपुर

अमृत विचारः श्रीराम भक्त रामलीला समिति के तत्वावधान में विजेथुआ धाम में चल रही रामलीला में बुधवार की रात मारीच वध और सीताहरण का मनोहारी एवं हृदयस्पर्शी मंचन किया गया। सीता हरण के दृश्य ने उपस्थित दर्शकों की आंखें नम कर दीं।

कथा के अनुसार सूर्पनखा के अपमान का प्रतिशोध लेने हेतु रावण, मारीच को स्वर्ण मृग का रूप धारण करने को कहता है। स्वर्ण मृग को देखकर सीता मोहग्रस्त हो जाती हैं और उसे पाने का आग्रह करती हैं। पहले श्रीराम और फिर लक्ष्मण मृग की तलाश में जाते हैं। जाने से पूर्व लक्ष्मण सीता की सुरक्षा हेतु रेखा खींचते हैं। इसी दौरान रावण साधु के वेश में पहुंचकर भिक्षा मांगता है और सीता को रेखा से बाहर आते ही अपहरण कर लेता है। यह दृश्य मंच पर आते ही दर्शकों की भावनाएं उमड़ पड़ीं। मोनू मोदनवाल ने जटायु, राजाराम प्रजापति ने मारीच, अमृत लाल अग्रहरि ने हनुमान और राहुल दूबे ने सीता की भूमिका निभाई।इस मौके कर उदय प्रताप सिंह, वीरू मिश्र, हौंसिला प्रसाद पांडेय, पुष्पकांत मोदनवाल सहित कई श्रद्धालु उपस्थित रहे।

सीता हरण लीला का मंचन करते कलाकार। ● अमृत विचार

● विजेथुआ धाम की रामलीला में जीवंत हुआ सीताहरण का प्रसंग

चोरों ने आभूषण व नकदी किया पार

कादीपुर, सुलतानपुर, अमृत विचारः कोतवाली के भीखापुर कबालपुर (मिठनेपुर) गांव के राजेंद्र प्रसाद यादव का आरोप है कि 30 सितंबर 2025 को रात में लगभग एक बजे पीछे से उनके घर में घुसकर उनकी बहू की रखी हुई दो सोने की अंगूठी, सोने का चैन, गले का हार तथा दो जोड़ा पायल एवं सोने का झुमका तथा बीस हजार रुपए नगद चुरा ले गए। प्रभारी निरीक्षक श्याम सुंदर ने बताया कि ऑनलाइन आई तहरीर पर मंगलवार को अज्ञात चोरों के विरुद्ध केस दर्ज कर मामले की जांच शुरू कर दी गई है।

अमृत विचार

क्लासीफाइड

विज्ञापन हेतु अमृत विचार कार्यालय में सम्पर्क करें

वर्गीकृत विज्ञापन हेतु अमृत विचार अखबार के कार्यालय में सम्पर्क करें

सूचना

मैं मो0 वैश खान पुत्र मो0 नईम खान निवासी ग्राम-खैरातपुर, परगना-जगदीशपुर, तहसील मुसाफिरखाना जनपद-अमेठी (उ0प्र0) 227809 मेरे पासपोर्ट जिसका नं0-G5954710 है। उक्त पासपोर्ट पर मेरा नाम MOHAMMAD VAISH KHAN व पिता का नाम MOHAMMAD NAIM KHAN दर्ज है, जो कि गलत है। जबकि आधारकार्ड नं0-613880557606 पर मेरा नाम MOHD WAISH KHAN व पिता का नाम MOHD NAIM KHAN दर्ज है, जो कि सत्य व वास्तविक है, तथा इसी नाम से हम जाने व पहचाने जाते है।

सूचना

मैंने अपना नाम AHMAD ZAFAR से बदल कर MOHAMMAD ZAFAR रख लिया है अब भविष्य में मुझे MOHAMMAD ZAFAR के नाम से जाना वा पहचाना जाए। S/O- MOHAMMAD AHMAD Resident:- MAHDIPUR ALHANMAU PO ALIABAD BARABANKI 225401

सूचना

मैंने अपना नाम SURBIND से बदलकर SURBIND KUMAR NISHAD रख लिया है। आज से मुझे इसी नाम से जाना व पहचाना जाये। S/O- INDAR R/O- VILLAND POST-NANDAURI, UTRAULA, DIST-BALRAMPUR-271604 (U.P.)

सूचना

इन्द्रसेन यादव पुत्र राम नाथ यादव निवासी ग्राम लोकेपुर पोस्ट कूरेभार थाना कूरेभार तहसील सदर जिला सुलतानपुर। मै ARMY MEDICAL CORPS में नायक के पद पर कार्यरत हूँ मेरे हाईस्कूल अंकपत्र में मेरा नाम INDRSEN YADAV अंकित था जिस कारण मेरे सर्विस बुक में मेरा नाम INDRSEN YADAV अंकित है जबकि हाईस्कूल में अपना नाम संशोधित करवा लिया इसके तहत मेरा नाम आधार कार्ड नं0-307229868020 व हाईस्कूल की मार्कशीट (अनुक्रमांक 1946907 उत्तीर्ण वर्ष 2009) में मेरा नाम INDRASEN YADAV अंकित है जो कि सही एवं सत्य है। INDRSEN YADAV व INDRASEN YADAV दोनो नाम एक ही व्यक्ति के है। अतः मेरे सर्विस बुक में मेरा नाम INDRSEN YADAV के स्थान INDRASEN YADAV अंकित किया जाय।

सूचना

मुझे अपने पुत्र शब्बीर याकूब ए शेख की जन्मतिथि 01-01-1975 के पंजीकरण तथा जन्म प्रमाण पत्र बनवाने की जरूरत है। मैं इसीलिए इसका प्रकाशन करवा रहा हूं। मुजीबुल्ला पुत्र आकूब मोहल्ला, रफीनगर, उतरौला जनपद बलरामपुर

सूचना

सूचित किया जाता है कि मैं **दारेन पुत्र आबिद खान निवासी ग्राम निंदूरा, थाना कटरा बाजार, तहसील करनैलगंज, जनपद गोंडा** अपने नाम को बदलकर फैज खान रखना चाहता हूँ। आगे से सभी सरकारी अभिलेखों, दस्तावेजों एवं लेन-देन में मेरा नाम फैज खान ही मान्य होगा। दिनांक-05/10/2025, स्थान- गोंडा, दारेन (अब फैज खान)

सूचना

सूचित हो कि मैंने अपने पुत्र रविकरण, अरविंद कुमार और मनोज कुमार के गलत आचरण के चलते अपनी चल अचल संपत्ति से बेदखल कर दिया है। इनके द्वारा किए गये लेनदेन संबंधी कार्यो के वह स्वयं जिम्मेदार होंगे। मेरा इनसे कोई वास्ता नहीं रहा। **गंगादीन पुत्र सुंदर लाल निवासी- सिकंदरपुरा, दातागढ़ी राठ (हमीरपुर) उप्र**

लापरवाही | पीड़िता ने अधीक्षक से की शिकायत, विभाग ने नर्स का ट्रांसफर कर झाड़ लिया पल्ला

सीएचसी में टीका लगने के बाद पैर सड़ा

लंभुआ, सुलतानपुर

अमृत विचारः लंभुआ सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पर स्वास्थ्यकर्मियों की लापरवाही एक बार फिर सामने आई है। आरोप है कि स्टाफ नर्स द्वारा टीका लगाने के बाद एक नवजात का पैर गंभीर रूप से संक्रमित हो गया। घटना के बाद से परिवारजन परेशान हैं, लेकिन स्वास्थ्य विभाग की ओर से अब तक कोई ठोस कार्रवाई नहीं हुई है।

जानकारी के अनुसार शाहगढ़ क्षेत्र की रहने वाली रूमन सोनकर ने 7 सितंबर को लंभुआ सीएचसी में एक पुत्र को जन्म दिया था। अगले ही दिन अस्पताल में तैनात स्टाफ नर्स अर्चना ने नवजात को इंजेक्शन लगाया। परिजनों का आरोप है कि इंजेक्शन लगने के कुछ घंटों बाद ही बच्चे के पैर में सूजन और दर्द शुरू हो गया, जो धीरे-धीरे गंभीर संक्रमण में बदल गया। परिजनों ने अस्पताल स्टाफ से शिकायत की, लेकिन उन्हें यह कहकर टाल दिया गया कि "टीके का असर है, खुद ठीक हो जाएगा।" हालत बिगड़ने पर बच्चे को बाहर निजी चिकित्सक को दिखाया गया, जहां डॉक्टरों ने बताया कि पैर में गंभीर इंफेक्शन हो चुका है।

बीमार बच्चे को लेकर सीएचसी पहुंची मां। ● अमृत विचार

परिवार ने इस संबंध में सीएचसी अधीक्षक को लिखित शिकायत दी है। हालांकि, आरोपित नर्स अर्चना का ट्रांसफर कर विभाग ने मामले से पल्ला झाड़ लिया है।

ग्रामीणों का कहना है कि लम्भुआ सीएचसी में यह कोई पहली घटना नहीं है। आए दिन मरीजों को गलत इंजेक्शन, इलाज में लापरवाही और डॉक्टरों की अनुपस्थिति जैसी शिकायतें मिलती रहती हैं। लोगों ने शासन से मांग की है कि जिम्मेदार अधिकारियों पर कड़ी कार्रवाई की जाए ताकि ऐसी घटनाओं की पुनरावृत्ति न हो।

दिव्यांगों को कंबल आज तो शुक्रवार को मिलेगा चश्मा

सुलतानपुर, अमृत विचारः जयसिंहपुर कोतवाली क्षेत्र के बरौसा चौराहे पर लोकाधिकार सेवा समिति द्वारा दो दिवसीय शिविर का आयोजन किया गया है। शिविर में पहले दिन दिव्यांगों व जरूरतमंदों को कम्बल वितरण तो दूसरे दिन निःशुल्क चश्मा वितरण किया जाएगा।

समाजसेवी स्व. चंद्रशेखर शुक्ला बेबी भैया के सौजन्य से लोकाधिकार सेवा समिति के बैनर तले दो दिवसीय शिविर का आयोजन बीते 20 वर्षों से होता आ रहा है। उनके निधन के बाद इसकी जिम्मेदारी उनके पुत्र व जयसिंहपुर ब्लॉक प्रमुख राहुल चंद्रशेखर शुक्ला व समिति के अध्यक्ष प्रभाकर चंद्रशेखर शुक्ला उठा रहे हैं। गुरुवार को बरौसा स्थित कार्यालय पर दिव्यांगों व जरूरतमंदों को कम्बल वितरण किया जाएगा। वहीं, शुक्रवार को दिव्यांगों को निःशुल्क चश्मा वितरण किया जाएगा। जिसके लिए पहले चिकित्सकों की टीम जरूरतमंद लोगों की आंखों की जांच कर चश्मा का नंबर निर्धारित करेगी। उसके बाद उन्हें चश्मा वितरित किया जायेगा।

● लोकाधिकार सेवा समिति द्वारा किया गया है दो दिवसीय शिविर का आयोजन

न्यूज ब्रीफ

अंत्येष्टि स्थल के कार्य की देखी प्रगति

रुपईडीह, अमृत विचार : पंचायत विभाग के मंडलीय उपनिदेशक गिरीश चंद्र ने ब्लॉक की ग्राम पंचायत मधवा नगर का आकस्मिक निरीक्षण किया। यहां पर उन्होंने ग्राम पंचायत द्वारा निर्माण कराए जा रहे अंत्येष्टि स्थल के कार्य की प्रगति व उसकी गुणवत्ता के बारे में जानकारी हासिल की। एडीओ पंचायत गिरजेश पटेल, ग्राम प्रधान गुड़िया चौबे, पंचायत सचिव अनिल कुमार वर्मा व राधे रमण प्रजापति, पप्पू चौबे आदि लोग उपस्थित रहे।

पीएचसी पर 10 को लगेगा नेत्र शिविर

रुपईडीह, अमृत विचार : प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र रुपईडीह मुख्यालय पर 10 नवंबर को नि :शुल्क नेत्र परीक्षण शिविर आयोजित किया जाएगा। नेत्र परीक्षण अधिकारी श्यामलाल गौतम ने बताया कि इस शिविर में नेत्र रोगियों के नेत्रों की जांच की जाएगी। जांच के बाद जिन रोगियों के नेत्रों में मोतियाबिंद पाया जाएगा उन्हें ऑपरेशन के लिए अयोध्या भेजा जाएगा।

सड़क दुर्घटना में दो युवक घायल

बालपुर, गोंडा : करनैलगंज-परसपुर मार्ग पर कोहरा युवकों के लिए हादसे का सबब बन गया। बुधवार सुबह पांडेय चौरा के पास ट्रैक्टर-ट्राली की चपेट में आने से बाइक सवार दो युवक घायल हो गए। घायलों की पहचान 27 वर्षीय पुनीत दीक्षित पुत्र रामकुमार एवं राम प्रसाद पुत्र वेदनाथ, दोनों निवासी रोहटा, जिला बाराबंकी के रूप में हुई है। दोनों युवक बाइक से बस्ती जा रहे थे। हादसे के बाद उन्हें उपचार के लिए सीएचसी हलधरमऊ लाया गया, जहां प्राथमिक उपचार के बाद गंभीर हालत को देखते हुए मेडिकल कॉलेज गोंडा रेफर कर दिया गया।

आरपीएफ की हिरासत में युवक की मौत

परिजनों ने लगाया पीट-पीटकर हत्या करने का आरोप, दरोगा समेत तीन लोगों पर मुकदमा दर्ज

गोंडा कार्यालय

अमृत विचार: मंगलवार की रात रेलवे सुरक्षा बल की अभिरक्षा में एक युवक की संदिग्ध हालत में मौत हो गयी। युवक की मौत के बाद हड़बड़ाए पुलिसकर्मी मृतक का शव अस्पताल में छोड़कर भाग गए। युवक के मौत की सूचना मिलने पर अस्पताल पहुंचे परिजनों ने रेलवे सुरक्षा बल की टीम पर युवक की पिटाई करने और थर्ड डिग्री टॉर्चर करने का आरोप लगाया है। परिजनों का कहना है कि पुलिस कर्मियों ने युवक को पीट-पीटकर मार डाला। मामले में मृतक के भाई ने रेलवे सुरक्षा बल के एक दरोगा वह दो पुलिसकर्मियों पर हत्या की रिपोर्ट दर्ज कराई है। फिलहाल पुलिस ने युवक के शव का पंचनामा भरकर उसे पोस्टमार्टम के लिए भेजा है।

जिला अस्पताल की मोर्चरी में रोते-बिलखते परिजन। अमृत विचार

दरअसल 28 सितंबर को आरपीएफ ने ट्रेन से खाद्य तेल चोरी करने के मामले में मोतीगंज थाना क्षेत्र के किनकी गांव के रहने वाले पवन कुमार नाम के युवक को गिरफ्तार किया था। पवन के बयान आधार पर पुलिस चोरी के इसी मामले में संजय व रामफेर की तलाश कर रही थी। मंगलवार को आरपीएफ के दरोगा सुरेंद्र कुमार ने सिपाही करन सिंह यादव व अमित कुमार यादव तथा टीम के अन्य सिपाहियों के साथ संजय कुमार को उसके घर से गिरफ्तार किया था और उसकी निशानदेही पर गन्ने के खेत से खाद्य तेल बरामद भी किया था। पुलिसकर्मियों का कहना है कि थाने लाते समय संजय कुमार की हालत बिगड़ गयी तो उसे जिला अस्पताल ले जाया गया जहां डाक्टरों ने उसे मत घोषित कर दिया। संजय कुमार की मौत के बाद आरपीएफ टीम उसे जिला अस्पताल में छोड़कर चली गयी। घटना की सूचना मिलने पर परिजन मौके पर पहुंचे और हंगामा किया। परिजनों का आरोप है कि गिरफ्तारी के बाद पुलिस ने उसकी पिटाई की और उसे थर्ड डिग्री टॉर्चर किया जिससे उसकी मौत हो गयी। मृतक के भाई राजू सोनकर का कहना है पुलिस मंगलवार की उसे सुबह 11 बजे के करीब घर से ले गयी थी। उसके खिलाफ कोई एफआईआर नहीं थी। गिरफ्तारी के बाद पुलिसकर्मी उसे पूरा दिन गाड़ी में बैठाकर घुमाते रहे और उसकी पिटाई करते रहे जिससे उसकी मौत हो गयी। मामले में मृतक के भाई राजू सोनकर की तहरीर पर नगर ने आरपीएफ के दरोगा सुरेंद्र कुमार, करन सिंह यादव ,अमित यादव समेत अज्ञात पुलिसकर्मियों पर एफआईआर दर्ज की है। एएसपी पूर्वी मनोज कुमार रावत ने बताया कि मृतक के भाई की तहरीर पर तीन नामजद पुलिसकर्मियों समेत अज्ञात के खिलाफ हत्या की एफआईआर दर्ज की गई है।

> घटना बेहद दुखद है। शव पोस्टमार्टम के लिए भेजा गया है। रिपोर्ट आने के बाद अगर यह साबित होता है तो दोषियों के खिलाफ एक्शन लिया जायेगा।
>
> **-महेंद्र प्रसाद दूबे, सहायक सुरक्षा आयुक्त आरपीएफ**

एसआईआर गणना कार्य का शुभारंभ करती एसडीएम करनैलगंज नेहा मिश्रा।

एसडीएम ने की एसआईआर गणना की शुरुआत

करनैलगंज, गोंडा : नगर पालिका करनैलगंज क्षेत्र में बुधवार को एसआईआर गणना कार्य का शुभारंभ उपजिलाधिकारी नेहा मिश्रा ने किया। इस दौरान उन्होंने नगर क्षेत्र में पैदल भ्रमण कर लोगों को मतदाता जागरूकता के प्रति प्रेरित किया। विधानसभा क्षेत्र 298 करनैलगंज के अंतर्गत मतदाता जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया, जिसमें एसआईआर गणना प्रपत्रों का वितरण किया गया। कार्यक्रम में एसडीएम नेहा मिश्रा, बीएलओ, सुपरवाइज़र तथा अन्य अधिकारी उपस्थित रहे। नगर पालिका क्षेत्र के बूथ संख्या 12, 15, 23, 26 और 41 पर बीएलओ द्वारा मतदाताओं को एसआईआर गणना प्रपत्र वितरित किए गए। इस दौरान करीब 35 मतदाताओं ने एसआईआर प्रपत्र प्राप्त किए। अधिकारियों की मौजूदगी में पूरी प्रक्रिया पारदर्शी एवं सुव्यवस्थित ढंग से संपन्न हुई। एसडीएम नेहा मिश्रा ने बताया कि इस पहल का उद्देश्य मतदाताओं को उनके अधिकारों के प्रति जागरूक करना, पहचान दस्तावेजों का सत्यापन सुनिश्चित करना और आगामी चुनावों के लिए मतदाता सूची को अद्यतन बनाए रखना है।

बंगाल फर्जी वोटरों का गढ़: बृजभूषण

- पूर्व सांसद का ममता पर पलटवार एसआईआर का किया समर्थन

गोंडा कार्यालय

अमृत विचार : एसआईआर के विरोध में संविधान की पुस्तक लेकर सड़क पर उतरी पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी पर पूर्व भाजपा सांसद बृजभूषण शरण सिंह ने पलटवार किया। कहा पश्चिम बंगाल फर्जी वोटरों का गढ़ है। बंगाल में जितनी गड़बड़ी होती है उतनी देश के किसी अन्य प्रांत में होती है। एसआईआर का समर्थन करते हुए पूर्व सांसद ने कहा कि बंगाल में बहुत से मतदाता ऐसे हैं जिनका ताल्लुक बांग्लादेश से है, इसलिए एसआईआर होना चाहिए। मुख्यमंत्री ममता बनर्जी के एसआईआर के विरोध को लेकर पूर्व सांसद ने कहा कि ममता विरोध करें लेकिन यह होने वाला है, यह होगा। उन्होने कहा कि मेरे गांव में ही 100 लोग ऐसे जो यहां भी मतदाता हैं और दिल्ली में भी मतदाता हैं। पंचायत चुनाव में वह किराया देकर बुलाए जाते हैं। यह कोई इश्यू नहीं है लेकिन एसआईआर से कई करोड़ वोटर घटेंगे।

बृजभूषण शरण सिंह।

बिहार में मतदाता भाजपा के साथ

बिहार चुनाव में प्रचार कर वापस लौटे पूर्व भाजपा सांसद बृजभूषण शरण सिंह ने दावा किया है कि बिहार में भाजपा और एनडीए गठबंधन की एक तरफ जीत होगी। उन्होंने कहा कि बिहार का मतदाता भाजपा और नीतीश के साथ है। पूर्व सांसद ने कहा कि राहुल गांधी और तेजस्वी यादव सेल्फ गोल कर रहे हैं और इसका कोई असर मतदाताओं पर होने वाला नहीं है।

टेढ़ी नदी में नाव पलटने से मां-बेटी की मौत

मचा कोहराम

संवाददाता, गोंडा

अमृत विचार: नगर कोतवाली क्षेत्र के गोडियन पुरवा कपूरपुर मोड के पास बुधवार को टेढ़ी नदी में नाव पलटने से मां बेटी की डूबकर मौत हो गयी। दोनों मां बेटी नाव पर खाद की बोरी रखकर नदी पार कर रही थीं इसी बीच अचानक हादसा हो गया। कुछ देर बाद जब ग्रामीणों ने मां बेटी का शव पानी में उतराता देखा तो हड़कंप मच गया। सूचना पर पहुंची पुलिस ने शवों को कब्जे में ले लिया है। घटना की सूचना से पीडित परिवार में कोहराम मचा है। कोतवाली नगर अंतर्गत गोडियनपुरवा कपूरपुर चौकी क्षेत्र की रहने वाली उर्मिला निषाद (42) पत्नी दद्दन व उनकी पुत्री नंदिनी (12) बुधवार को खाद की बोरी लेकर नाव से टेढ़ी नदी पार कर रही थीं इसी बीच अचानक नाव पलट गई जिससे मां बेटी दोनों डूब गई। कुछ देर बाद जब ग्रामीण पहुंचे तो दोनों का शव पानी में उतराता मिला। स्थानीय लोगों लोगों ने इसकी सूचना नगर कोतवाली पुलिस को दी। सूचना पर पहुंची पुलिस शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। कोतवाल देहात संजय सिंह ने बताया कि नाव पलटने से दो लोगों की मौत की सूचना मिली है। नगर कोतवाली पुलिस ने पहुंचकर शव को कब्जे में लिया है। हादसे की सूचना मिलने पर अपर पुलिस अधीक्षक (पूर्वी) मनोज कुमार रावत व सीओ आनंद राय ने घटना स्थल का निरीक्षण किया और हादसे की जानकारी ली।

घटनास्थल पर मौजूद एएसपी मनोज रावत व सीओ आनंद राय। अमृत विचार

गुरुनानक देव के प्रकाश पर्व पर झलकी पंजाब की आत्मा

गुरुनानक देव के प्रकाश पर्व पर सजा दरबार। अमृत विचार

नवाबगंज, गोंडा

अमृत विचार: सिख धर्म के संस्थापक श्री गुरु नानक देव जी महाराज की 556वीं जयंती पर बुधवार को नवाबगंज नगर वाहे गुरु जी की गूंज से आलोकित हो उठा। गुरुद्वारा श्री अर्जुन देव साहिब के तत्वावधान में आयोजित प्रकाश पर्व समारोह में भक्ति, सेवा और सांस्कृतिक विविधता का अद्भुत संगम देखने को मिला। शाम के समय गुरूद्वारे से निकली भव्य शोभायात्रा ने नगर की सड़कों पर श्रद्धा का सैलाब बहा दिया। अमृतसर से आई मीत खालसा गतका पार्टी के युवाओं ने साहसिक करतबों से लोगों की वाहवाही लूटी, जबकि तरनतारन की जीत सिंह भांगड़ा पार्टी ने अपने ऊर्जावान नृत्य से सभी को मंत्रमुग्ध कर दिया।हाथी, घोड़े, बैंड, डीजे, पंच प्यारे और फूलों से सजी गुरू की पालकी शोभायात्रा के मुख्य आकर्षण रहे। महिला संगत ने भजन-कीर्तन प्रस्तुत कर भक्ति का वातावरण और भी मधुर बना दिया। प्रकाश पर्व की शुरुआत सुबह गुरूद्वारे में विशेष कीर्तन दरबार, महा आरती और अरदास के साथ हुई। मुख्य ग्रंथी सरदार ज्ञानी गुरूजीत सिंह ने संगत को गुरु नानक देव जी के जीवन और उपदेशों पर विस्तार से प्रकाश डाला। कार्यक्रम में पहुंचे नगर पंचायत अध्यक्ष डॉ. सत्येन्द्र सिंह ने मत्था टेक कर आशीर्वाद लिया। गुरुद्वारा प्रबंधक कमेटी ने उन्हें सरोपा भेंट कर सम्मानित किया।इससे पूर्व बीते दो दिनों से चल रहे अखंड लड़ीवार पाठ का विधिवत समापन भी किया गया।कार्यक्रम के अंतर्गत कस्बे के डीएवी इंटर कॉलेज परिसर में विशाल गुरु का लंगर आयोजित किया गया। यात्रा में सतपाल सिंह सचदेवा, हरभजन सिंह किंग, रवींद्र सिंह मोनू, हरजीत सिंह कैप्टन, अरविंद पाल सिंह, सिमरनजीत सिंह, महेंद्र सिंह, गुरदीप सिंह छाबड़ा, प्रीतपाल सिंह कुक्कू, प्रिंस, गुरु बख्श सिंह, जसमीत सिंह, देवेंद्र सिंह सचदेवा, कुलदीप सिंह होरा, राम सिंह बधावन, रविंद्र सिंह छाबड़ा, हरदीप सिंह प्रिंस, सिमरनजीत सिंह शैंकी, प्रतिपाल सिंह सलूजा कुक्कू, अरविंद पाल सिंह बधावन, मनदीप सिंह सचदेवा, धनविंदर सिंह सचदेवा, निहारिका समेत सिख समुदाय के सैकड़ों श्रद्धालु उपस्थित रहे।

जिले में घटा लहसुन-प्याज की खेती का रकबा

गोंडा कार्यालय

- 94 हेक्टेयर प्याज व 26 हेक्टेयर लहसुन का घट गया रकबा
- तीन हजार हेक्टेयर भूमि पर होती है जिले में आलू की खेती

अमृत विचार: जनपद में प्याज और लहसुन की खेती करने वाले किसानों का धीरे-धीरे मोह भंग होता जा रहा है। लगातार प्याज के भाव में गिरावट देखी गई है इसके वजह से इसकी खेती से किसान मुह मोड़ने लगे हैं। जिले में इस वर्ष लहसुन और प्याज की खेती का रकबा पिछले वर्ष की तुलना में बेहद कम हो गया है।

एकीकृत बागवानी विकास मिशन योजना के तहत किसानों को बीज वितरित किया जा रहा है, लेकिन लक्ष्य सीमित होने से बड़े पैमाने पर किसानों के लाभ से वंचित होने की आशंका है। इस बार लहसुन के लिए मात्र 4 हेक्टेयर और प्याज के लिए 6 हेक्टेयर का लक्ष्य निर्धारित किया गया है, जबकि पिछले वर्ष लहसुन 30 हेक्टेयर और प्याज 100 हेक्टेयर में बोया गया था। सब्जी बोने वाले किसानों का कहना है कि रकबा घटने से बाजार में आपूर्ति प्रभावित होगी, जिसके चलते भविष्य में कीमतों में तेजी देखने को मिल सकती है। फिलहाल बाजार में प्याज का दाम बहुत कम है । विभाग की ओर से प्याज और लहसुन के बीज केवल पंजीकृत किसानों को उपलब्ध कराया जा रहा है। जिससे भले ही पारदर्शिता बढ़े, लेकिन पात्र किसानों की संख्या अधिक होने पर वितरण में दिक्कतें बढ़ सकती हैं। विभागीय जानकारी के मुताबिक रकबा कम होने से बीज आवंटन भी घटा है। आलू किसानों के लिए भी बीज आ गया है। जिले को इस वर्ष आलू की कुफरी ख्याति प्रजाति के बीज का केवल 100 कुंतल आवंटन मिला है, जबकि जिले की करीब 3 हजार हेक्टेयर भूमि पर आलू की खेती होती है। किसान इसे 'ऊंट के मुंह में जीरा' जैसा मान रहे हैं। शासन द्वारा आलू बीज का मूल्य 2,915 रुपये प्रति कुंतल तय किया गया है। बताया जाता है कि ढाई कुंतल बीज प्रति बीघा आवश्यकता होती है, जबकि सामान्य परिस्थितियों में आलू से प्रति हेक्टेयर 250-300 कुंतल तक उत्पादन प्राप्त होता है। केवलपुर के रहने वाले किसान मकनू ने कहा कि प्याज और लहसुन का रकबा बढ़ाया जाना चाहिए, जिससे किसानों को राहत मिले। साथ ही आलू बीज का आवंटन भी बढ़ाया जाए, ताकि समय से वितरण संभव हो सके। इससे उत्पादन बढ़ेगा और किसानों की आय में सुधार होगा। जिला उद्यान अधिकारी रश्मि वर्मा ने बताया कि शासन के निर्देश पर किसानों को आलू बीज उपलब्ध कराया जा रहा है। प्याज और लहसुन का बीज पंजीकृत किसानों को दिया गया है।। विभाग तकनीकी सुझाव भी उपलब्ध करा रहा है, जिससे उत्पादन लागत कम करने और लाभ बढ़ाने में मदद मिलेगी।

घोडहन में महिला की हत्या कर शव फंदे से लटकाया

उमरीबेगमगंज, गोंडा: थाना क्षेत्र के घोडहन गांव में एक विवाहिता की हत्या कर उसका शव फंदे से लटका दिया गया। सूचना पर पहुंची पुलिस में शव का पंचनामा भरकर उसे पोस्टमार्टम के लिए भेजा है। मामले में मृतका के भाई की तरफ से पति समेत तीन लोगों के खिलाफ दहेज हत्या की एफआईआर दर्ज की गई है। पुलिस मामले की जांच कर रही है। उमरीबेगमगंज थाना क्षेत्र के बगरहवा मौजा धमरैया के रहने वाले अंकित जायसवाल के मुताबिक उसकी बहन बिंदू देवी(22) का विवाह थाना क्षेत्र के घोड़हन गांव निवासी दुर्गेश जायसवाल के साथ हुआ था। अंकित का कहना है कि शादी के बाद से ही उसके ससुराल वाले दहेज में सोने की जंजीर, बेड व 25000 रुपये नगद की मांग कर रहे थे। अंकित का आरोप है कि दहेज की मांग पूरी न होने पर 3 नवंबर को उसकी बहन बिंदू की हत्या कर दी गयी और उसका शव फंदे से लटका दिया गया। अंकित की शिकायत पर पुलिस ने आरोपी पति दुर्गेश जायसवाल, सास लखराजी व ननद सोनी के खिलाफ एफआईआर दर्ज की है। प्रभारी निरीक्षक नरेंद्र प्रताप राय ने बताया कि शव का पंचनामा कर पीएम के लिए भेजा गया था। मायके वालों की तहरीर पर तीन लोगों के खिलाफ दहेज उत्पीड़न का केस दर्ज कर करवाई की जा रही है।

पिकअप पलटी, कई श्रद्धालु घायल

करनैलगंज,गोंडा: कार्तिक पूर्णिमा स्नान कर लौट रहे भक्तों की पिकअप ट्रक की चपेट में आकर पलट गई। हादसे में चार यात्री घायल हो गए। एक महिला की हालत गंभीर बताई जा रही है। थाना कटरा बाजार क्षेत्र के मैजापुर भैरमपुर से श्रद्धालु सरयू घाट स्नान के लिए आए थे। लौटते समय सिघानिया हार्डवेयर के सामने पिकअप ट्रक से टकरा गई।

पिकअप में सवार संगीता पत्नी राकेश यादव, निराली पुत्री रामप्रीत यादव, विपिन यादव पुत्र रामस्वरुप निवासी अहिरनपुरवा मैजापुर घायल हो गए। सूचना पर पहुंची पुलिस ने सभी घायलों को सीएचसी करनैलगंज पहुंचाया। जहां गंभीर रूप से घायल महिला संगीता को जिला अस्पताल रेफर कर दिया गया। कोतवाल तेज प्रताप सिंह ने बताया कि दोनों वाहनों को कब्जे में लेकर विधिक कार्रवाई की जा रही है। वहीं,

ई-रिक्शा पलटा, कई घायल

बालपुर, गोंडा : गोंडा-लखनऊ राजमार्ग पर कपूरपुर मोड़ के पास दो ई-रिक्शा दुर्घटनाग्रस्त हो गए। एक ई-रिक्शा खड़े ट्रक में जा घुसा, जबकि दूसरा गड्ढे में पलट गया। लोगों ने घायलों को सीएचसी पहुंचाया। घायलों की पहचान नदई पुरवा बालपुर निवासी के रूप में हुई है। सभी महिलाएं सरयू घाट स्नान के लिए जा रही थीं।

दूसरी ओर करनैलगंज से चाचरी की ओर जा रही एक तेज रफ्तार एसयूवी अनियंत्रित होकर सड़क किनारे खाई में पलट गई।

अब प्रधान प्रत्याशी कर सकेंगे 1.25 लाख खर्च

त्रिस्तरीय पंचायत चुनाव

गोंडा कार्यालय

अमृत विचार: त्रिस्तरीय पंचायत चुनाव की तैयारी जोरों पर है। चुनाव आयोग ने चुनाव लड़ने वालों के खर्चे में बढ़ोतरी कर दी है। पिछले चुनावों में खर्च की सीमा को अब नए निर्देशों के अनुसार कर दिया है। पिछले चुनाव में प्रधान पद के लिए 75 हजार खर्च करने थे। अब ग्रापं, क्षेत्र पंचायत और जिपं के विभिन्न पदों पर चुनाव लड़ने वाले प्रत्याशी अब निर्धारित सीमा के भीतर ही खर्च कर सकेंगे। ग्राम पंचायत के प्रधान पद के लिए अब प्रत्याशी अधिकतम 1.25 लाख रुपये खर्च कर सकेंगे। निर्वाचन आयोग ने विभिन्न श्रेणियों के प्रत्याशियों के नामांकन पत्र, जमानत राशि व अधिकतम खर्च की सीमा भी अलग-अलग तय की है। ग्रापं सदस्य के सामान्य वर्ग के प्रत्याशी को नामांकन पत्र के लिए 200 रुपये, जमानत राशि 800 रुपये और अधिकतम खर्च सीमा 10 हजार रखी गई है। वहीं महिला, एससी-एसटी और ओबीसी वर्ग के प्रत्याशियों को कुछ राहत दी गई है। इनके लिए नामांकन शुल्क 100 रुपये, जमानत राशि 400 रुपये और अधिकतम खर्च सीमा 10 हजार होगी। ग्राम प्रधान पद के सामान्य वर्ग के प्रत्याशी को नामांकन शुल्क 600 रुपये, जमानत राशि 3000 और अधिकतम खर्च सीमा 1.25 लाख तय की गई है। इस प्रकार, एससी-एसटी, ओबीसी और महिला प्रत्याशियों के लिए नामांकन शुल्क 300 रुपये, जमानत राशि 1500 और खर्च सीमा 1.25 लाख रुपये होगी। बीडीसी सामान्य वर्ग के प्रत्याशियों के लिए नामांकन पत्र शुल्क 1000 रुपये, जमानत राशि 5000 व अधिकतम खर्च सीमा एक लाख रखी गई है। आरक्षित वर्ग के लिए यह सीमा 500 रुपये, जमानत राशि 4000 और अधिकतम खर्च सीमा 1 लाख होगी। जिपं सदस्य के सामान्य वर्ग के प्रत्याशी को 2000 रुपये नामांकन शुल्क, 10 हजार रुपये जमानत राशि और तीन लाख रुपये अधिकतम खर्च सीमा दी गई है। जबकि एससी-एसटी, ओबीसी और महिला प्रत्याशियों के लिए नामांकन शुल्क 1000 रुपये, जमानत राशि 5000 रुपये और अधिकतम खर्च सीमा तीन लाख रुपये निर्धारित की गई है। सहायक निर्वाचन अधिकारी नारायण ने बताया कक राज्य निर्वाचन आयोग की ओर से त्रिस्तरीय पंचायत चुनावों को लेकर चुनावी खर्च में बढ़ोत्तरी किए जाने की सूचना मिल रही है लेकिन अभी कोई आदेश नहीं आया है। आयोग के दिशा निर्देशों का कड़ाई से पालन कराया जाएगा।

उत्साह नगर में गूंजा गुरुवाणी व शबद-कीर्तन, शोभायात्रा में गतका पार्टी ने दिखाए हैरतअंगेज करतब

हर्षोल्लास के साथ मनाया गुरु नानक देव का प्रकाश पर्व

करनैलगंज, गोंडा

अमृत विचार : प्रथम सिख गुरु श्री गुरुनानक देव जी का जन्मोत्सव बड़े ही हर्षोल्लास संग मनाया गया। श्री गुरु सिंह सभा के तत्वावधान में निकाली गई भव्य शोभायात्रा में श्रद्धा और उत्साह का अनोखा संगम देखने को मिला। जिसमें गतका पार्टी ने हैरतअंगेज करतब दिखाया। सुबह गुरुद्वारे में शबद-कीर्तन व अरदास के बाद पंच प्यारे की अगुवाई में शोभायात्रा निकाली गई। शोभायात्रा में फूलों से सजी पालकी में गुरु ग्रंथ साहिब व गुरु नानक देव जी की प्रतिमा विराजमान रही। सिख समाज के लोग पानी छिड़ककर मार्ग को स्वच्छ कर रहे थे। गतका पार्टियों के कलाकारों ने करतब दिखाकर लोगों का मन मोह लिया। नगर वाहे गुरु के जयघोष से गूंज उठा। शोभायात्रा चौक घंटाघर पहुंचने पर अनोखेलाल मोदनवाल, राजीव गुप्ता, चंद्र शेखर गोस्वामी, गोविन्द सुल्तानिया ने फूल वर्षा कर स्वागत किया और प्रसाद वितरण किया। आयोजन में प्रधान पृथ्वी पाल सिंह पाले, सचिव जोगिंदर सिंह जानी, राहुल सिंह चौहान, पुनीत सिंह, अमन प्रताप सिंह, हरजीत सिंह, जसवीर सिंह छाबड़ा, त्रिलोक सिंह, हरविंद्र सिंह हैप्पी, अविनाश सिंह, परविंदर सिंह, डॉ. पुनीत सिंह, रमनदीप सिंह लवी, सतनाम सिंह, सतपाल सिंह, डॉ. गुरदीप सिंह, हरमीत सिंह, आशीष गोस्वामी, सोनू सिंह, अभिनव सिंह व अनमोल सिंह सहित बड़ी संख्या में श्रद्धालु मौजूद रहे। दिनभर गुरुद्वारे में अटूट लंगर चला जिसमें श्रद्धालुओं ने प्रसाद ग्रहण किया।

शोभायात्रा में शामिल श्रद्धालु। अमृत विचार

करतब दिखाते सिख समाज के लोग। अमृत विचार

कवि रविंद्र राष्ट्र विभूति सम्मान से सम्मानित

तरबगंज, गोंडा

अमृत विचार: स्थानीय थाना क्षेत्र के गौहानी गांव निवासी युवा कवि रविन्द्र कुमार पाण्डेय को राष्ट्र विभूति सम्मान से सम्मानित किया गया है जिससे क्षेत्र में खुशी की लहर है।शिक्षा कला और अध्यात्म की नगरी उत्तराखंड के रुड़की स्थित फोनिक्स यूनिवर्सिटी में योगेश शिक्षा कला एवं संस्कृति तथा नव निधि फाउंडेशन के संयुक्त तत्वाधान में राष्ट्र विभूति सम्मान का आयोजन किया गया। जिसमें पूरे देश से शिक्षा कला संस्कृति समाज सेवा में उत्कृष्ट योगदान देने वाले लोगों को सम्मानित किया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि शहीद सरदार भगत सिंह के भतीजे किरण कुमार संधू रहे। विशिष्ट अतिथि के रूप में कई यूनिवर्सिटी के कुलपति उपस्थित रहे। कार्यक्रम संयोजक संजय वत्स व अध्यक्ष फोनिक्स विवि के प्राचार्य चेरब जैन ने सभी अतिथि को उपहार देकर भी सम्मानित किया। जिले के शिव कुमार गुप्ता , अधिवक्ता चंद्रेश मणि द्विवेदी तथा शिक्षक समाज सेवी अरुण कुमार पाण्डेय व युवा कवि रवींद्र कुमार पाण्डेय को राष्ट विभूति सम्मान से सम्मानित किया गया। इस अवसर पर नवनिधि फाउंडेशन के चेयरमेन सर्वेश मिश्रा ने सबको अंग वस्त्र देकर सम्मानित किया। सर्वेश मिश्रा राष्ट विभूति सम्मान सहित अनेक पुरस्कार प्राप्त कर चुके हैं। संयोजक संजय वत्स ने अतिथि का आभार जताया।

राष्ट्र विभूति सम्मान से सम्मानित होते कवि रविन्द्र कुमार पांडेय। अमृत विचार

बुधवार की सुबह सड़कों पर छाया कोहरा। अमृत विचार

ठंड की हुई शुरुआत, छाया रहा कोहरा

गोंडा कार्यालय, अमृत विचार : ठंडक की शुरुआत हो गई है। सुबह कोहरा भी गिरने लगा है। नवंबर माह की शुरुआत से ही कोहरे का प्रकोप शुरू हो गया है, जिससे ठंड भी बढ़ने लगी है। जनपद में बुधवार की सुबह के वक्त दृश्यता काफी कम रही, कई जगहों पर यह 25 से 50 मीटर के बीच दर्ज हुई, जिससे सड़क, रेल और घरेलू यातायात प्रभावित हुआ। मौसम में यह बदलाव पश्चिमी विक्षोभ, वेस्टर्न डिस्टर्बेंस और बंगाल की खाड़ी में बने कम दबाव के क्षेत्र के कारण आया है। बारिश और हवाओं के बाद नमी बढ़ गई, जिससे कोहरे की परत और अधिक घनी होती जा रही है। मौसम विभाग के अनुसार अगले कुछ दिनों तक कोहरे की स्थिति बनी रहेगी और सर्दी लगातार बढ़ सकती है। वाहन चालकों को फॉग लाइट्स का प्रयोग और धीमी गति से चलना पड़ा। ट्रैफिक की रफ्तार भी धीमी रही, जिससे लोगों को परेशानी हुई।

फलाहारी दास मंदिर पर लगा मेला

रुपईडीह, अमृत विचार : कार्तिक पूर्णिमा के शुभ अवसर पर कौड़िया के फलाहारी दास मंदिर पर भव्य मेला आयोजित किया गया। मंदिर के महंत सिद्धार्थ दास ने बताया कि इस अवसर पर क्षेत्र के विभिन्न गांवो के बच्चों, पुरुषों व महिलाओं ने अधिक संख्या में एकत्रित होकर बाबा फलाहारी दास की प्रतिमा पर फूल माला चढ़कर उन्हें श्रद्धा सुमन अर्पित किया। बता दें कि मेले में स्थानीय एवं दूरदराज के इलाकों से बड़ी संख्या में लोग पहुंचे थे। मेला में शांति व्यवस्था बनाए रखने के लिए कौड़िया के प्रभारी निरीक्षक गोविंद कुमार पुलिस बल के साथ मुस्तैद रहे। प्रभारी निरीक्षक ने बताया कि मेला शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न हुआ।

भवानी घर से नहीं देती आंख, सहयोग देने में कोई नहीं रहा कांख...

नारदनामा

राकेश सिंह, बलरामपुर

अमृत विचार: कहानी यह है कि चंपक वन में एक बड़ी पार्टी को विशेष वन्य जीवों के दल का का समर्थन प्राप्त था। एक जमाना था कि वही वन्य जीव चुनाव में पर्चियां बांटकर जंगल के मतदाताओं को को पार्टी के पक्ष में मतदान के लिए प्रेरित करते थे। प्रचार के लिए उन्हें टुटही साइकिल मिलती थी। प्रमुख प्रचारक खटारा जीप से प्रचार करता था। चंपक वन के सीधे-साधे वन्य जीव उन्हें जंगल का सच्चा प्रेमी मानते थे। विशेष प्रचारक वन्यजीव कार्यकर्ता चंपक वन के भोले भाले व कमजोर जंगली जीवों की रक्षा के साथ -साथ विकास के पथ पर ले जाने को अग्रसर थे।

कहावत है कि घूर के दिन भी बहुरतै हैं। वे जिस दल को विशेष सहयोग कर रहे थे उसी दल की सरकार बन गई। वे टुटही साइकिल की जगह लग्जरी वाहनों से चंपक वन का दौरा करने लगे। सीधे साधे वन्यजीव उन्हें पूड़ी सब्जी की जगह मेवा मिष्ठान परोसने लगे। सीधा शेर से आशीर्वाद प्राप्त होने के कारण चंपक वन के जन प्रतिनिधि व अधिकारी भी उनके दबाव में आ गए।

अधिकारियों से मिलने के लिए उन्हें किसी की अनुमति नहीं लेनी पड़ती थी। जनप्रतिनिधि उन्हें देखते ही प्रणाम करते और कुर्सी छोड़कर खड़े हो जाते। किसी की क्या मजाल कि वे उनकी बात काट दें। एक बार चंपक वन के विशेष वन्यजीवों की कोष में धन की कमी आ गई। विशेष वन्य जीवों की विशेषता यह थी कि वे किसी से रिश्वत नहीं मांगते थे। उनका सारा काम चंदे से ही चलता था। शेर ने धन एकत्रित करने के लिए चंपक वन के मंत्री चीतों को आदेश जारी किया। कहा कि विशेष वन्यजीवों के कोष में धन की कमी आड़े नहीं आनी चाहिए। चीतों ने चंपक वन के सभी जनप्रतिनिधियों व अधिकारियों को शेर की मंशा से वाकिफ करवा दिया। सभी को अलग-अलग टारगेट दिए गए।

चंपक वन के अधिकांश जनप्रतिनिधियों ने वन्यजीवों को धन अदायगी के लिए समय मांगा। अधिकारियों ने भी टालमटोल किया लेकिन शेर के सामने किसी की नहीं चली। जनप्रतिनिधियों ने तय किया कि वे इस महत्वपूर्ण कार्य में चंपक वन के प्रधानों की मदद लेंगे। इसी तरह वन के अधिकारियों ने भी अपने-अपने असामियों की सूची तैयार कर ली। वन के प्रधानों को जब यह बात पता चली तो उन्होंने तय किया कि सहयोग के बदले उन्हें भी धन कमाने का मौका मिलेगा। वे सह योग को राजी हो गए। जंगल के एक प्रधान ने तो यहां तक कहा कि भवानी घर से आंख नहीं देती है। एक का निकाल कर दूसरे में फिट कर देती है। यही जुमला चंपक वन के विकास अधिकारियों ने भी दोहराया।

विशेष वन्यजीवों को सहयोग किए जाने के नाम पर नाराजगी के बजाय उनमें खुशी की लहर दौड़ गई। सहयोग राशि जमा करने के बाद चंपक वन का विकास स्थिर हो गया।

कार्तिक पूर्णिमा पर उमड़ा आस्था का सैलाब

लाखों भक्तों ने सरयू में लगाई डुबकी, जिले में कई स्थानों पर लगा मेला, लोगों ने खूब की खरीदारी

करनैलगंज के सरयू कटरा घाट पर उमड़े श्रद्धालु। अमृत विचार

तिर्रे मनोरमा में लगे मेले का निरीक्षण करते आईजी अमित पाठक। अमृत विचार

गोंडा कार्यालय

अमृत विचार: कार्तिक पूर्णिमा पर ही बुधवार को करनैलगंज के कटरा घाट पर आस्था का सैलाब उमड़ा। लाखों की संख्या में श्रद्धालुओं ने पवित्र सरयू नदी में स्नान किया। भोर से ही श्रद्धालुओं का स्नान-दान का सिलसिला शुरू हो गया, जो देर शाम तक चलता रहा। इस दौरान श्रद्धालुओं ने पवित्र सरयू में डुबकी लगाकर पुण्य अर्जित किया। वहीं कार्तिक पूर्णिमा को लेकर जिले के तिर्रे मनोरमा, खरगूपुर के झालीधाम मंदिर, धानेपुर के ईश्वरनंद कुटी, मोतीगंज के राजगढ़, देहात कोतवाली के सोनवरस व पथरी झील, करनैलगंज में सरयू नदी के तट, परसपुर में पसका, कटरा बाजार के फलाहारी धाम मंदिर समेत जिले के विभिन्न स्थानों पर मेले का आयोजन हुआ। मेले में महिलाओं और बच्चों ने जमकर खरीदारी की। करनैलगंज तहसील क्षेत्र के कटरा शहबाजपुर, सकरौरा, कचनापुर, यमदुतिया, भौरीगंज और पसका त्रिमुहानी घाट पर भी श्रद्धालुओं ने स्नान, ध्यान और पूजा-अर्चना कर मेले का लुत्फ उठाया। भारी भीड़ के कारण गोंडा-लखनऊ मार्ग पर दिनभर जाम की स्थिति बनी रही। करीब चार किलोमीटर तक वाहन रेंगते रहे। जाम हटवाने में कोतवाल तेज प्रताप सिंह, नगर चौकी प्रभारी राजीव कनौजिया सहित पुलिस बल को खासी मशक्कत करनी पड़ी।

मेले में सुरक्षा व्यवस्था बनाए रखने के लिए बड़ी संख्या में पुलिसकर्मी तैनात रहे। पुलिस प्रशासन की सतर्कता से पूरे दिन मेले का आयोजन शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न हुआ। खरगूपुर थाना क्षेत्र के जयप्रभा ग्राम के निकट धुसवा पोखरा मे आयोजित मेले में महिला एवं बच्चों की बड़ी संख्या में भागीदारी रही। थानाध्यक्ष प्रदीप सिंह चौकी इंचार्ज शेषनाथ पांडे सहित अन्य सुरक्षा कर्मी डटे रहे। रुपईडीह के ग्राम पंचायत तिर्रे मनोरमा में प्रतिवर्ष आयोजित होने वाला मनवर मेला शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न हुआ। इस मेले में क्षेत्र के विभिन्न गांवों को मिलाकर हजारों श्रद्धालुओं ने मनवर सरोवर में स्नान कर उद्दालक मुनि व राम जानकी मंदिर में प्रसाद चढ़कर पुण्य अर्जित किया। मेले में शांति व्यवस्था बनाए रखने के लिए इटियाथोक के प्रभारी निरीक्षक कृष्ण गोपाल राय तथा मेला प्रभारी राजेश कुमार दुबे मौजूद रहे।

विधायक ने किया मेलार्थियों का स्वागत: धानेपुर थाना क्षेत्र के ईश्वरनंद कुटी पर कार्तिक पूर्णिमा के दिन विशाल मेले का आयोजन हुआ। बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं ने पवित्र सरोवर में स्नान कर भगवान का दर्शन पूजन किया। मेहनौन विधायक विनय कुमार द्विवेदी व संत सहजवन मठ के महंत सर्वेश बन ने मेले में आए हुए श्रद्धालुओं का स्वागत किया। प्रभारी निरीक्षक अरविंद कुमार सिंह अपने दल बल के साथ श्रद्धालुओं की सुरक्षा के लिए मुस्तैद रहे।

ईश्वरनंद कुटी पर भक्तों संग मौजूद मेहनौन विधायक व महंत सर्वेश बन।

मेले का आईजी व एएसपी ने किया निरीक्षण

तिर्रे मनोरमा पर लगे मेले का आईजी अमित पाठक, एएसपी मनोज कुमार रावत तथा पुलिस क्षेत्राधिकारी शिल्पा वर्मा ने भ्रमण कर शांति व्यवस्था के बारे में जानकारी हासिल की। मेले में खोया पाया केंद्र पर छह-सात बच्चे आए जिन्हें कुछ देर बाद उनके परिजनों को सुपुर्द कर दिया गया। मेले मे दूर दराज के खिलौने व मिठाईयां की दुकान सज कर लगी हुई थी जहां पर मेलार्थियों ने खरीद फरोख्त कर खुशियां मनाई। इसके अलावा मेले में झूले लगे हुए थे। जहां पर बच्चों ने झूला झूल कर मेले का आनंद लिया।

अपहृता को सकुशल कराया बरामद

बलरामपुर, अमृत विचार : मिशन शक्ति फेज-5 अभियान के तहत तुलसीपुर पुलिस ने सराहनीय सफलता हासिल की है। थाना तुलसीपुर क्षेत्र में दर्ज अपहरण मामले में पुलिस ने मात्र 24 घंटे के भीतर नाबालिग अपहृता को सकुशल बरामद कर लिया और आरोपी को गिरफ्तार कर लिया। पुलिस अधीक्षक विकास कुमार के निर्देशन, अपर पुलिस अधीक्षक विशाल पांडेय व क्षेत्राधिकारी डॉ. जितेन्द्र कुमार के पर्यवेक्षण में प्रभारी निरीक्षक राज कुमार सिंह के नेतृत्व में गठित टीम ने यह कार्रवाई की। गिरफ्तार आरोपी की पहचान अरमान पुत्र सुभान अली, निवासी ग्राम निश्चलडीह, थाना तुलसीपुर के रूप में हुई है। आरोपी ने 16 वर्षीय नाबालिग को बहला-फुसलाकर शादी का झांसा देकर भगा ले जाने की वारदात की थी। आरोपी को न्यायालय के समक्ष पेश किया गया।

मतदाता सूची पुनरीक्षण अभियान शुरू बीएलओ घर-घर देंगे गणना प्रपत्र

बलरामपुर, अमृत विचार: विधानसभा चुनाव से पहले जिले में मतदाता सूची के विशेष सघन पुनरीक्षण (एसआईआर) अभियान की शुरुआत हो गई है। इसके तहत जिले की चारों विधानसभा क्षेत्रों गैसड़ी, तुलसीपुर, उतरौला और बलरामपुर में कुल 1724 बूथ लेवल अधिकारी (बीएलओ) तैनात किए गए हैं। जो घर-घर जाकर मतदाताओं को गणना प्रपत्र वितरित करेंगे। बीएलओ को इसके लिए प्रशिक्षण भी दिया गया है। उन्हें यह जिम्मेदारी सौंपी गई है कि वे प्रत्येक घर तक पहुंचकर मतदाता की जानकारी का सत्यापन करें और नए पात्र मतदाताओं का नाम जोड़ने या त्रुटियों को सुधारने का कार्य करें। तुलसीपुर में 414, गैसड़ी में 413, उतरौला में 463 और बलरामपुर में 434 बीएलओ नियुक्त किए गए हैं। अपर जिलाधिकारी (वित्त एवं राजस्व) ज्योति राय ने बताया कि चार दिसंबर तक सभी बीएलओ घर-घर जाकर गणना प्रपत्र भरवाने और मतदाताओं को वितरित करने का कार्य पूरा करेंगे। इसके बाद 9 दिसंबर को प्रारंभिक मतदाता सूची का प्रकाशन किया जाएगा। इसी दिन से 8 जनवरी तक दावे और आपत्तियां दर्ज की जा सकेंगी। प्राप्त दावे व आपत्तियों का निस्तारण 9 दिसंबर से 31 जनवरी तक किया जाएगा जबकि सात फरवरी को अंतिम मतदाता सूची का प्रकाशन किया जाएगा।

जांच में खुली स्वास्थ्य सेवाओं की पोल

बलरामपुर अमृत विचार: जनपद की स्वास्थ्य सेवाओं की सच्चाई जानने पहुंची केंद्रीय कॉमन रिव्यू मिशन (सीआरएम) टीम ने सोमवार को जिला अस्पतालों का निरीक्षण किया, तो स्वास्थ्य व्यवस्थाओं की पोल खुल गई। कई विभागों में मानकों की अनदेखी और गंदगी देखकर टीम के अफसरों के तेवर तल्ख हो गए। निरीक्षण के दौरान स्थानीय अधिकारी टीम के सख्त सवालों का जवाब देने से बचते नजर आए। टीम का नेतृत्व कर रहे एडीजी (टीबी) डॉ. रघुराम राव ने कहा कि मेडिकल कॉलेज शुरू होने से पहले जिला अस्पतालों की सभी सेवाएं दुरुस्त होनी चाहिए। शाम करीब सवा चार बजे टीम जब संयुक्त जिला चिकित्सालय पहुंची, तो ओपीडी बंद हो चुकी थी। इसके बावजूद टीम ने एक्स-रे, सीटी स्कैन, अल्ट्रासाउंड यूनिट समेत कई विभागों का निरीक्षण किया। जांच में मशीनों का संचालन मानक से विपरीत और अभिलेख अधूरे पाए गए। निरीक्षण के दौरान प्रसव कक्ष, ओटी, डायलिसिस यूनिट, किचन और फार्मेसी की हालत भी असंतोषजनक मिली। गंदगी और खराब शौचालय देखकर टीम ने तीखी टिप्पणी की। डॉ. राव ने कहा, "अस्पतालों में जो सफाई और सुधार अभी दिख रहा है, उससे लगता है कि टीम के आने की सूचना पहले से थी। अब दिखावे नहीं, स्थायी सुधार जरूरी है।" महिला चिकित्सालय में भी भारी खामियां मिलीं। एसएनसीयू यूनिट के रजिस्टर अधूरे और फॉर्मेट गलत पाए गए।

अस्पताल में स्वास्थ्य सेवाओं की जांच करते सीआरएम टीम के अधिकारी।

कार्तिक पूर्णिमा: भक्तों ने राप्ती में लगाई डुबकी

बलरामपुर, अमृत विचार: कार्तिक मास की शुक्ल पक्ष की पूर्णिमा तिथि पर बुधवार को बलरामपुर में आस्था और श्रद्धा का अद्भुत संगम देखने को मिला। छोटी काशी कहलाने वाले बलरामपुर के राप्ती नदी तटों पर भोर से ही श्रद्धालुओं की भीड़ उमड़ पड़ी। "हर-हर गंगे" और "जय मां बिजलेश्वरी" के जयघोष से घाटों का वातावरण भक्तिमय हो उठा। सूर्य की पहली किरण के साथ ही हजारों श्रद्धालुओं ने पवित्र राप्ती नदी में स्नान कर आस्था की डुबकी लगाई। विशेषकर बिजलीपुर मंदिर के समीप घाट पर जनसैलाब उमड़ा रहा। स्नान के बाद भक्तों ने सूर्यदेव को अर्घ्य अर्पित कर मंदिरों में पूजा-अर्चना की और मंगलकामनाएं कीं।

राप्ती नदी के सिसई घाट पर स्नान करते श्रद्धालु। अमृत विचार

हिंदू धर्म में कार्तिक पूर्णिमा को गंगा स्नान, दीपदान, हवन, यज्ञ और दान-पुण्य का अत्यंत शुभ अवसर माना गया है। मान्यता है कि इस दिन किया गया स्नान और दान अक्षय फल प्रदान करता है तथा सांसारिक पापों का नाश करता है। श्रद्धालुओं ने अन्न, धन और वस्त्र का दान कर पुण्य अर्जित किया।

दुर्गापुर व धोबहा नाले पर लगा मेला: गैसड़ी: कार्तिक पूर्णिमा के पावन अवसर पर मंगलवार को क्षेत्र के विभिन्न स्थलों पर आस्था और उल्लास का माहौल रहा। श्रद्धालुओं ने प्रातःकाल स्नान कर दान-पुण्य किया और मंदिरों में दर्शन-पूजन के साथ मेलों में भाग लिया। दुर्गापुर के प्रसिद्ध सैकड़ों वर्ष पुराने मेले का उद्घाटन समाजसेवी मदनलाल जायसवाल ने किया। वहीं, नेवलगढ़ ग्राम पंचायत के धोबहा नाले पर स्थित राम जानकी मंदिर परिसर में सुबह से ही श्रद्धालुओं की भारी भीड़ उमड़ पड़ी। थारू समाज के लोगों ने परंपरागत रूप से स्नान किया।

मेले में बिछड़ा बालक

कार्तिक पूर्णिमा मेले में बिछड़े एक छह वर्षीय बालक को पुलिस ने उसके परिजनों से मिलाया। बिजलीपुर कार्तिक पूर्णिमा मेला में ड्यूटी पर तैनात निरीक्षक बृजानंद सिंह व कांस्टेबल दयानंद मद्देशिया को सूचना मिली कि एक बालक भीड़ में रोता हुआ भटक रहा है। टीम ने बालक को शांत कर पूछताछ की तो उसने अपना नाम आशीष पुत्र संजय बताया। पुलिस ने तत्परता दिखाते हुए बालक को उसके पिता संजय के सुपुर्द कर दिया।

बुजुर्ग को ऑटो ने मारी टक्कर, मौत

गैसड़ी, बलरामपुर : थाना कोतवाली जरवा क्षेत्र के ग्राम जनकपुर में मंगलवार रात एक दर्दनाक सड़क हादसे में 65 वर्षीय बुजुर्ग की मौत हो गई। हादसे की खबर फैलते ही गांव में शोक की लहर दौड़ गई। जानकारी के अनुसार, रामदास (65 वर्ष) पुत्र रामसरन मंगलवार की रात करीब 8:30 बजे शौच के लिए घर से बाहर निकले थे। इसी दौरान तुलसीपुर की ओर से तेज रफ्तार में आ रही एक ऑटो ने उन्हें पीछे से टक्कर मार दी। टक्कर लगते ही रामदास सड़क पर गिरकर गंभीर रूप से घायल हो गए। स्थानीय लोगों और परिजनों ने तुरंत घायल को निजी वाहन से सीएचसी तुलसीपुर पहुंचाया, जहां डॉक्टरों ने जांच के बाद उन्हें मृत घोषित कर दिया। मृतक की पत्नी सुरसती देवी ने थाना कोतवाली जरवा में तहरीर देकर अज्ञात ऑटो चालक के खिलाफ कार्रवाई की मांग की है।

न्यूज डायरी

कथा व्यास की आरती करते यजमान। अमृत विचार

रुक्मिणी विवाह का सुनाया प्रसंग

नवाबगंज, गोंडा : स्थानीय क्षेत्र के महंगूपुर गाँव में चल रही श्रीमद्भागवत कथा के छठवें दिवस बुधवार को कथा व्यास पं. मोहित शरण शास्त्री ने भक्तों को भगवान श्रीकृष्ण के कंस वध और रुक्मिणी विवाह के दिव्य प्रसंगों का रसपान कराया। भक्ति, नीति और धर्म की प्रेरणा से ओत-प्रोत कथा सुनकर श्रद्धालु भावविभोर हो उठे। कथा व्यास पं. मोहित शरण शास्त्री ने कहा कि जब-जब अधर्म बढ़ता है, तब भगवान स्वयं अवतरित होकर धर्म की रक्षा करते हैं। कंस ने अपने अहंकार और अत्याचार से धरती को कंपा दिया था। बाल रूप में अनेक प्रयासों से बचने वाले श्रीकृष्ण ने अंततः मथुरा पहुँचकर कंस का संहार किया और धर्म की स्थापना की।

रामलीला में मंचन करते कलाकार। अमृत विचार

धनुषयज्ञ महोत्सव में उमड़ी भीड़

करनैलगंज, गोंडा : श्री धनुषयज्ञ महोत्सव समिति सकरौरा के मंच पर मंगलवार की रात्रि धनुषयज्ञ की मनमोहक लीला का भव्य मंचन किया गया, जिसे देखने के लिए श्रद्धालुओं की भारी भीड़ उमड़ पड़ी। लीला की शुरुआत महाराज जनक की पिनाक वंदना से हुई। इसके बाद जनक ने गुरु सतानंद के माध्यम से ऋषि विश्वामित्र के साथ आए श्रीराम और लक्ष्मण का स्वागत कर उन्हें सिंहासन पर विराजमान कराया। तत्पश्चात देश-देशांतर से आए राजाओं का प्रवेश हुआ। ऊधमचंद, बुढ़वा राजा, रावण और बाणासुर के किरदारों ने दर्शकों का खूब मनोरंजन किया।

अमित बघेल का पुतला फूंकते सिंधी समाज के लोग।

सिंधी समाज देगा इनाम

गोंडा कार्यालय : हमारे आराध्य देवों और जनसंघ के संस्थापक नेताओं के खिलाफ आपत्तिजनक टिप्पणी करने वाले छत्तीसगढ़ क्रांति सेना के अध्यक्ष अमित बघेल की जुबान काटकर लाने वाले को सिंधी समाज पांच लाख इनाम देगा। यह घोषणा सिंधी समाज के युवा नेता दिनेश ठक्कुर 'दीनू' ने की। सिंधी काउंसिल ऑफ इंडिया के प्रदेश उपाध्यक्ष जगदीश रायतानी ने कहा कि अमित बघेल का बयान सिंधी व अग्रवाल समाज के आराध्य देवों के खिलाफ है।

चिकित्सा प्रतिपूर्ति के अनुमोदन को लेकर भिड़े कर्मचारी

गोंडा कार्यालय, अमृत विचार : चिकित्सा प्रतिपूर्ति फाइल को अनुमोदित करने के लिए स्वास्थ्य विभाग कर्मचारी आपस में भिड़ गए। पटल के लिपिक शशिकांत ने नगर कोतवाली में मुकदमा दर्ज कराया है जिसमें कहा है कि सीएमओ कार्यालय में तैनात कर्मचारी विजय शंकर फाइल को अनुमोदित करने के लिए भेजा दबाव बना रहे थे। बाद में विवाद भी किया। बताया जाता है कि संबंधित पटल पर काफी समय से फाइल अटकी हुई थी जिसको लेकर कर्मचारी विरोध जता रहा था।

सुरक्षा संबंधी कानून की जानकारी लेतीं मदरसा की छात्राएं व अन्य। अमृत विचार

छात्राओं को किया गया जागरूक

पचपेड़वा, बलरामपुर : मिशन शक्ति अभियान के पंचम चरण के अंतर्गत एंटी रोमियो/मिशन शक्ति टीम ने बुधवार को मदरसा जामिया फातिमा जहरा, बरगदवा सैफ, पचपेड़वा में छात्राओं को विभिन्न सामाजिक और कानूनी विषयों पर जागरूक किया। कार्यक्रम में छात्राओं को दहेज प्रतिषेध अधिनियम, बाल विवाह निषेध अधिनियम तथा महिलाओं की सुरक्षा से जुड़ी सरकारी योजनाओं व हेल्पलाइन नंबरों की जानकारी दी गई। टीम ने छात्राओं को 1090 (महिला हेल्पलाइन), 112 (आपातकालीन सेवा), 102/108 (एम्बुलेंस), 181 (महिला सहायता), 1930/155260 (साइबर हेल्पलाइन) और 1076 (मुख्यमंत्री हेल्पलाइन) नंबरों के उपयोग के बारे में विस्तार से बताया। साथ ही साइबर अपराध जैसे ओटीपी शेयरिंग, लकी ड्रॉ फ्रॉड कॉल, स्मार्ट एडिटिंग वीडियो कॉल, बैंकिंग फ्रॉड और पेंशन धोखाधड़ी से बचने के उपाय समझाए गए। छात्राओं को मादक पदार्थों के सेवन के दुष्परिणाम, यातायात नियमों का पालन, बाल विवाह व दहेज जैसी कुरीतियों से दूर रहने तथा शिक्षा के महत्व बताए गए।

हर्षोल्लास के साथ मनाया गया गुरुनानक देव का प्रकाश पर्व

बलरामपुर, अमृत विचार : सिख धर्म के प्रवर्तक गुरु नानक देव जी का प्रकाश पर्व बुधवार को नगर के गुरु सिंघ सभा बलरामपुर द्वारा श्रद्धा और उल्लास के साथ मनाया गया। इस दौरान गुरुद्वारों में "वाहे गुरु जी दा खालसा, वाहे गुरु दी फतेह" के जयघोष से पूरा वातावरण गुंजायमान रहा। सुबह प्रभात फेरी गुरुद्वारे से प्रारंभ होकर चौक, मेजर चौराहा, अस्पताल चौराहा, वीर विनय चौक होते हुए सराय फाटक मार्ग से पुनः गुरुद्वारे पहुंची, जहां संगत ने बड़ी श्रद्धा के साथ अरदास की। श्रद्धालुओं ने गुरु नानक देव के उपदेशों पर चलने और समाजसेवा का संकल्प लिया। प्रकाश पर्व के अवसर पर गुरु ग्रंथ साहिब का अखंड पाठ सम्पन्न हुआ। पाठ समाप्ति के बाद शबद-कीर्तन का आयोजन किया गया, जिसमें गुरु की महिमा का गुणगान हुआ।

जिला स्पोर्ट्स स्टेडियम का निरीक्षण करते डीएम और अन्य। अमृत विचार

डीएम ने किया स्पोर्ट्स स्टेडियम का निरीक्षण

बलरामपुर, अमृत विचार : जिलाधिकारी विपिन कुमार जैन ने बुधवार को तहसील बलरामपुर सदर स्थित स्पोर्ट्स स्टेडियम का निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने खिलाड़ियों से संवाद कर खेल सुविधाओं का फीडबैक लिया और कहा कि खिलाड़ियों को बेहतर प्रशिक्षण एवं सुविधाएं उपलब्ध कराना प्रशासन की प्राथमिकता है। डीएम ने स्टेडियम में उपलब्ध कोचों, खेल उपकरणों और प्रशिक्षण व्यवस्था की जानकारी ली और आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि सभी खेलों के लिए पर्याप्त इक्विपमेंट की व्यवस्था की जाए ताकि खिलाड़ियों को अभ्यास में किसी प्रकार की दिक्कत न हो। निरीक्षण के दौरान स्टेडियम के मुख्य प्रवेश द्वार पर वाहनों की अव्यवस्थित पार्किंग देखकर डीएम ने तत्काल पार्किंग स्थल बनाए जाने के निर्देश दिए। उन्होंने शाम के समय पर्याप्त प्रकाश व्यवस्था सुनिश्चित करने और खराब हाई मास्ट लाइटों को शीघ्र दुरुस्त कराए जाने को कहा।

कार्तिक पूर्णिमा पर राप्ती में हजारों श्रद्धालुओं ने लगायी डुबकी

भोर में चार बजे से ही शुरू हो गया था स्नान का क्रम, साप्ताहिक मेले की हुई शुरुआत, ताल बघेल घाट पर श्रद्धालुओं ने नौका विहार का आनंद लिया

आस्था

संवाददाता, नवाबगंज, बहराइच

अमृत विचार : नेपाल सीमा स्थित राप्ती नदी में कार्तिक पूर्णिमा के अवसर पर बुधवार का हजारों श्रद्धालुओं ने स्नान किया। इस मौके पर साप्ताहिक मेले का भी आयोजन किया गया। वहीं सुरक्षा व्यवस्था के लिए पुलिस बल मौजूद रहा।

होलिया मेला के नाम से प्रचलित स्थान बॉर्डर स्थित हनुमान मंदिर के निकट राप्ती नदी में हजारों श्रद्धालुओं के स्नान का क्रम भोर में चार बजे से शुरू हो गया था जो दिनभर चलता रहा। इस मौके पर प्रत्येक वर्ष की तरह होलिया मेला के नाम से जानकी गांव की बाजार में साप्ताहिक मेला का आयोजन किया गया

इस मौके पर होलिया मेला के घाट पर सैकड़ो वर्ष से कार्तिक पूर्णिमा का कार्यक्रम होता चला रहा है जहां परंपरा के अनुसार एक सप्ताह का मेला लगता है। प्रभारी निरीक्षक रमाशंकर यादव ने बताया कि सुरक्षा व्यवस्था के लिए पुलिस फोर्स की व्यवस्था की गई है । इसके अलावा बॉर्डर सिक्योरिटी फोर्स की निगरानी में कार्तिक पूर्णिमा का शांतिपूर्वक स्नान का कार्यक्रम संपन्न हुआ ।

नानपारा : कार्तिक पूर्णिमा के मौके पर बुधवार को तकिया सरयू नदी घाट व गाय घाट व सरयू घाट पर भक्तों ने आस्था की डुबकी लगाई। तकिया सरयू घाट व गायघाट सरयू घाट में हजारों श्रद्धालुओं ने आस्था की डुबकी लगाई। कार्तिक पूर्णिमा स्नान को लेकर नदी घाटों पर सुरक्षा के व्यापक इंतजाम रहे। नानपारा पुलिस के साथ पीएसी एनडीआरएफ की भी तैनाती की गई थी। सुरक्षा व्यवस्था का जायजा लेने के लिए पुलिस उपाधीक्षक नानपारा घाटों का निरीक्षण करते रहे ।

पयागपुर : कार्तिक पूर्णिमा के पावन अवसर पर ताल बघेल घाट स्थित माता फूलमती के मन्दिर पर मेला आयोजित हुआ, जिसमें हजारों मेलार्थियों ने हिस्सा लिया। लोगों ने नौका विहार का लुत्फ उठाया। बच्चों ने खिलौने खरीदने के साथ-साथ सर्कस और झूलों का खूब आनंद लिया एवं महिलाओं ने विशेष रूप से बिसातखाना गली से जमकर खरीदारी की। युवाओं के बीच सेल्फी का दौर जमकर देखने को मिला। मेले में नौका विहार लोगों के बीच विशेष आकर्षण का केंद्र रहा। युवाओं के साथ-साथ महिलाओं ने भी नाव की सवारी का आनंद लिया। सुबह से ही लगातार बढ़ती मेलार्थियों की संख्या ने मेले के माहौल को काफी खुशगवार बना दिया। प्रशासन सुरक्षा व्यवस्था को लेकर पूरी तरह चाक चौबंद दिखा। वहीं, नगर प्रशासन के कर्मी भी मेलार्थियों को पेयजल उपलब्ध कराने और साफ-सफाई बनाए रखने के लिए जगह-जगह मुस्तैद रहे। कुट्टी मेला, लखाही सहित अन्य स्थानों पर भी कुछ ऐसा ही नजारा देखने को मिला, जहां श्रद्धालुओं ने मेले का आनंद लिया।

कार्तिक पूर्णिम के अवसर पर आस्था की डुबकी लगाते श्रद्धालु। ● अमृत विचार

श्रीमरी माता मन्दिर परिसर में कार्तिक पूर्णिमा के अवसर पर मनायी गयी देव दीपावली। ● अमृत विचार

मेले में खरीदारी करते स्नान करने आए श्रद्धालु। ● अमृत विचार

101 दीपों से रोशन हुआ सरयू तट

बहराइच, अमृत विचार : राज्य स्वच्छ गंगा मिशन के निर्देश के क्रम में प्रत्येक वर्ष की भांति इस वर्ष भी जिला गंगा समिति के तत्वावधान में गायघाट पर ग्राम सभा पुरैना बख्श-भवानीपुर के ग्राम प्रधान राम आधार निषाद व राम सिंह यादव तथा प्रभागीय वनाधिकारी राम सिंह यादव की उपस्थिति में नमामि गंगे प्रोग्राम के अंतर्गत सरयू नदी के तट पर कचनार, आंवला व आम के 03-03 तथा शीशम के 02 कुल 11 पौध रोपित किये गये। इसके पश्चात सरयू नदी के तट पर सम्पूर्ण विधि विधान एवं पूजा अर्चना के पश्चात 101 दीपकों को प्रज्ज्वलित कर दीपदान व सरयू आरती की गई। इस अवसर पर प्रमुख रूप से स्थानीय जनप्रतिनिधिगण, विभागीय अधिकारी कर्मचारी तथा बड़ी संख्या में ग्रामवासियों द्वारा पूरे उत्साह के साथ प्रतिभाग किया गया।

देव दीपावली पर 11000 दीपों से जगमगाया सरयू तट

बहराइच, अमृत विचार : सरयू नदी के पावन तट पर श्रीमरी माता मन्दिर परिसर में कार्तिक पूर्णिमा के अवसर पर प्रतिभा संरक्षण सेवा न्यास की तरफ से द्वादश देव दीपावली मनाई गयी। संगठन के पदाधिकारियों एवं सदस्यों ने ग्यारह हज़ार दीपक जलाकर अज्ञानरूपी अंधेरों को नष्ट करने का संकल्प लिया। कार्यक्रम का शुभारम्भ सांसद डॉ आनंद गौड़, विधायक सुभाष त्रिपाठी व एमएलसी डॉ. प्रज्ञा त्रिपाठी ने दीप प्रज्जवलित कर किया। अध्यक्षता न्यास के प्रदेश संरक्षक घनश्याम वाजपेई व प्रदेश अध्यक्ष डॉ देवेन्द्र कुमार उपाध्याय ने किया। मुख्य अतिथि डॉ आनंद गौड़ ने कहा कि जिस प्रकार एक दीपक घने अंधेरों को काटकर सम्पूर्ण समाज को अवलोकित एवं प्रकाशित कर देता है उसी तरह हमें दीपक बनकर समाज के प्रत्येक वर्गों के बीच फैले अज्ञान रूपी अंधकार को दूर करना चाहिए। विशिष्ट अतिथि विधायक सुभाष त्रिपाठी ने कहा कि न्यास विविध क्षेत्रों में काम करता है जिसमें शिक्षा , स्वास्थ्य, पर्यावरण , आध्यात्मिक क्षेत्र व गौ रक्षा प्रमुख हैं। विशिष्ट अतिथि डॉ. प्रज्ञा त्रिपाठी ने कहा कि यह आयोजन विगत 2014 से किया जा रहा है। प्रदेश अध्यक्ष डॉ देवेन्द्र कुमार उपाध्याय ने कहा कि बीएचयू में पढ़ते समय काशी की देव दीपावली देखकर बहराइच में भी देव दीपावली मानने का निर्णय लिया जिसे संगठन के पदाधिकारियों एवं कार्यकर्ताओं के सहयोग से 2014 में प्रारम्भ किया जो आज भी अनवरत चल रहा है। कार्यक्रम को प्रदेश सचिव ध्रुव कुमार मिश्र, प्रदेश प्रचार प्रमुख अमरनाथ मिश्र, संजय सिंह ,अनन्त राम निषाद, हनुमान गुप्ता, उत्तम सिंह,रिशु चौधरी,पुण्डरीक पाण्डेय, रविन्द्र नाथ मिश्र, श्रीनाथ शुक्ल ,दुर्गेश पाण्डेय,संदीप सिंह बिसेन प्रमुख कैसरगंज,राधेश्याम यादव,अशोक मद्धेशिया आदि ने संबोधित किया। इस अवसर पर प्रमुख रूप से पूर्व जिलाध्यक्ष श्यामकरण टेकरीवाल, डॉ. अभिलाषा वर्मा ,सिटी मजिस्ट्रेट राजेश प्रसाद,एएसपी रामानंद कुशवाहा, कौशलेंद्र सिंह, उमेश सिंह, सिद्धांत वाजपेई,प्रांतीय समरसता प्रमुख राजकिशोर,विभाग प्रचारक कृष्ण कुमार,जिला प्रचारक अजय, प्रचार प्रमुख भूपेन्द्र सिंह,धर्मेंद्र सिंह, तेजवापुर खण्ड कार्यवाह अभिषेक शुक्ल,प्रवीण सिंह,शिवा तिवारी,राकेश सिंह,चंचरीक पाण्डेय,राकेश मिश्रा,मणिकांत मिश्र समेत बड़ी संख्या में क्षेत्रीय नागरिक उपस्थित रहे। देव दीपावली कार्यक्रम में लोगों ने उत्साह के साथ भाग लिया।

कार्यक्रम में मौजूद भाजपा नेता श्रीनाथ शुक्ल, डीजीसी अजय कुमार शर्मा, पुंडरीक पांडेय और आयोजक डा . देवेन्द्र उपाध्याय। ● अमृत विचार

न्यूज ब्रीफ

बाइक-साइकिल की टक्कर में एक घायल

जरवल रोड बहराइच, अमृत विचार : घाघरा घाट पुल पर बाइक व साइकिल की टक्कर में एक व्यक्ति घायल हो गया। हादसे में घायल इस्लाम (25) पुत्र अयूब निवासी साईं पुरवा तपेसिपाह थाना जरवल रोड को चौकी प्रभारी घाघरा घाट ने सीएचसी मुस्तफाबाद भेजा। हालत गंभीर देख उसे जिला अस्पताल रेफर कर दिया गया।

मामूली विवाद में दो पक्षों में मारपीट

श्रावस्ती, अमृत विचार : मल्हीपुर क्षेत्र के मल्हीपुर खुर्द के मजरा सांईगांव में बुधवार सुबह मामूली विवाद में दो पक्षों में मारपीट हो गई। पतीराम खेत के पास कांध खोद रहा था। इसी दौरान हनुमान तथा राम शंकर विवाद करने लगे। पतीराम के विरोध करने पर दोनों ने उस पर लाठी-डंडों से हमला कर दिया। बीच-बचाव करने पहुंची उसकी पत्नी सुन्दरी देवी को भी पीटा। पुलिस ने मामले की जांच शुरू कर दी है।

मारपीट के फरार तीन आरोपी गिरफ्तार

बहराइच, अमृत विचार : रामगांव पुलिस ने मारपीट के मामले में फरार चल रहे तीन आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया है। थाना रामगांव क्षेत्र में कुछ लोगों ने मामूली कहासुनी में मारपीट की थी। पीड़ित ने तीन लोगों पर मुकदमा दर्ज कराया था। तीनों फरार चल रहे थे। पुलिस ने बुधवार आरोपी शहजाद आलम, रियाजुद्दीन, मुन्ना उर्फ अब्दुल हफीज निवासीगण ग्राम पडोहिया थाना रामगांव को हरेरापुल के पास से गिरफ्तार कर लिया। पुलिस ने तीनों को जेल भेज दिया।

विज्ञान मॉडल प्रतियोगिता आज

बहराइच, अमृत विचार : बाल वैज्ञानिकों की प्रतिभा को निखारने के उद्देश्य से जिला विज्ञान क्लब के तत्वावधान में वैश्विक कल्याण के लिए वैश्विक विज्ञान की थीम पर महाराज सिंह इंटर कॉलेज में 06 नवम्बर को आयोजित जनपद स्तरीय विज्ञान मॉडल प्रतियोगिता का सदर विधायक अनुपमा जायसवाल द्वारा शुभारम्भ किया जायेगा। पूर्वान्ह 10 :00 बजे से अपरान्ह 03 :00 बजे तक आयोजित प्रतियोगिता में कक्षा 9 से 12 तक के विद्यार्थी प्रतिभाग करेंगे। यह जानकारी जिला विज्ञान क्लब के समन्वयक डॉ नंद कुमार शुक्ल ने दी।

दोषी को जेल में बिताई अवधि की कैद की सजा

श्रावस्ती, अमृत विचार : मल्हीपुर पुलिस ने बिढयनपुरवा निवासी योगेंद्र पुत्र प्रहलाद को चाकू के साथ गिरफ्तार कर जेल भेजा था। मामले में अपना फैसला सुनाते हुए सीजेएम ने आरोपी को जेल में बिताई अवधि की कैद व 200 रुपये के अर्थदण्ड से दण्डित किया है।

सांसद ने किया 3.24 करोड़ की परियोजनाओं का लोकार्पण

संवाददाता, बहराइच

अमृत विचार : पालिका सभागार में आयोजित कार्यक्रम में सांसद डॉ. आनंद गोंड़ ने नगर क्षेत्र की 3 करोड़ 24 लाख लागत की 256 निर्माण योजनाओं का लोकार्पण किया। इस मौके पर पालिका द्वारा शहरी क्षेत्र के लिए एक स्मोग गन वेहिकल को भी हरी झंडी दिखाकर रवाना किया गया।

सांसद डॉ गोंड़ ने बताया कहा कि 2025-26 के सत्र के लिए 3 करोड़ 24 लाख की परियोजनाओ का लोकार्पण किया गया है। साथ ही एन्टी स्मोग गन व वेहिकल का भी लोकार्पण किया गया है। ये स्मोग गन जाड़े में कोहरे और गर्मी में धूल से बचाव के लिए उपयोगी होगी। उन्होंने कहा कि पालिका इसी तरह आगे भी कार्य करती रहेगी। जिले का शहरी क्षेत्र अब और भी ज्यादा सुंदर और विकसित होगा। पालिका द्वारा आयोजित कार्यक्रम में पालिका परिषद अध्यक्ष सुधा टेकड़ीवाल व चेयरमैन प्रतिनिधि श्याम करन टेकड़ीवाल, ईओ प्रमिता सिंह, एमएलसी डॉ. प्रज्ञा त्रिपाठी, एमएलसी पद्मसेन चौधरी, भाजपा जिलाध्यक्ष बृजेश पांडेय समेत गणमान्य लोग मौजूद रहे। पालिका अध्यक्ष सुधा टेकड़ीवाल ने बताया कि नगर में कई सड़कों के अतिरिक्त नगर के कुछ स्थानों फायर स्टेशन के सामने, अग्रसेन चौक के बगल यूरिनल निर्माण तथा सभी पुराने सुलभ शौचालयों का नवीनीकरण हो रहा है। इसी के साथ यात्री विश्राम शेड, जिला उद्योग कार्यालय के बगल, नगर में स्वच्छ वातावरण हेतु एंटी स्मोक गन, नगर में प्रकाश हेतु केडीसी तिराहे से नगर पालिका तक मार्ग पर प्रकाश हेतु विद्युत पोल एवं तिरंगा लाइट का कार्य कराया गया। अग्रसेन चौराहे से स्टेशन तक विद्युत पोल एवं तिरंगा लाइट लगाई गई है।

सांसद आनंद गोंड का स्वागत करते पालिका अध्यक्ष प्रतिनिधि श्यामकरन टेकड़ीवाल।

नये वाहन को हरी झंडी दिखाकर रवाना करते सांसद आनंद गोंड। ● अमृत विचार

हादसे में किशोर की मौत, 3 घायल

श्रावस्ती, अमृत विचार : इटहिया मोड़ पर बाइक व साइकिल की टक्कर में एक किशोर की मौत हो गई जबकि तीन लोग घायल हो गए। हरदत्तनगर गिरण्ट के खजुरी के मजरा ईटहिया निवासी गोंगू (17) व बेरु (16) साइकिल से नासिरगंज बाजार जा रहे थे। इटहिया मोड़ बाइक ने टक्कर मार दी। हादसे में दोनों किशोर और बाइक सवार बंशीराम (55) व उनकी बहन घायल हो गयी। घायलों को सीएचसी मल्हीपुर लाया गया। वहां से बेरू को एक निजी अस्पताल ले जाया गया। वहां इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई।

रेलमंत्री अश्विनी वैष्णव से मिलते केंद्रीय राज्यमंत्री सांसद कीर्ति वर्धन सिंह।

केंद्रीय राज्यमंत्री ने रेल मंत्री से की मुलाकात

जरवलरोड, बहराइच, अमृत विचार : गोंडा लोकसभा क्षेत्र के सांसद एवं केन्द्रीय राज्यमंत्री कीर्तिवर्धन सिंह ने रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव से मुलाकात कर क्षेत्र की रेल संबंधी तीन प्रमुख मांगें रखीं। पहली मांग कोरोना काल में बंद हुई गोंडा–लखनऊ पैसेंजर ट्रेन के पुन : संचालन की है। दूसरी मांग उतरौला–अयोध्या मार्ग पर मनकापुर समपार संख्या 245 पर रेलवे ओवर ब्रिज (आरओबी) के निर्माण से संबंधित है। तीसरी मांग प्रयागराज से मनकापुर तक चलने वाली सरयू एक्सप्रेस (14233/14234) का गोंडा तक विस्तार करने की है। रेल मंत्री ने सभी प्रस्तावों पर सकारात्मक आश्वासन दिया है। सांसद ने विश्वास जताया कि प्रस्तावों पर शीघ्र कार्य शुरू होगा, जिससे गोंडा और आसपास के क्षेत्रों के यात्रियों को बेहतर रेल सुविधाएं प्राप्त होंगी।

जंगली जानवर के हमले से बालक घायल

बहराइच, अमृत विचार : कोतवाली नानपारा थाना क्षेत्र में जंगली जानवर ने एक बालक पर हमला कर दिया। उसके पिता की ओर से हांका लगाने पर जंगली जानवर भाग गया। बालक को गंभीर हालत में इलाज के लिए मेडिकल कॉलेज बहराइच में भर्ती कराया गया है। नानपारा के बरुआ गांव में छह वर्षीय आदित्य घर के बाहर खेल रहा था। अचानक झाड़ियों से निकल कर आए जंगली जानवर ने उस पर हमला कर दिया। हमले में उसके चेहरे, पेट व शरीर के अन्य हिस्सों में चोट आई हैं। किशोर ने शोर मचाया तो उसके पिता मौके पर पहुंचे। लाठी डंडे से जंगली जानवर को खदेड़ दिया। इसके बाद किशोर की जान बची।

निकाली गयी मनमोहक झांकी। ● अमृत विचार

श्रीराम के राजतिलक के साथ रामलीला का समापन

पयागपुर, बहराइच, अमृत विचार : श्री आदर्श राम लीला समिति के तत्वावधान में आयोजित राम लीला महोत्सव का समापन भगवान राम के राज तिलक के साथ हुआ। वृन्दावन के श्री आदर्श राम लीला चरित्र मंडल के कलाकारों ने राम लीला का मंचन किया। राम लीला का समापन भगवान राम के राजतिलक के साथ हुआ। इससे पूर्व शोभा यात्रा निकाली गई। भगवान राम और भरत का भावुक मिलन सम्पन्न हुआ। कार्यक्रम में रमन अरोरा, दुख हरण शर्मा, प्रमोद शर्मा, धर्मराज शर्मा और विशाल शर्मा सहित कई गणमान्य व्यक्ति उपस्थित रहे।

उर्वरक की दुकानों से लिये 5 नमूने

संवाददाता, बहराइच

अमृत विचार : जिला कृषि अधिकारी डॉ. सुबेदार यादव द्वारा बलहा एवं मिहींपुरवा क्षेत्र में औचक निरीक्षण कर छापेमारी की कार्यवाही गई। छापेमारी के दौरान 10 उर्वरक प्रतिष्ठानों के निरीक्षण के दौरान संदिग्ध पाये जाने पर उर्वरकों पांच नमूने संग्रहीत किए गए एवं दो विक्रेताओं को कारण बताओ नोटिस जारी किया गया।

डॉ. यादव द्वारा समस्त उर्वरक विक्रेताओं को निर्देशित किया गया कि सभी उर्वरक विक्रेता पॉस मशीन से आधार कार्ड से खतौनी को चेक करते हुए शासन द्वारा निर्धारित मूल्य पर उर्वरक की बिक्री करें। उर्वरक वितरण के साथ-साथ स्टॉक एवं वितरण रजिस्टर स्टॉक एवं उर्वरक खरीदने वाले का रिकॉर्ड डे-बाई-डे अद्यतन रखकर निर्धारित मूल्य पर उर्वरक की बिक्री करें । उर्वरक विक्रेताओं को सचेत किया गया है कि यदि किसी भी विक्रेता द्वारा अनियमितता बरते जाने एवं सीमावर्ती राज्यों में उर्वरक की कालाबाजारी करने, बिना लाइसेंस एवं संदिग्ध उर्वरक बिक्री करते हुए पाये जाने पर सम्बन्धित के विरुद्ध कार्रवाई की जाएगी। जिला कृषि अधिकारी ने कहा कि यदि कोई व्यक्ति संदिग्ध या बिना लाइसेंस के उर्वरक की बिक्री करता है तो कृषि अधिकारी कार्यालय मे शिकायत दर्ज करायें।

उर्वरक की दुकान की जांच करते जिला कृषि अधिकारी सूबेदार सिंह। ● अमृत विचार

आस्था | डीएम व एसपी ने मातहतों संग मेला परिसर का भ्रमण कर लिया व्यवस्था का जायजा, दिया निर्देश

विधायक ने किया कार्तिक पूर्णिमा मेले का श्रीगणेश

संवाददाता, श्रावस्ती

अमृत विचार : सीताद्वार सिर्फ जिला ही नहीं, देवीपाटन व अयोध्या परिक्षेत्र के लोगों की आस्था का प्रमुख केंद्र है। यहीं माता जानकी ने परित्याग के बाद महर्षि बाल्मीकी आश्रम में शरण लिया था। यहीं मर्यादा पुरुषोत्तम श्रीराम के पुत्र लव व कुश का जन्म हुआ। मुख्यमंत्री योगी ने मेरे प्रस्ताव पर सीताद्वार कॉरिडोर बनाने की स्वीकृति प्रदान करते हुए विगत दिनों यहां आकर दर्शन भी किया था। यह सौभाग्य है कि आज हमें माता जानकी का दर्शन पूजन कर यहां पांच दिन चलने वाले कर्तिक पूर्णमा मेले का उद्घाटन करने का सौभाग्य मिला।

ये बातें बुधवार भोर मेले का उद्घाटन करते हुए श्रावस्ती विधायक रामफेरन पांडेय ने कहीं। वहीं जिला पंचायत बलरामपुर अध्यक्ष प्रतिनिध श्याम मनोहर तिवारी ने कहा कि मुख्यमंत्री ने अयोध्या की ही तरह सीताद्वार को भी उसका पौराणिक स्वरूप प्रदान करने का जो बीड़ा उठाया है। उसमें श्रावस्ती विधायक का योगदान भुलाया नहीं जा सकता है। इस दौरान आशुतोष पांडेय, बिन्नू तिवारी सिहत हजारों की संख्या में स्थानीय लोग व मेलार्थी मौजूद रहे। इसी के साथ भिनगा के राजघाट, हरिहरपुररानी के लखरांव बाग, सिरसिया के जनकपुर, तालबघौड़ा, जमुनहा के जगपति नाथ सहित जि के अन्य प्रमुख स्थालों पर कार्तिक पूर्णमा मेले की शुरुआत हुई। वहीं मेले की सुरक्षा में कहीं कोई चूक न हो इसके लिए डीएम अश्विनी कुमार पाण्डेय व एसपी राहुल भाटी ने सीताद्वार मंदिर परिसर में मंगलवार देर शाम जोनल व सेक्टर मजिस्ट्रेट सहित पुलिस अधिकारियों के साथ बैठक किया। इस दौरान सभी को सक्रियता के साथ ड्यूटी कर मेला को सकुशल सम्पन्न कराने का निर्देश दिया। मेला क्षेत्र को दो सुपरजोन, आठ जोन व 17 सेक्टर में बांटा गया। यहां सुरक्षा के लिए चार सुपर जोनल, 32 जोनल व 68 सेक्टर मजिस्ट्रेट व पुलिस अधिकारियों व कर्मचारियों को तैनात किया गया है।

फीता काटकर मेले की शुरुआत करते श्रावस्ती विधायक। ● अमृत विचार

तेज रफ्तार कार ने अजगर को कुचला

बहराइच, अमृत विचार : कतर्नियाघाट वन्यजीव प्रभाग में सड़क पार कर रहे एक अजगर को तेज रफ्तार कार ने कुचला दिया। हालांकि जब यह अजगर सड़क पार कर रहा था तो दोनों तरफ से आने वाले वाहनों को रोक दिया गया था लेकिन तभी तेज रफ्तार एक सफेद कार अजगर को कुचलते हुए चली गयी। घटना मंगलवार की रात की कतर्नियाघाट वन्य जीव प्रभाग के ककरहा रेंज में गंगापुर रोड पर भिवुरा पुल के पास की है यहां अजगर को रोड क्रास करता देख इस तरफ से जा रहे लोगों ने अपनी गाड़ियां रोक लीं। इस बीच एक कार उसे कुचलते हुए निकल गयी।

डायट इकौना में आयोजित त्रैमासिक बैठक में मौजूद शिक्षक। ● अमृत विचार

डायट में हुई शिक्षक संकुल की बैठक

श्रावस्ती, अमृत विचार : जिला शिक्षा एवं प्रशिक्षण संस्थान इकौना में शिक्षक संकुल की त्रैमासिक बैठक का आयोजन हुआ। इसमें जिले के सभी ब्लॉकों के शिक्षक संकुल के सदस्यों ने प्रतिभाग किया। शिक्षण-अधिगम की गुणवत्ता में सुधार, विद्यालयों में हो रहे नवाचारों का साझा अनुभव तथा शिक्षकों के बीच सहयोगात्मक अधिगम को बढ़ावा देने के उद्देश्य से डायट इकौना में शिक्षक संकुल की त्रैमासिक बैठक हुई। बैठक में डायट प्राचार्य ने कहा कि शिक्षा की गुणवत्ता बढ़ाने के लिए शिक्षक संकुल की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण है। प्रतिभागी विद्यालय स्तर पर किए जा रहे नवाचारों, शिक्षण सामग्री निर्माण और बच्चों की अधिगम प्रगति अपनी प्रगति साझा करें। इस दौरान आगामी तिमाही की कार्ययोजना पर भी चर्चा की गई।

अमृत विचार

गुरुवार, 6 नवंबर 2025

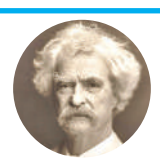

भले ही आप कपड़े पहनने में लापरवाह हैं, पर अपनी आत्मा को दुरुस्त रखिए।
—मार्क ट्वेन, अमेरिकी लेखक

रेलवे पर सवाल

छत्तीसगढ़ के बिलासपुर की रेल दुर्घटना ने यह सवाल फिर से उठाया है कि भारतीय रेल की सुरक्षा-संरक्षा प्रणाली क्यों चूक रही है! जांच के प्रारंभिक संकेत मानव त्रुटि या सिग्नलिंग की खामी बता रहे हैं, पर असली दोषी का पता तब चलेगा जब ब्लैक बॉक्स, सिग्नल लॉग, ड्राइवर की ड्यूटी रिकॉर्ड, ट्रैक सर्किट और नियंत्रण-कक्ष के डेटा की बारीकी से तकनीकी जांच के बाद रेल सुरक्षा आयुक्त की रिपोर्ट आएगी। इससे तय होगा कि हादसे में मानवीय भूल का हाथ था या तकनीकी प्रणाली की विफलता। यदि रेलवे द्वारा आधुनिक तकनीक और उच्चस्तरीय सिग्नलिंग सिस्टम के दावे के बाद भी आमने-सामने की टक्कर हो रही है, तो बेशक हमारी सुरक्षा संस्कृति ही दोषपूर्ण है। रेलवे में सिग्नलिंग इंटरलॉकिंग की किंचित नाकामी ट्रेन को गलत ट्रैक पर भेज सकती है। सिग्नल सिस्टम में खामी का मतलब है कि ट्रैक सर्किट, इंटरलॉकिंग प्रणाली ने ठीक से काम नहीं किया। ये ठीक से काम करें, इसके लिए हार्डवेयर सुधार के साथ 'रियल टाइम रिमोट मॉनिटरिंग' जैसी व्यवस्थाएं लागू करना जरूरी हैं। हालांकि लोको पायलट की थकान, संचार की कमी या समय-संवेदनशील निर्णयों में विलंब से भी दुर्घटनाएं होती हैं। दोषी पाए जाने वाले कर्मचारियों पर विभागीय कार्रवाई का प्रावधान है। निलंबन, बर्खास्तगी, दंडात्मक अभियोजन तक, लेकिन सच्चाई यह है कि अधिकांश जांच रिपोर्टें बरसों-बरस फाइलों में पड़ी रहती हैं। रेल सुरक्षा आयुक्त की अनुशंसाओं पर कार्रवाई का प्रतिशत अत्यंत अल्प है। भारतीय रेलवे की ऑडिट रिपोर्टें बताती हैं कि बड़ी संख्या में दुर्घटनाओं में मानव-त्रुटि मुख्य कारण होने के बावजूद जवाबदेही तय करने की प्रक्रिया धीमी और बेहद अपारदर्शी है। इसीलिए दोषियों और कारणों की पहचान के बावजूद सुधार तत्परता से लागू नहीं होते।

हर बड़े हादसे के बाद उच्चस्तरीय समितियां बनती हैं, नई घोषणाएं होती हैं, लेकिन जमीनी स्तर पर बदलाव, सुधार की रफ्तार बेहद धीमी रहती है। रेल मंत्रालय ने वर्षों पहले एंटी कोलिजन डिवाइस 'कवच' लगाने की योजना बनाई थी, ताकी इस तरह आमने-सामने की टक्कर न हो। अब तक यह कुछ हजार किलोमीटर रूट और सीमित संख्या में लोकोमोटिव तक ही सीमित है। बजटीय सीमाएं, तकनीकी संगतता और विशाल नेटवर्क इसके विस्तार में बाधा हैं, किंतु जान-माल की सुरक्षा के आगे प्राथमिकता स्पष्ट होनी चाहिए। हर चालित ट्रेन में 'कवच' या इसी तरह की स्वचालित सुरक्षा प्रणाली अनिवार्य हो। रेलवे में गाड़ी का पटरी से उतरना, सिग्नल फेल होना, लोकोमोटिव फाल्ट छोटी दुर्घटनाएं रोज घटती हैं, पर ये मीडिया में नहीं आतीं। न इन पर प्रशासनिक दबाव बनता है। छोटी लापरवाहियों पर उपेक्षा की यही प्रवृत्ति आगे चल कर बड़े हादसे का रूप ले लेती है।

जरूरी है कि रेल मंत्रालय हर छोटे हादसे की रिपोर्टिंग और त्वरित विश्लेषण के बाद जिम्मेदारी तय करने की व्यवस्था विकसित करे। लालखदान की रेल त्रासदी चेतावनी है कि भारतीय रेल में तकनीकी निवेश के साथ मानव प्रबंधन, जवाबदेही और पारदर्शिता को समान महत्व दिया जाए। सुरक्षा सिर्फ उपकरणों से नहीं, प्रणालीगत ईमानदारी और सतर्कता से आती है।

प्रसंगवश

महज अतीत की धरोहर नहीं भविष्य की नींव हैं किताबें

समय के साथ हमारी पढ़ने की आदतें बदल रही हैं। एक दौर था, जब किताबें ही ज्ञान, कल्पना और चिंतन का मुख्य स्रोत थीं। अब वही भूमिका स्मार्टफोन, टैबलेट, गूगल और एआई उपकरणों ने ले ली है। सूचनाओं तक पहुंचना पहले से कहीं आसान हुआ है, पर इसी सुविधा ने गहराई से सोचने और समझने की क्षमता को चुनौती दी है। आज जब विद्यार्थी गूगल या एआई आधारित उपकरणों की मदद से तुरंत उत्तर प्राप्त कर लेते हैं, तब सवाल करना, विषय को गहराई से समझना और उस पर चिंतन करना पीछे छूटता जा रहा है। ज्ञान का सतही उपभोग गहन अध्ययन के महत्व को कमजोर कर सकता है।

आज का जीवन तेज और सूचना-भरा है। हर चीज अब तेज हो गई है। खबरें, मनोरंजन, सीखना और पढ़ना भी। डिजिटल माध्यमों ने शिक्षा और जानकारी दोनों को लोकतांत्रिक बना दिया है। अब कोई भी व्यक्ति, किसी भी समय, किसी भी विषय पर जानकारी प्राप्त कर सकता है। यह बदलाव हमारी जीवनशैली का हिस्सा बन चुका है। यूनेस्को और ओईसीडी के अध्ययन बताते हैं कि इंटरनेट ने ज्ञान के प्रसार को पहले से कहीं अधिक व्यापक बना दिया है।

डॉ. शिवम भारद्वाज

असिस्टेंट प्रोफेसर जीएलए यूनिवर्सिटी, मथुरा

फिर भी शोध दर्शाते हैं कि स्क्रीन पर पढ़ना और कागज पर पढ़ना दो अलग अनुभव हैं। स्क्रीन मस्तिष्क को 'तेज प्रोसेसिंग मोड' में रखती है, जहां उद्देश्य केवल जानकारी छांटना होता है, उसे आत्मसात करना नहीं। परिणामस्वरूप, पूरी जानकारी या तर्क की सूक्ष्म परतें याद नहीं रहतीं और एकाग्रता बार-बार टूटती है। यही वह बिंदु है, जहां किताबों की भूमिका और अहम हो जाती है। किताबें हमें धीमा करती हैं, ठहरना सिखाती हैं और अर्थ को आत्मसात करने का अभ्यास कराती हैं।

अधिकांश विद्यार्थी अब पूरा अध्याय या कहानी के बजाय केवल 'महत्वपूर्ण प्रश्न' या 'सारांश' पर निर्भर हो जाते हैं। संक्षिप्त नोट और पावरपॉइंट स्लाइडें परीक्षा के लिए सुविधाजनक हो सकती हैं, लेकिन सोचने और विश्लेषण करने की क्षमता को कमजोर करती हैं। गहन अध्ययन की जगह केवल जानकारी का उपभोग हावी हो जाता है। ज्ञान तब ही जीवित रहता है, जब उसे पढ़ने, समझने और तर्क करने की प्रक्रिया के साथ जोड़ा जाए। ऐसे में विद्यालयों में नियमित 'पठन सत्र' या पुस्तकालय सत्र भाषा कौशल, एकाग्रता और तर्कशक्ति बढ़ाने में मदद कर सकते हैं।

किताबें केवल सूचना नहीं देतीं, वे सोचने का तरीका सिखाती हैं। ये हमें गहराई से किसी और के दृष्टिकोण से दुनिया देखने की क्षमता देती हैं। शोध बताते हैं कि 'डीप लर्निंग' मस्तिष्क के उन हिस्सों को सक्रिय करता है जो सहानुभूति, स्मृति और आलोचनात्मक सोच से जुड़े हैं। किताबें हमारी कल्पना, विवेक और संवाद की क्षमता को बढ़ाती हैं और हमें भावनात्मक और बौद्धिक दोनों स्तरों पर विकसित करती हैं।

तकनीक और किताबों को विरोध में नहीं देखा जाना चाहिए। सही उपयोग से तकनीक किताबों तक पहुंच आसान बना सकती है। राष्ट्रीय डिजिटल पुस्तकालय, ई-पाठशाला और दीक्षा जैसे प्लेटफॉर्म लाखों पुस्तकों और शैक्षणिक संसाधनों को विद्यार्थियों तक पहुंचा रहे हैं। ई-पुस्तकें और श्रव्य पुस्तकें (ऑडियो बुक्स) पढ़ाई को कहीं भी, कभी भी संभव बना देती हैं। समस्या तब आती है जब तकनीक सोचने का विकल्प बन जाए। जब विद्यार्थी केवल एआई आधारित सारांश और गूगल से तुरंत उत्तर लेते हैं, तब ज्ञान सतही बन जाता है। तकनीक तभी सहायक है, जब वह जिज्ञासा और गहराई को बढ़ाए, न कि प्रतिस्थापित करे।

भारत के दोस्तों पर ना 'पाक' पड़ोसी की नजर

दिग्विजय सिंह

कानपुर

पाकिस्तान ने उत्तर कोरिया से नजदीकियां बढ़ानी शुरू की हैं। अमेरिका से दुश्मनी के बाद भी पाकिस्तान ने उत्तर कोरिया से राजनयिक रिश्ते स्थापित करने का फैसला किया है।

ऑपरेशन सिंदूर में मिली करारी हार से बौखलाया पाकिस्तान भारत को अब हर तरफ से घेरने की कोशिश कर रहा है। इसके लिए अपने मित्र राष्ट्रों के दुश्मन देशों से भी हाथ मिलाने को आतुर है। इसका ताजा उदाहरण उत्तर कोरिया है। भारत और उत्तर कोरिया के रिश्ते बहुत ही अच्छे हैं। 2018 में तत्कालीन विदेश मंत्री ने उत्तर कोरिया का दौरा किया था, हालांकि इस दौरे के बाद अमेरिका ने कड़ी प्रतिक्रिया दी थी, लेकिन भारत ने नजरअंदाज कर दिया था। अब पाकिस्तान उत्तर कोरिया से अपने राजनयिक रिश्ते बहाल करने जा रहा है। माना जा रहा है कि इस रिश्ते की बहाली के साथ ही दोनों देश गुपचुप तरीके से सैन्य समझौते भी कर सकते हैं।

बांग्लादेश का जन्म ही भारत के हाथों हुआ था। इस बात का एहसान बांग्लादेश के हुक्मरान मानते आए हैं। पाकिस्तानी सेना द्वारा किए गए दमन का दुख हर बांग्लादेशी नागरिक के मन में रहा है, लेकिन प्रधानमंत्री शेख हसीना के तख्तापलट के बाद, वहां पाकिस्तान का प्रभाव बढ़ा है। बांग्लादेश की राजनीति में पाकिस्तानी हस्तक्षेप की झलक साफ दिखती है। यहां तक कि पाकिस्तान के सैनिक बांग्लादेशी सैनिकों को प्रशिक्षित कर रहे हैं और अब कई बड़े सैन्य समझौते भी दोनों देशों के बीच होने जा रहे हैं। भारत के इस पड़ोसी देश में पाकिस्तानी खुफिया एजेंसी आईएसआई की गतिविधियां बढ़ी हैं, जो भारत के लिए शुभ संकेत नहीं हैं, हालांकि भारत इसकी काट निकालने में जुटा हुआ है।

बांग्लादेश पर पाकिस्तानी प्रभाव का ही असर है कि आए दिन वहां के मुख्य सलाहकार मोहम्मद युनूस भारत के विरुद्ध अनर्गल आरोप लगा रहे हैं। भारत के कई हिस्सों को बांग्लादेश का बताकर नया नक्शा भी जारी कर रहे हैं। बांग्लादेश में मिली सफलता के बाद पाकिस्तान ने आर्मेनिया को अपने पक्ष में करने की पुरजोर कोशिश की है। आर्मेनिया और अजरबैजान की दुश्मनी जग जाहिर है। अजरबैजान ने आर्मेनिया के कुछ भूभाग पर कब्जा भी कर रखा है। आर्मेनिया को जहां भारत हर मोर्चे पर समर्थन करता है, तो आर्मेनिया भी हर मंच पर भारत की बात को प्रमुखता से उठाता है। दोनों देशों के बीच न सिर्फ व्यापारिक रिश्ते मजबूत हैं, बल्कि रक्षा संबंध भी प्रगाढ़ हैं। यही वजह है कि अजरबैजान भारत को हर मंच पर नीचा दिखाने की कोशिश करता है।

पहलगाम हमले की निंदा जब पूरी दुनिया ने की थी, तब भी अजरबैजान पाकिस्तान के साथ खड़ा नजर आया था। आर्मेनिया ने भारत से बड़ा रक्षा सौदा करने की तैयारी की है। इससे अजरबैजान परेशान है। इन सबके बीच ही पाकिस्तान ने आर्मेनिया से रिश्ते सुधारने की कवायद शुरू की है। दोनों देशों के बीच राजनयिक संबंध स्थापित होने जा रहे हैं। अब तक भारत से नजदीकी के कारण ही पाकिस्तान उसे मान्यता नहीं देता था, लेकिन शहबाज शरीफ के देश ने अब अपनी नीति बदल दी है। चीन में एससीओ समिट से इतर आर्मेनिया के विदेश मंत्री अरारत मिर्जोयान और पाकिस्तानी विदेश मंत्री इशाक डार ने राजनयिक संबंध स्थापित करने की प्रक्रिया शुरू करने के लिए दस्तावेजों पर हस्ताक्षर किए थे। आर्मेनिया के इस कदम से रूस, तुर्की और ईरान की सीमा से लगे इस क्षेत्र में भारत के लिए समीकरण बदल सकते हैं, हालांकि पाकिस्तान के हर कदम पर भारत की नजर है।

भारत ने भी पाकिस्तान के दोस्त अजरबैजान से रिश्ते में गर्मजोशी लाने की नीति पर काम शुरू कर दिया है। इसका असर भी दिखने लगा है। बीते अक्टूबर में आयोजित हुई कॉन्फ्रेंस ऑन इंटरैक्शन एंड कॉन्फिडेंस बिल्डिंग मेजर्स इन एशिया की अध्यक्षता अजरबैजान ने की थी। भारत की कूटनीति का ही असर है कि अजरबैजान ने इसकी अध्यक्षता भारत को देने का प्रस्ताव रखा है। उसके इस प्रस्ताव से पाकिस्तान और चीन को झटका लगा है। भारत-अजरबैजान अपने व्यापारिक रिश्ते भी सुधारने में लगे हैं। इन सबके बीच ही पाकिस्तान ने अब उत्तर कोरिया वाला दांव चला है।

अमेरिका और उत्तर कोरिया के बीच दुश्मनी जग जाहिर है। उत्तर कोरिया के शासक किम जोंग उन कई मौकों पर अमेरिका और साउथ कोरिया को धमकाते रहे हैं। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने भी कई अवसर पर उन पर तल्ख टिप्पणी कर चुके हैं। उत्तर कोरिया की ताकत को दुनिया के लिए खतरा माना जाता है, लेकिन भारत इससे बहुत प्रभावित नहीं दिखता है, क्योंकि दोनों देशों के बीच दशकों पुराने संबंध हैं। भारत ने जुलाई 2021 में कोविड महामारी के कारण उत्तर कोरिया स्थित दूतावास को अस्थायी रूप से बंद कर दिया था, हालांकि 2024 में इसे बहाल कर दिया गया था।

अब पाकिस्तान ने उत्तर कोरिया से नजदीकियां बढ़ानी शुरू की हैं। अमेरिका से दुश्मनी के बाद भी पाकिस्तान ने उत्तर कोरिया से राजनयिक रिश्ते स्थापित करने का फैसला किया है। पाकिस्तान के इस फैसले पर दुनिया के कई देशों की नजर है। भारत लगातार उत्तर कोरिया और पाकिस्तान के बीच संदिग्ध परमाणु और मिसाइल रिश्ते पर अंगुली उठाता रहा है और कार्रवाई की मांग करता रहा है। कोरोना काल से बंद चल रहे पाकिस्तान के दूतावास को पुनः बहाल करने के उत्तर कोरिया के निर्णय से एशिया में परमाणु प्रसार के खतरे को लेकर चिंता बढ़ गई है। माना जाता है कि उत्तर कोरिया ने ही पाकिस्तान को मिसाइल की तकनीक दी थी और पाकिस्तान ने किम जोंग उन को परमाणु तकनीक उपलब्ध कराई थी।

2017 में अमेरिका ने भारत से उत्तर कोरिया के साथ अपने राजनयिक संपर्क कम करने को कहा था, तब तत्कालीन विदेश मंत्री सुषमा स्वराज ने नकार दिया था। भारत, उत्तर कोरियाई राजनयिकों को प्रशिक्षण भी देता रहा है। साथ ही कई महत्वपूर्ण मौकों पर मदद भी की है।

आमने

मैं जो कह रहा हूं वह सौ फीसदी सच है। एक पूरे राज्य को चुरा लिया गया। सभी सर्वेक्षणों में हरियाणा में कांग्रेस की जीत की संभावना जताई गई थी, लेकिन नतीजे एकदम उलट आए। मैं जेन जी से कहना चाहता हूं कि देखिए कैसे आपके भविष्य की चोरी की जा रही है।

-राहुल गांधी, सांसद

लोकसभा में विपक्ष के नेता अपनी नाकामियों को छिपाने के लिए प्रेस को संबोधित कर रहे हैं। बिहार में मतदान होना है, लेकिन वे हरियाणा के किस्से सुना रहे थे। कांग्रेस के पास बिहार में कुछ नहीं बचा है और इसीलिए ध्यान भटकाने के लिए वे हरियाणा का मुद्दा उठा रहे हैं।

-किरन रिजिजू, केंद्रीय मंत्री

सामने

कांग्रेस से बेहतर प्रदर्शन कर सकती है माले

यशोदा श्रीवास्तव

वरिष्ठ पत्रकार

भाकपा माले इंडिया गठबंधन का बड़ा साझेदार है। उसके 20 उम्मीदवार मैदान में हैं। ये भले ही कम सीटों पर लड़ते हैं, लेकिन जीतने का इनका स्ट्राइक रेट बढ़िया होता है।

बिहार के चुनावी गणित को देखें, तो यहां दो परिदृश्य गौर करने लायक हैं। एक तो यह कि यहां लोकसभा और विधानसभा चुनावों में वोटरों का रुझान बिल्कुल अलग है, खास तौर पर भाजपा के लिए। दूसरा यह कि बिहार में कम्युनिस्ट दलों का वर्चस्व अभी भी कायम है। पहले बिहार के लोकसभा व विधानसभा के चुनावी अंकगणित पर गौर करते हैं। 2004 के चुनावों से देखें, तो यह तस्वीर साफ नजर आती है कि लोकसभा चुनाव और विधानसभा चुनाव में वोटर का मूड भिन्न होता है। विधानसभा चुनाव में किसी भी अकेले दल को सत्ता की चाबी नहीं थमाती। वह क्षेत्रीय दलों को तरजीह तो देती है, लेकिन बहुमत से दूर रखती है।

वह चाहे जदयू हो या आरजेडी। 2004 में लोकसभा की मात्र पांच सीट जीतने वाली भाजपा 2005 के विधानसभा चुनाव में 37 सीट जीत लेती है। लोकसभा चुनाव के मुकाबले विधानसभा चुनाव में वोट प्रतिशत भी इनका बढ़ जाता है। 2009 में लोकसभा की 12 सीट जीतने वाली भाजपा को 2010 के विधानसभा चुनाव में 91 सीट पर सफलता मिलती है।

इसी तरह 2014 के लोकसभा चुनाव में भाजपा जब 22 सीट जीतती है, तो 2015 के विधानसभा चुनाव में इसे मात्र 53 सीटों पर ही कामयाबी मिलती है। 2019 के लोकसभा चुनाव में भाजपा 17 सीटें जीतती है, तो 2020 के विधानसभा चुनाव में उसे 74 सीटों पर सफलता मिलती है। 2024 के लोकसभा चुनाव में भाजपा 12 सीटों पर जीती थी। अब 2025 के इसी महीने में होने जा रहे विधानसभा चुनाव में भाजपा के हिस्से में कितनी सीटें आती हैं, यह देखना है।

मैदान में यूं तो कई क्षेत्रीय दल भाग्य आजमा रहे हैं, लेकिन मुख्य मुकाबला एनडीए और इंडिया गठबंधन में ही है। सबसे दिलचस्प यह है कि मुख्यमंत्री नीतीश कुमार को खुद को महाराष्ट्र के एकनाथ शिंदे बनाए जाने का भय सता रहा है। ऐसे में उनके वोटर चिराग पासवान की पार्टी के साथ खेल न कर दें, यह आशंका भी बनी हुई है। नीतीश कुमार की यह आशंका और बलवती हुई होगी, जब प्रधानमंत्री मोदी ने इंडिया गठबंधन पर तंज कसते हुए कहा कि आरजेडी ने कांग्रेस के कनपटी पर कट्टा रखकर' तेजस्वी को मुख्यमंत्री का चेहरा घोषित करने को मजबूर किया है।

मोदी की इस टिप्पणी के बाद नीतीश कुमार और उनके समर्थक इस बात को लेकर भयभीत हैं कि इसका मतलब एनडीए में जो मोदी चाहेंगे वही होगा। अर्थात पर्ची वाला भी मुख्यमंत्री हो सकता है। वोटरों की चुप्पी के बीच चुनाव बाद किस गठबंधन को कितनी सीटें हासिल होती हैं, यह तो अहम है ही, लेकिन सरकार किसके नेतृत्व में बनती है, यह देखना बेहद दिलचस्प होगा।

बिहार विधानसभा चुनाव का जो दूसरा परिदृश्य है, वह भी कम दिलचस्प नहीं है। उत्तर भारत के प्रदेशों में कम्युनिस्ट दलों का लगभग खात्मा हो चुका है, लेकिन बिहार इससे अछूता है। 2020 के विधानसभा में इस दल के 12 विधायक थे। अभी जो चुनाव चल रहा है, उसमें भाकपा माले इंडिया गठबंधन का बड़ा साझेदार है। उसके 20 उम्मीदवार मैदान में हैं। ये भले ही कम सीटों पर लड़ते हैं, लेकिन जीतने का इनका स्ट्राइक रेट बढ़िया होता है। पिछले चुनाव में इस दल के दो-चार उम्मीदवार बहुत मामूली वोटों से हारे थे।

पिछले विधानसभा चुनाव में भाकपा माले की हारी हुई एक सीट भोरे भी है, जहां से इस बार जेएनयू छात्रसंघ के प्रेसिडेंट रहे 29 वर्षीय धनंजय को पार्टी ने उम्मीदवार बनाया है। भोरे विधानसभा क्षेत्र पश्चिमी बिहार के गोपालगंज जिले में स्थित है। बिहार का यह जिला यूपी के देवरिया और कुशीनगर से सटा हुआ है। गोपालगंज जिले का भोरे विधानसभा क्षेत्र कम्युनिस्टों का गढ़ माना जाता है। पिछले चुनाव में कम्युनिस्ट उम्मीदवार रहे जितेंद्र पासवान बिहार के डीजीपी रहे जदयू उम्मीदवार सुनील कुमार से 472 वोटों के मामूली अंतर से हारे थे। स्थानीय लोगों ने इस चुनाव परिणाम को संदिग्ध माना था।

इस बार फिर पार्टी ने जितेंद्र पासवान को उम्मीदवार बनाया था, लेकिन उन्हें नामांकन के दिन ही 2017 के एक पुराने मामले में गिरफ्तार कर लिया गया, लिहाजा वे नामांकन दाखिल नहीं कर पाए। जितेंद्र पासवान की गिरफ्तारी के बाद माकपा ने जेएनयू के पूर्व छात्रसंघ अध्यक्ष धनंजय को उम्मीदवार बनाया है।

इधर, जितेंद्र पासवान की गिरफ्तारी को जदयू उम्मीदवार की हार के डर से प्रतिशोध की कार्रवाई करार दिया गया और इसके पीछे जेडीयू उम्मीदवार सुनील कुमार और नीतीश कुमार का हाथ माना गया। मात्र 472 वोटों से जीतने वाले पूर्व डीजीपी सुनील कुमार, नीतीश कुमार मंत्रिमंडल में शिक्षा मंत्री थे। यूपी सीमा से सटे बिहार के इस विधानसभा क्षेत्र का चुनाव बेहद दिलचस्प है, क्योंकि यहां जदयू उम्मीदवार सुनील कुमार जैसे धनबल के मुकाबले जनता मैदान में है।

रिटायर्ड आईपीएस सुनील कुमार 1987 बैच के आईपीएस हैं। 2020 में वे पहली बार जदयू के टिकट पर चुनाव लड़े और जीते। फिर बिहार के शिक्षा मंत्री बने। 1997 में यहां माले कार्यकर्ता उमेश पासवान की हत्या के बाद यह क्षेत्र कम्युनिस्टों का गढ़ बन गया। माले का स्ट्राइक रेट कांग्रेस से अच्छा हो, तो कोई आश्चर्य नहीं होना चाहिए।

सोशल फोरम

खत्म होते रिश्ते और बिखरते परिवार

पक्के सामाजिक मनुष्य रूपी जीवों की समझ और सोच बिल्कुल अनोखी होती है। इनकी उम्र बीत जाती है समाज की अच्छाई, रिश्तों की अच्छाई, शादी ब्याह की अच्छाई, बच्चों और रिश्तेदारों की अच्छाई ढूंढने में और उसका बखान करने में। कोई लड़का-लड़की अगर बिना शादी किए लिव इन रिलेशन में रह रहे होते हैं और उनके रिश्तों में कुछ गड़बड़ हो जाए, वो एक-दूसरे को मार दें या कुछ भी खून कत्ल हो जाए उनके बीच, तो ये पारिवारिक प्राणी कमेंट करने को टूट पड़ेंगे, "और रहो ऐसे रिश्तों में", "और असामाजिक संबंधों में रहो, ऐसा ही होगा"....। फलाना-धिमाका बोलते हैं ये, जबकि शादियों में रोज इतने खून-कत्ल होते हैं, जितने रोड एक्सीडेंट में भी नहीं होते। आप फैमिली कोर्ट में जा कर वहां के हालत देखिए कभी, जबरदस्त भीड़ होती है।

सिद्धार्थ ताबिश

लेखक

हजारों लोग परेशान कोर्ट के चक्कर लगाया करते हैं तलाक़ के लिए। लाखों केस पेंडिंग होते हैं। जिन मर्दों के ऊपर ये कोर्ट केस चल रहे होते हैं, उनकी नौकरी, घर, रुपया पैसा सब इसी में बर्बाद हो जाता है और वो कोर्ट के चक्कर लगा-लगा के अपनी आधी उम्र बिता देता है। फैमिली कोर्ट जा कर देखिए, भयावह दृश्य होता है। वो सब लिव इन वाले लोग नहीं हैं।

अनाथालयों में चले जाइए, देखिए कितने बच्चे, जो शादी नामक संस्था से पैदा हुए थे, किस तरह का जीवन जी रहे होते हैं। ये वो बच्चे होते हैं जो जाने कितने अरमान और जाने कितनों ने 'घर के चिराग' और 'वारिस' के लिए पैदा किए होते हैं। भीड़ है लावारिस बच्चों की इस दुनिया में। इन्हें अपना बच्चा ही मानव जाति के अस्तित्व को बचाने वाला एकमात्र मनुष्य दिखता है।

कभी वृद्धाश्रम जा कर देखिए, आपको शायद ही वहां कोई ऐसा बुजुर्ग मिले, जिसने 'एकल' जीवन चुना हो और उसने शादी न की हो। लगभग सभी आपको बाल-बच्चे, नाती-पोते वाले बुजुर्ग मिलेंगे। ये सारे अपने बच्चों द्वारा मार के भगाए गए बुजुर्ग होते हैं। वृद्धाश्रम का कॉन्सेप्ट ही घर से भगाए गए वृद्धों के लिए है, जहां कोई जाना नहीं पसंद करता है। आप जिस चीज को प्रेम कहते और बोलते हैं, वो सब सिर्फ 'आदत' होती है बस! केला-0सेब लेकर आपको अस्पताल में देखने आने वाले लोग वैसे ही होते हैं, जो आपकी शादी में आपके न्योते का लिफाफा देने पहुंचते हैं। इसमें कोई अच्छाई नहीं है, बस 'आदत' है ये!

-फेसबुक वाल से

सामयिकी

नकली बादल से हल नहीं होती असली समस्या

जब भीषण चक्रवात मोंथा ने सारे देश को भिगो दिया था और बादल दिल्ली के आसपास ही मंडरा रहे थे, वायु प्रदूषण से हताश दिल्ली महानगर पर नकली बरसात करवा कर हवा साफ करवाने का प्रयास असफल ही रहा। याद करें डेढ़ महीने पहले ही राजस्थान में जयपुर के करीब बीते दो दशक से पूरी तरह सूखी जमवा रामगढ़ की झील को भरने के लिए कृत्रिम बारिश का प्रयोग एक तमाशे से अधिक नहीं रहा। वहां कई-कई बार ड्रोन उड़ाए और चार बार असफल रहने के बाद नाममात्र की बूंदें गिरीं, जिसने झील के तल को गीला तक नहीं किया।

पहले दिल्ली सरकार दीपावली के ठीक अगले दिन कृत्रिम बादल से पानी बरसाने की बात कर रही थी और यह होता, तो एसिड रैन या तेजाब की बारिश की बड़ी संभावना थी। कैसी विडंबना है कि समाज और सरकार दोनों के स्तर पर वायु प्रदूषण कम करने के कोई प्रयास होते नहीं दिखते, उलटे जब आतिशबाजी के धुएं से दम घुटने लगा, तो तकनीक के बदौलत एक छद्म प्रयास किया जा रहा है।

पंकज चतुर्वेदी

वरिष्ठ पत्रकार

दिवाली के एक हफ्ते बाद भी दिल्ली समग्र की कोई चार करोड़ जनसंख्या जिस वायु में सांस ले रही है, वह न केवल उनकी उम्र घटा रही है, बल्कि विभिन्न गंभीर बीमारियों के इलाज में खर्च भी बढ़ा रही है। सालों से चर्चा होती रही है कि इस शहर को गैस चेंबर बनाने में सड़कों पर जाम, अनियोजित निर्माण से उड़ती धूल का बड़ा हिस्सा है। निरंकुश आतिशबाजी ने इसमें रासायनिक जहर को और जोड़ दिया और इस तरह से हवा को दूषित करने को काबू करने का कोई निर्णायक उपाय नहीं हो रहे हैं। ऐसे में नकली बादलों का भ्रम एकबारगी आंकड़ों में भले हवा साफ दिखा दे, लेकिन हालात उससे भी बदतर होने की संभावना है।

जिस कृत्रिम बरसात का झांसा दिया जा रहा है, उसकी तकनीक को समझना जरूरी है। इसके लिए हवाई जहाज से सिल्वर-आयोडाइड और कई अन्य रासायनिक पदार्थों का छिड़काव किया जाता है, जिससे सूखी बर्फ के कण तैयार होते हैं। असल में सूखी बर्फ ठोस कार्बन डाइऑक्साइड ही होती है। सूखी बर्फ की खासियत होती है कि इसके पिघलने से पानी नहीं बनता और यह गैस के रूप में ही लुप्त हो जाती है। यदि परिवेश के बादलों में थोड़ी भी नमी होती है, तो यह सूखी बर्फ के कणों पर चिपक जाते हैं और इस तरह बादल का वजन बढ़ जाता है, जिससे बरसात हो जाती है ।

एक तो इस तरह की बरसात के लिए जरूरी है कि वायुमंडल में कम से कम 40 फीसदी नमी हो, फिर यह थोड़ी सी देर की बरसात ही होती है। इसके साथ यह खतरा बना रहता है कि वायुमंडल में कुछ ऊंचाई तक जमा स्मॉग और अन्य छोटे कण फिर धरती पर आ जाएं। साथ ही सिल्वर आयोडाइड, सूखी बर्फ के धरती पर गिरने से उसके संपर्क में आने वाले पेड़-पौधे, पक्षी और जीव ही नहीं, नदी-तालाब पर भी रासायनिक खतरा संभावित है। वैसे भी दिल्ली के आसपास जिस तरह सीएनजी वाहन अधिक हैं, वहां बरसात नए तरीके का संकट ला सकती हैं। चिंता की बात यह है कि आक्सॉइड ऑफ नाइट्रोजन गैस वातावरण में मौजूद पानी और ऑक्सीजन के साथ मिल कर तेजाबी बारिश कर सकती है।

यह वैश्विक रूप से प्रामाणिक तथ्य है कि नकली तरीके से बरसात करवाना कई बार बहुत भारी पड़ता है, फिर उस दिल्ली एनसीआर में, जहां कुछ मिनट की बरसात से सड़कों पर जाम लग जाता है, जो दिल्ली की हवा में सबसे अधिक जहर घोलता है। जाहिर है बरसात से जितना प्रदूषण कम नहीं होगा, उससे अधिक बरसात के कारण वाहनों के ठिठकने से उपजे धुएं से बढ़ेगा ही।

स्वामी-रुहेलखंड इंटरप्राइजेज के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक त्रिनाथ शुक्ला द्वारा 1224, देवकाली रोड, निकट यश पेट्रोल पंप अयोध्या-224001 (उ.प्र.) से प्रकाशित एवं प्लाट नं.-42, निकट बद्री नगर, इंडस्ट्रियल एरिया, नादरगंज, लखनऊ-226008 (उ.प्र.) से मुद्रित। **संपादक- राजेश श्रीनेत, कार्यकारी संपादक- विवेक सक्सेना*** 05278-352045 (कार्यालय), ईमेल- editorschoice@amritvichar.com, आर.एन.आई नं0-UPHIN/2022/84450, *इस अंक में प्रकाशित समाचार के चयन एवं संपादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट की धारा 7 के अंतर्गत उत्तरदायी।(नोट-सभी विवादों का न्याय क्षेत्र अयोध्या होगा)।

अमृत विचार कैम्पस

बीमारियों की जांच के लिए अब न तो पैथोलॉजी लैब में लाइन लगाने की जरूरत होगी और न ही रिपोर्ट के लिए अगले दिन का इंतजार करना पड़ेगा। यह बड़ा बदलाव संभव होगा आईआईटी कानपुर के वैज्ञानिकों की पहल से। दरअसल आईआईटी कानपुर ने एक ऐसी अत्याधुनिक पोर्टेबल डायग्नोस्टिक डिवाइस विकसित की है, जो हमारे रोजमर्रा के जीवन और स्वास्थ्य व्यवस्था में क्रांतिकारी परिवर्तन लाने वाली साबित हो सकती है। यह छोटा-सा उपकरण किसी भी व्यक्ति के रक्त, मूत्र, पसीने और लार के सैंपल से न सिर्फ विभिन्न रोगों की जांच कर सकता है, बल्कि मिट्टी और पेय पदार्थों में मौजूद प्रदूषण की पहचान करके भी तत्काल रिपोर्ट उपलब्ध कराने में भी सक्षम है। इन्हीं विशेषताओं के कारण माना जा रहा है कि आईआईटी कानपुर की यह खोज भारत को सस्ती, तेज और सटीक जांच तकनीक के क्षेत्र में बड़ी पहचान दिला सकती है। 'जेब में लैब' जैसी यह डिवाइस आने वाले समय में स्वास्थ्य और पर्यावरण दोनों क्षेत्रों में नया अध्याय लिख सकती है।

- मनोज त्रिपाठी
वरिष्ठ पत्रकार

जेब में लैब

पलक झपकते बीमारियों की जांच

पोर्टेबल रीडआउट यूनिट फॉर केमिरसिस्टव सेंसर दिया नाम

आईआईटी कानपुर के बायो साइंस और बायो इंजीनियरिंग विभाग के प्रो. संतोष कुमार मिश्र के निर्देशन में शोध छात्र अनिमेष कुमार सोनी तथा नेहा यादव द्वारा तैयार इस डिवाइस को पोर्टेबल रीडआउट यूनिट फार केमिरसिस्टव सेंसर नाम दिया गया है। इसके जरिए बॉयोलाजिकल और केमिकल दोनों तरह के मालिक्यूल की जांच की जा सकती है। डिवाइस का पेटेंट आवेदन स्वीकृत हो चुका है। अनिमेष के अनुसार कागज की चिप और डिवाइस सेंसर को अलग-अलग रसायनों की जांच के लिए विशेषीकृत किया गया है। हर जांच के लिए अलग-अलग डिवाइस और चिप का प्रयोग किया जाता है।

डिवाइस की सबसे बड़ी विशेषता

आईआईटी कानपुर द्वारा विकसित डायग्नोस्टिक डिवाइस की सबसे बड़ी विशेषता इसकी पोर्टेबिलिटी है। यानी यह एक 'जेब में समा जाने वाली लैब' जैसी है, जिसे लेकर किसी भी गांव, दूरस्थ इलाके या आपदा प्रभावित क्षेत्र में पहुंचा जा सकता है और वहां मौके पर जांच की जा सकती है। इस पोर्टेबल डिवाइस से जांच रिपोर्ट कुछ ही मिनटों में मोबाइल स्क्रीन पर मिल जाती है। ऐसे में माना जा रहा है कि यह डिवाइस ग्रामीण स्वास्थ्य मिशन और प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्रों के लिए वरदान साबित हो सकती है, जहां संसाधनों की कमी के कारण अक्सर रोग की पहचान में देरी होती है, जिसका नुकसान मरीजों को उठाना पड़ता है।

तीन हजार की डिवाइस और 20 रुपये की कागज चिप

तीन हजार रुपये में तैयार होने वाली इस डिवाइस से की जाने वाली जांच भी बेहद सस्ती है। जांच के लिए कागज से बनी चिप का प्रयोग किया जाता है, जिससे जांच परिणाम तुरंत मिल जाते हैं। जांच प्रक्रिया तत्काल पूरी किए जाने से रक्त, मूत्र या लार के नमूनों के दूषित या बिगड़ने का खतरा भी नहीं रहता है। इस डिवाइस को कोई भी डॉक्टर अपनी क्लीनिक पर रख सकता है। इसके लिए कागज पर कार्बन इलेक्ट्रोड चिप बनाई गई है, जिसकी लागत 15 से 20 रुपये है।

मलेरिया, डेंगू, टायफाइड की आसानी से जांच

आईआईटी कानपुर की शोध टीम के अनुसार यह डायग्नोस्टिक डिवाइस बायोसेन्सिंग तकनीक पर आधारित है। यानी यह शरीर के तरल पदार्थों में मौजूद बायोमार्कर्स की पहचान करके बीमारी का पता लगाती है। इसके चलते इसकी मदद से मलेरिया, डेंगू, टायफाइड जैसी संक्रामक बीमारियों के अलावा कई प्रकार के सूक्ष्म संक्रमण और प्रदूषक तत्वों की भी पहचान आसानी से और फटाफट की जा सकती है।

रिचार्जेबल डिवाइस का सोलर पैनल से भी संचालन

इस डिवाइस का इंटरफेस बेहद आसान है, इसके लिए किसी तकनीकी प्रशिक्षण की जरूरत नहीं पड़ती। बस सैंपल की एक बूंद डालते ही डिवाइस में लगे सेंसर सक्रिय हो जाते हैं और कुछ मिनटों में ही परिणाम उपलब्ध करा देते हैं। खास बात यह है कि यह डिवाइस रिचार्जेबल है और बिजली न होने की स्थिति में सोलर पैनल से भी संचालित की जा सकती है।

ग्रामीण भारत के लिए 'मेडिकल टेस्ट ऑन द स्पॉट'

स्वास्थ्य विशेषज्ञों के अनुसार आईआईटी कानपुर द्वारा विकसित पोर्टेबल डायग्नोस्टिक डिवाइस तकनीक से ग्रामीण भारत में रोग पहचान की प्रक्रिया में क्रांतिकारी सुधार होगा, जहां पहले जांच के लिए सैंपल शहर भेजे जाते थे, वहीं अब 'मेडिकल टेस्ट ऑन द स्पॉट' संभव होगा। यही नहीं, पर्यावरणविद् भी इस नवाचार को लेकर खासे उत्साहित हैं, क्योंकि यह मिट्टी, पानी और खाद्य पदार्थों में प्रदूषण का विश्लेषण करके, उन्हें सुरक्षित रखने का एक सस्ता और तेज साधन बन सकती है।

तकनीक हस्तांतरण का काम अंतिम चरण में

आईआईटी कानपुर के बायो साइंस और इंजीनियरिंग विभाग के प्रोफेसर संतोष कुमार मिश्र ने बताया कि पोर्टेबल रीडआउट यूनिट फॉर केमिरसिस्टव सेंसर के जांच परिणाम सटीक पाए गए हैं। स्वास्थ्य क्षेत्र के अलावा इसकी मदद से खेतों की मिट्टी और पेय पदार्थों में मौजूद रसायनों की पहचान भी की जा सकती है। इससे दूध और शीतल पदार्थ की गुणवत्ता जांच भी संभव है। इस डिवाइस को बाजार में पहुंचाने के लिए तकनीक हस्तांतरण की दिशा में काम अंतिम चरण में है।

जॉब अलर्ट

पंजाब एंड सिंध बैंक

- पद का नाम : एमएसएमई रिलेशनशिप मैनेजर
- पदों की संख्या : 30
- योग्यता : स्नातक
- आयु सीमा : 25 से 33 वर्ष
- आवेदन की अंतिम तिथि : 26-11-2025
- आधिकारिक वेबसाइट : punjabandsind.bank.in

पंजाब नेशनल बैंक (PNB)

- पद का नाम : स्थानीय बैंक अधिकारी
- पदों की संख्या : 750
- वेतन मैट्रिक्स : रु. 48480-85920
- योग्यता : कोई भी स्नातक
- आयु सीमा : 20 से 30 वर्ष
- ऑनलाइन आवेदन की अंतिम तिथि : 23-11-2025
- आधिकारिक वेबसाइट : pnb.bank.in

प्रादेशिक सेना

- पद का नाम : सैनिक
- पदों की संख्या : 1529
- योग्यता : 12वीं, 10वीं, 8वीं
- आयु सीमा : 18 से 42 वर्ष
- आवेदन प्रारंभ तिथि : 15-11-2025
- आवेदन की अंतिम तिथि : 14-12-2025
- आधिकारिक वेबसाइट : regionalarmy.in

कैंपस में पहला दिन

'बड़े' होने की हुई शुरुआत

स्कूल से कॉलेज तक का सफर जैसे किसी बंद कमरे से खुली हवा में कदम रखना हो। स्कूल की ड्रेस, भारी बैग और रोज-रोज के होमवर्क से आजादी का एहसास अलग ही था। उस दिन सुबह जब आईने में खुद को देखा तो लगा- अब मैं बड़ा हो गया हूं। कॉलेज के पहले दिन दिल में उत्साह भी था और थोड़ी-सी घबराहट भी थी। नए माहौल, नए लोग और नए शिक्षक सब कुछ नया था। गेट पर खड़े होकर कुछ पल के लिए ठिठक गया, मानो कोई नया अध्याय शुरू होने से पहले दिल खुद को संभाल रहा हो। कैंपस में कदम रखते ही चारों ओर हंसी, बातें और परिचय का शोर। कोई अपने दोस्तों के साथ फोटो खिंचवा रहा था, तो कोई क्लास ढूंढने में व्यस्त। पहली क्लास में जब प्रोफेसर साहब ने 'वेलकम टू कॉलेज लाइफ' कहा, तो लगा जैसे किसी ने जिंदगी के अगले दरवाजे खोल दिए हों। यहां किताबों के साथ-साथ रिश्ते, अनुभव और आत्मविश्वास भी पढ़ना था। स्कूल की तरह सख्त अनुशासन नहीं, बल्कि सोचने और अपने विचार रखने की आजादी थी। ब्रेक के समय कैंटीन में समोसे और चाय के साथ नई दोस्ती की शुरुआत हुई। कुछ ही घंटों में अजनबी चेहरे अपनापन देने लगे। शाम को जब घर लौटा तो थकान नहीं, बल्कि चेहरे पर एक अलग-सी चमक थी। कुछ नया पाने की, कुछ बनने की। आज जब पीछे मुड़कर देखता हूं, तो एहसास होता है कि कॉलेज का पहला दिन ही असल में 'बड़े होने' की शुरुआत थी, जहां किताबों से ज्यादा जिंदगी सिखाई जाती है।

-शिव शंकर सोनी
शिक्षक, मवई, अयोध्या

नोटिस बोर्ड

- डॉ. अंबेडकर इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी फॉर दिव्यांगजन (कानपुर) में पूर्व छात्र समागम आयोजित होगा। 8 नवंबर को होने वाले समारोह की तैयारियां संस्थान में चल रहीं है।
- नई राष्ट्रीय शिक्षा नीति के तहत कौशल विकास व जीवन कौशल से संबंधित पाठ्यक्रमों और प्रशिक्षण कार्यक्रमों के अंतर्गत नैसकॉम से स्किल प्रशिक्षण के लिए आगामी 12 नवंबर (बुधवार) को एमबीपीजी कॉलेज (हल्द्वानी) में कार्यशाला का आयोजन किया जा रहा है।
- एचडीएफसी बैंक और संभव फाउंडेशन के सीएसआर कार्यक्रम के अंतर्गत विद्यार्थियों के लिए सेल्स एग्जीक्यूटिव, रिटेल एग्जीक्यूटिव, होटल मैनेजमेंट ऑपरेशन्स आदि क्षेत्रों में रोजगार की संभावनाओं को ध्यान में रखते हुए एमबीपीजी कॉलेज (हल्द्वानी) के करियर काउंसलिंग सेल की ओर से 14 नवंबर को एकदिवसीय प्रशिक्षणात्मक कार्यशाला का आयोजन किया जा रहा है।

यूजीसी नेट: बेहतरीन करियर अवसरों की चाबी

यूजीसी नेट एक राष्ट्रीय स्तर की प्रतिष्ठित परीक्षा है, जिसे पास करने के बाद उम्मीदवारों के लिए करियर के अनेक द्वार खुल जाते हैं। खासतौर पर उन युवाओं के लिए यह परीक्षा बेहद महत्वपूर्ण है, जो शिक्षा और शोध के क्षेत्र में अपना भविष्य बनाना चाहते हैं। इस परीक्षा को सफलतापूर्वक पास करने के बाद आप उच्च शिक्षा के क्षेत्र में आगे बढ़ सकते हैं और एक सम्मानजनक करियर की शुरुआत कर सकते हैं। *- फीचर डेस्क*

असिस्टेंट प्रोफेसर बनने का मौका

यूजीसी नेट पास करने के बाद उम्मीदवार देश के किसी भी कॉलेज या विश्वविद्यालय में असिस्टेंट प्रोफेसर के रूप में नियुक्त हो सकते हैं। सरकारी कॉलेजों में असिस्टेंट प्रोफेसर की शुरुआती वेतनमान लगभग 57,700 रुपये प्रतिमाह होता है। इसके अलावा विभिन्न भत्ते भी मिलते हैं, जिसके चलते कुल वेतन 75,000 रुपये से लेकर 1 लाख रुपये प्रतिमाह तक पहुंच जाता है। उच्च शिक्षा में अध्यापन को भारत में अत्यंत सम्मानजनक पेशा माना जाता है।

रिसर्च संस्थानों में उज्ज्वल भविष्य

CSIR, ICAR, DRDO, ICMR जैसे देश के नामी शोध संस्थानों में भी NET या JRF धारकों को रिसर्च में काम करने का मौका मिलता है। यहां शुरुआती सैलरी लगभग 50,000 रुपये प्रतिमाह होती है। रिसर्च का क्षेत्र उन छात्रों के लिए आदर्श है, जो नए ज्ञान की खोज और नवाचार करना चाहते हैं।

टॉप कंपनियों में भी मिलता है अवसर

यूजीसी नेट स्कोर के आधार पर उम्मीदवारों को कई प्रतिष्ठित सरकारी

कंपनियों में नौकरी पाने का अवसर भी मिलता है। इनमें ONGC, NTPC, BHEL, IOCL जैसी कंपनियां शामिल हैं। यहां HR, मार्केटिंग, फाइनेंस और रिसर्च विभागों में जॉब मिल सकती है। इन पदों पर शुरुआती सैलरी 50,000 रुपये से शुरू होती है, जो अनुभव के साथ 1.5 लाख रुपये प्रतिमाह तक पहुंच सकती है।

प्रमोशन और नेतृत्व का अवसर

असिस्टेंट प्रोफेसर से शुरुआत करने वाले उम्मीदवार समय के साथ प्रमोशन पाकर एसोसिएट प्रोफेसर, प्रोफेसर और आगे चलकर डीन या वाइस चांसलर जैसे पदों तक पहुंच सकते हैं। यह एक ऐसा करियर है, जिसमें न केवल वेतन और लाभ बढ़ते हैं, बल्कि सम्मान और प्रतिष्ठा भी निरंतर बढ़ती जाती है।

JRF के साथ रिसर्च में शानदार शुरुआत

यदि उम्मीदवार यूजीसी नेट के साथ जेनरल रिसर्च फैलोशिप (JRF) भी क्वालिफाई कर लेते हैं, तो उन्हें रिसर्च फील्ड में जाने का सुनहरा अवसर मिलता है। JRF के तहत रिसर्च करने वाले छात्रों को आकर्षक स्टाइपेंड भी प्रदान किया जाता है। पहले दो वर्षों में 37,000 रुपये प्रतिमाह और इसके बाद 42,000 रुपये प्रतिमाह तक स्टाइपेंड मिलता है। इसके साथ ही पीएचडी करने का अवसर भी स्वत: प्राप्त हो जाता है।

सौर विनिर्माण क्षमता 125 गीगावाट पार कर जाने की उम्मीद

नई दिल्ली। देश में सौर मॉड्यूल विनिर्माण क्षमता 2025 तक 125 गीगावाट को पार कर जाने की उम्मीद है। यह 40 गीगावाट की घरेलू मांग से तीन गुना से भी अधिक है। वैश्विक शोध और परामर्श कंपनी वुड मैकेंजी ने यह बात कही है। यह वृद्धि सरकार की उत्पादन-आधारित प्रोत्साहन (पीएलआई) योजना का नतीजा है, जिसने विनिर्माण के तेजी से बढ़ाने में मदद की है। हालांकि, उद्योग को अब अत्यधिक क्षमता के जोखिम का सामना करना पड़ रहा है।

अमृत विचार

अयोध्या, गुरुवार, 6 नवंबर 2025

www.amritvichar.com

बिजनेस ब्रीफ

अमेजन इंडिया ने गोदाम शुल्क 11% बढ़ाया

नई दिल्ली। अमेजन इंडिया ने अपने गोदाम भंडारण शुल्क को 11% बढ़ाकर 50 रुपये प्रति घन सेंटीमीटर प्रति माह कर दिया है। यह शुल्क 15 नवंबर, 2025 से प्रभावी होगा। कंपनी ने उच्च परिचालन लागत का हवाला देते हुए यह कदम उठाया है। इस साल की शुरुआत में अमेजन इंडिया ने 135 श्रेणियों में 1.2 करोड़ से ज्यादा कम-मूल्य वाली वस्तुओं (300 रुपये तक) के लिए रेफरल शुल्क हटाया था। साथ ही, 300 से 500 रुपये कीमत वाली वस्तुओं पर शुल्क 1% या उससे कम कर दिया था। फैशन और छोटे उपकरणों जैसी उच्च मूल्य श्रेणियों में 7% तक की कटौती लागू की गई है। अमेजन ने कहा कि 2025 में उसकी कुल शुल्क वृद्धि दर में काफी कमी आई है, लेकिन कई विक्रेताओं ने बढ़ती लागत और बार-बार होने वाले संशोधनों पर चिंता व्यक्त की।

ऋण मांग में 27% की वृद्धि : बजाज फिनसर्व

नई दिल्ली। बजाज फिनसर्व की इकाई बजाज फाइनेंस ने त्योहारों के दौरान रिकॉर्ड संख्या में उपभोक्ता ऋण वितरित की जानकारी दी। मात्रा के हिसाब से 27% और मूल्य के हिसाब से 29% की वृद्धि दर्ज की गई। बजाज फाइनेंस ने कहा कि यह सरकार के जीएसटी सुधारों और व्यक्तिगत आयकर में बदलावों के परिणाम को दर्शाता है, जिसका उद्देश्य उपभोक्ताओं की क्रय शक्ति बढ़ाना है। बजाज फाइनेंस ने 22 सितंबर से 26 अक्टूबर तक 63 लाख ऋण बांटे हैं। इस अवधि में कंपनी ने 23 लाख नए ग्राहक हासिल किए, जिनमें से 52% नए ऋण लेने वाले थे। इस प्रकार वित्तीय समावेशन को महत्वपूर्ण रूप से आगे बढ़ाया।

टेस्ला ने शरद को बनाया भारत प्रमुख

नई दिल्ली। अमेरिका की इलेक्ट्रिक वाहन कंपनी टेस्ला ने लैम्बॉर्गिनी इंडिया के पूर्व प्रमुख शरद अग्रवाल को अपने भारतीय परिचालन का नेतृत्व करने के लिए नियुक्त किया है। यह नियुक्ति ऐसे समय में हुई है जब कंपनी भारतीय बाजार में अपनी उपस्थिति मजबूत करने पर विचार कर रही है। टेस्ला ने जुलाई में मुंबई में अपना पहला अनुभव केंद्र खोला और अगस्त में दिल्ली के एरोसिटी में दूसरा केंद्र खोला। जुलाई में मॉडल वाई पेश करने के बाद कंपनी ने इसकी आपूर्ति शुरू कर दी है।

एफटीए में डेयरी, एमएसएमई के हितों पर ध्यान : गोयल

केंद्रीय उद्योग मंत्री बोले- भारत और न्यूजीलैंड के बीच प्रस्तावित वार्ता में हुई है उल्लेखनीय प्रगति

- चार दिन की आधिकारिक यात्रा पर वेलिंगटन गए हैं केंद्रीय मंत्री

ऑकलैंड, एजेंसी

वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने बुधवार को कहा कि भारत अपने मुक्त व्यापार समझौतों (एफटीए) में डेयरी और सूक्ष्म, लघु एवं मझोले उद्यम (एमएसएमई) जैसे संवेदनशील क्षेत्रों के हितों की लगातार सुरक्षा करता है। गोयल ने कहा कि भारत और न्यूजीलैंड के बीच प्रस्तावित एफटीए पर जारी वार्ता में उल्लेखनीय प्रगति हुई है। इस समय दोनों देशों के वरिष्ठ अधिकारी चौथे दौर की बातचीत कर रहे हैं।

उन्होंने कहा, भारत कभी भी डेयरी, किसानों और एमएसएमई के हितों से समझौता नहीं करता है। हम हमेशा इन संवेदनशील क्षेत्रों के हितों की सुरक्षा करते हैं। न्यूजीलैंड विश्व का प्रमुख डेयरी उत्पादक देश है, और ऐसे में इस क्षेत्र में बाजार पहुंच बढ़ाने की उसकी मांग को लेकर भारत की स्थिति महत्वपूर्ण मानी जा रही है। न्यूजीलैंड की चार दिन की आधिकारिक यात्रा पर वेलिंगटन पहुंचे गोयल ने कहा कि दोनों देशों ने व्यापार समझौते में एक-दूसरे की संवेदनशीलता का सम्मान करने पर सहमति जताई है। उन्होंने स्पष्ट किया कि भारत ने अब तक किसी भी व्यापार समझौते में डेयरी या कृषि क्षेत्र में साझेदार देश को शुल्क रियायत नहीं दी है।

उन्होंने कहा, हम ऐसे मुद्दों को नहीं छूते हैं। हम एक-दूसरे की संवेदनशीलता का सम्मान करते हैं। वार्ता के अगले चरणों को लेकर वाणिज्य मंत्री ने कहा, हो सकता है कि हमें बहुत अधिक चरणों की जरूरत न पड़े। इस दिशा में उल्लेखनीय प्रगति पहले ही हो चुकी है। व्यापार समझौते की दिशा में ठोस चर्चा चल रही है। हालांकि, उन्होंने संकेत दिया कि भारत कृषि प्रौद्योगिकी, खासकर डेयरी मशीनरी जैसे क्षेत्रों में सहयोग बढ़ाने के अवसर देख सकता है। एक व्यापारिक प्रतिनिधिमंडल की अगुवाई कर रहे गोयल ने कहा कि भारत और न्यूजीलैंड के बीच रक्षा, कृषि, अंतरिक्ष, शिक्षा और पर्यटन जैसे क्षेत्रों में सहयोग की बड़ी संभावनाएं हैं।

ऑकलैंड में भारत-न्यूजीलैंड बिजनेस फोरम के दौरान अपने समकक्ष टॉड मैक्ले के साथ केंद्रीय वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल व अन्य अधिकारी।

समझौते के लिए भारत-अमेरिका कर रहे चर्चा

पीयूष गोयल ने कहा कि भारत और अमेरिका प्रस्तावित द्विपक्षीय व्यापार समझौते के लिए लगातार चर्चा जारी है। बातचीत अच्छी चल रही है और लगातार जारी है, कई संवेदनाशील मुद्दे हैं, कई गंभीर मुद्दे हैं तो स्वाभाविक है कि थोड़ा समय लगेगा। अमेरिका और भारत के बीच द्विपक्षीय व्यापार समझौते के पहले चरण के लिए अब तक पांच दौर की वार्ता पूरी हो चुकी है। वाणिज्य सचिव राजेश अग्रवाल के नेतृत्व में भारतीय अधिकारियों का दल गत माह अपने अमेरिकी समकक्षों के साथ व्यापार वार्ता करने के लिए वॉशिंगटन गया था। तीन दिवसीय वार्ता 17 अक्टूबर को समाप्त हुई। फरवरी में भारत-अमेरिका के नेताओं ने अधिकारियों को द्विपक्षीय व्यापार समझौते (बीटीए) पर बातचीत का निर्देश दिया था। उन्होंने पहले चरण को 2025 की शरद ऋतु तक पूरा करने की समय सीमा तय की है। ये विचार-विमर्श महत्वपूर्ण हैं क्योंकि ट्रंप प्रशासन द्वारा भारतीय वस्तुओं पर 50% का शुल्क लगाने के बाद से दोनों देशों के बीच संबंध काफी तनावपूर्ण हो गए हैं।

बैंकों का लाभ 9% बढ़कर 49,456 करोड़ पहुंचा

नई दिल्ली, एजेंसी

- एसबीआई को छोड़कर सभी 12 बैंकों ने सितंबर तिमाही में 45,547 करोड़ रुपये कमाए

भारतीय स्टेट बैंक (एसबीआई) की अगुवाई में सार्वजनिक क्षेत्र के बैंकों ने चालू वित्त वर्ष की दूसरी तिमाही में सामूहिक रूप से रिकॉर्ड 49,456 करोड़ रुपये का मुनाफा कमाया है। यह दो बैंकों द्वारा लाभ में गिरावट दर्ज किए जाने के बावजूद सालाना आधार पर 9% की वृद्धि को दर्शाता है। सभी 12 बैंकों (पीएसबी) ने मिलकर वित्त वर्ष 2024-25 की जुलाई- सितंबर तिमाही में 45,547 करोड़ रुपये का लाभ कमाया था।

शेयर बाजारों के अनुसार, एसबीआई ने 49,456 करोड़ की कमाई में 40% का योगदान दिया। एसबीआई ने 2025-26 की दूसरी तिमाही में 20,160 करोड़ का लाभ दर्ज किया, जो गत वर्ष की समान अवधि की तुलना में 10% अधिक है। चेन्नई स्थित इंडियन ओवरसीज बैंक ने 58% की वृद्धि दर्ज की और 1,226 करोड़ का लाभ कमाया। सेंट्रल बैंक ऑफ इंडिया ने 33% की वृद्धि के साथ 1,213 करोड़ कमाया। बैंक ऑफ बड़ौदा और यूनियन बैंक ऑफ इंडिया को छोड़कर अन्य बैंक लाभ में रहे। बैंक ऑफ बड़ौदा का लाभ 8% घटकर 4,809 करोड़ रुपये रह गया। वहीं यूनियन बैंक ऑफ इंडिया का लाभ 10% घटकर 4,249 करोड़ रुपये रह गया। बैंक ऑफ महाराष्ट्र और पंजाब एंड सिंध बैंक ने 23% और केनरा बैंक, पंजाब नेशनल बैंक और इंडियन बैंक ने क्रमशः 19, 14 और 12% की वृद्धि दर्ज की।

नवंबर से घट सकता है रूसी तेल का आयात

नई दिल्ली, एजेंसी

- रूस की दो प्रमुख तेल कंपनियों पर 21 नवंबर से लागू होने वाले नए अमेरिकी प्रतिबंधों को लेकर भारत ले सकता है निर्णय

भारत नवंबर के अंत से रूसी कच्चे तेल की सीधी खरीद में कटौती करने जा रहा है। यह कदम रूस की दो प्रमुख तेल कंपनियों पर 21 नवंबर से लागू होने वाले नए अमेरिकी प्रतिबंधों के बाद उठाया जा रहा है। विश्लेषकों ने यह संभावना जताई है।

विश्लेषकों ने कहा कि देश के कुल रूसी तेल आयात में आधे से अधिक हिस्सा रखने वाली भारतीय रिफाइनरी इकाइयां नए अमेरिकी प्रतिबंधों के अनुपालन में रूसी तेल की प्रत्यक्ष खरीद में कटौती कर सकती हैं। इनमें रिलायंस इंडस्ट्रीज लिमिटेड (आरआईएल), मंगलौर रिफाइनरी एंड पेट्रोकेमिकल्स लिमिटेड (एमआरपीएल) और एचपीसीएल-मित्तल एनर्जी लिमिटेड (एचएमईएल) शामिल हैं। अमेरिका ने रूसी पेट्रोलियम कंपनियों-रोसनेफ्ट और ल्यूकऑयल पर 21 नवंबर से कड़े आर्थिक प्रतिबंध लगाने की घोषणा की है। इसके तहत इन कंपनियों की सभी अमेरिकी संपत्तियों और वित्तीय लेनदेन पर रोक लगा दी गई है।

इसके अलावा अन्य देशों की संस्थाएं भी अगर इनके साथ बड़े लेनदेन करती हैं तो उन पर भी द्वितीयक प्रतिबंध लगाए जा सकते हैं। रिलायंस का रोसनेफ्ट के साथ दीर्घकालिक आपूर्ति समझौता है, जबकि एमआरपीएल और एचएमईएल ने भी रूसी तेल की भविष्य की खेप स्थगित करने की घोषणा की है। वर्ष 2025 की पहली छमाही में भारत ने रूस से कुल 18 लाख बैरल प्रतिदिन कच्चे तेल का आयात किया जिसमें इन कंपनियों की आधे से अधिक हिस्सेदारी है। हालांकि, रोसनेफ्ट की आंशिक हिस्सेदारी वाली नायरा एनर्जी की वडिनार रिफाइनरी (गुजरात) अपने मौजूदा रूसी तेल खरीद तरीके को बनाए रखेगी। यह रिफाइनरी पहले से यूरोपीय संघ के प्रतिबंधों के दायरे में है और रूसी कच्चे तेल पर निर्भर है। नौवहन सूचना फर्म 'केप्लर' के प्रमुख शोध विश्लेषक सुमित रितोलिया ने कहा, रूसी कच्चे तेल की खेपों में गिरावट दिखेगी।

भारत के लिए व्यापक स्वर्ण नीति अपनाने का समय

नई दिल्ली, एजेंसी

एसबीआई ने जारी की एजः द ग्रेट ग्लोबल गोल्ड रश नामक रिपोर्ट

सोने की कीमतों के नई ऊंचाइयों पर पहुंचने के बीच इसके लिए एक व्यापक नीति की जरुरत है क्योंकि भारत दुनिया के सबसे बड़े सर्राफा बाजारों में से एक है जो पीली धातु के प्रति सांस्कृतिक लगाव व निवेश मांग से प्रभावित है। बुधवार को जारी एक अध्ययन में यह बात कही गई।

भारतीय स्टेट बैंक (एसबीआई) के आर्थिक अनुसंधान विभाग द्वारा जारी 'कमिंग ऑफ (ए टर्बुलेंट) एजः द ग्रेट ग्लोबल गोल्ड रश' शीर्षक वाली रिपोर्ट में कहा गया कि भू-राजनीतिक तनाव, आर्थिक अनिश्चितता व कमजोर अमेरिकी डॉलर के कारण सोने की कीमत नई ऊंचाइयों पर पहुंच रही है। 2025 में अब तक की कीमतों में 50% से अधिक की वृद्धि हुई है। अक्टूबर में कुछ दिन के लिए कीमतें 4,000 डॉलर प्रति औंस से नीचे आ गईं, लेकिन नवंबर में फिर से 4,000 डॉलर प्रति औंस से पार चली गईं। सोने की घरेलू आपूर्ति भारत में कुल सोने की आपूर्ति का एक अंश है। विश्व स्वर्ण परिषद के अनुसार, 2024 में कुल आपूर्ति में आयात का योगदान 86% होगा। भारत सबसे बड़े स्वर्ण बाजारों में से एक है जो सोने के प्रति सांस्कृतिक आकर्षण, निवेश की मांग और मुद्रास्फीति से बचाव तथा सुरक्षित निवेश सहित अन्य आर्थिक कारकों से प्रभावित है।

भारत में सोने की कुल उपभोक्ता मांग 2024 में बढ़कर 802.8 टन हो गई जो वैश्विक स्वर्ण मांग का 26% है। इससे भारत, चीन के बाद दूसरे स्थान पर आ गया। चीन की उपभोक्ता मांग 815.4 टन थी। अध्ययन अनुसार चीन की सोने पर राष्ट्रीय नीति है, जिसका एक विशिष्ट उद्देश्य है। यह अंतरराष्ट्रीय वाणिज्य में सोने के व्यापार, भंडारण, मूल्यांकन और उपयोग के तरीके को नया रूप देने के लिए एक व्यापक दृष्टिकोण रखता है। यह कई आर्थिक एवं भू-राजनीतिक प्राथमिकताओं को साथ संबोधित करने के लिए समन्वित दृष्टिकोण का प्रतिनिधित्व करता है। अमेरिका और जर्मनी जैसे देश कुल भंडार का 77% से अधिक सोने के रूप में रखते हैं।

डीएलसी के लिए लगेगा शिविर

एसबीआई ने पेंशनभोगियों के लिए डिजिटल जीवन प्रमाण पत्र (डीएलसी) के लिए शिविर का आयोजन किया, जिसमें 500 प्रमाण पत्र जारी किए गए। इसका उद्घाटन राज्यमंत्री (कार्मिक, लोक शिकायत और पेंशन) जितेंद्र सिंह ने किया। इस मौके पर पेंशन और पेंशनभोगी कल्याण विभाग के सचिव वी श्रीनिवास, एसबीआई के डीएमडी (लेनदेन बैंकिंग और नई पहल) शमशेर सिंह और एसबीआई के सीजीएम (सरकारी व्यापार सेवा और समाधान इकाई) अमृतेश मोहन उपस्थिति थे।

राष्ट्रीय

रक्षा बलों में आरक्षण की मांग कर राहुल फैलाना चाहते हैं अराजकता : राजनाथ

रक्षा मंत्री बोले- कांग्रेस नेता के पास तालाब में कूदने के अलावा कोई विकल्प नहीं बचा

बांका/जमुई/गयाजी, एजेंसी

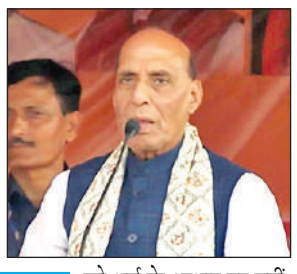

रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने बुधवार को आरोप लगाया कि राहुल गांधी रक्षा बलों में आरक्षण की मांग कर देश में अराजकता फैलाना चाहते हैं। सिंह ने बिहार में चुनाव प्रचार के दौरान राहुल गांधी पर कटाक्ष करते हुए कहा कि कांग्रेस नेता के पास अब तालाब में कूदने के अलावा कोई विकल्प नहीं बचा है। उन्होंने हाल में कांग्रेस नेता के चुनावी अभियान के दौरान मछली पकड़ने की कोशिश पर तंज कसा। रक्षा मंत्री ने कहा कि राहुल गांधी बिना किसी आधार के निर्वाचन आयोग जैसे संवैधानिक संस्थानों पर निशाना साध रहे हैं।

बिहार संग्राम

बिहार के जमुई जिले में जनसभा में सिंह ने कहा, राहुल को क्या हो गया है? वे रक्षा बलों में आरक्षण की बात उठा रहे हैं। वे देश में अराजकता फैलाना चाहते हैं। हमारे सशस्त्र बल इन सब चीजों से ऊपर हैं। भारत के सैनिकों का केवल एक धर्म है- 'सैन्य धर्म'। भाजपा आरक्षण के पक्ष में है। हमने गरीबों और समाज के पात्र वर्गों को आरक्षण दिया है। राहुल गांधी ने मंगलवार को दावा किया था कि निजी क्षेत्र, न्यायपालिका, नौकरशाही और सशस्त्र बलों में पिछड़ी जातियों, आदिवासी और अल्पसंख्यकों का बहुत कम प्रतिनिधित्व है, जबकि 10% आबादी इन पर नियंत्रण रखती है।

सिंह ने कहा कि राहुल गांधी को यह समझना चाहिए कि देश चलाना बच्चों का खेल नहीं है। उन्होंने ऑपरेशन सिंदूर का उल्लेख करते हुए कहा, ऑपरेशन सिंदूर को रोका गया है, खत्म नहीं किया गया। अगर आतंकवादी भारत पर फिर हमला करने की कोशिश करेंगे तो उन्हें मुंहतोड़ जवाब दिया जाएगा। हमारे सैनिकों ने आतंकियों को धर्म के आधार पर नहीं, बल्कि उनके कर्मों के आधार पर मारा। भारतीय सेना ने आतंकियों के ठिकानों को नष्ट किया... मैं मारे गए आतंकियों की संख्या नहीं बताना चाहता, पर यह तीन अंकों से कहीं अधिक है। भारत को कोई उकसाने की कोशिश करता है तो उसे बख्शा नहीं जाएगा।

चारा खाया, अब गरीबों का राशन खाएगा राजद : योगी

गया। भाजपा के स्टार प्रचारक उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने राष्ट्रीय जनता दल (राजद) पर निशाना साधते हुए कहा कि कुछ लोगों ने पहले पशुओं का चारा खाया और अब अगर सत्ता में आए तो गरीबों का राशन खाने की फिराक में है। उन्होने कहा कि 2005 के पहले बिहार में अपराध, जातीय संघर्ष, माओवाद, नक्सलवाद था। यूपी-बिहार के नाम पर देश-दुनिया में सम्मान नहीं मिलता था। बिहार में लालू प्रसाद यादव के शासन में 60 से अधिक जातीय नरसंहार, 30 हजार से अधिक अपहरण हुए। व्यापारी, डॉक्टर, इंजीनियर, संभ्रांत व्यक्ति सुरक्षित नहीं थे। बिहार के 30-40 प्रतिशत लोगों गोरखपुर व वाराणसी में है,

क्योंकि उस समय जंगलराज था, लेकिन नीतीश के नेतृत्व में 20 वर्ष में सुशासन की सुदृढ़ नींव रखी गई। बिहार में रोड, रेल, एयर कनेक्टिविटी के साथ अब वाटरवे की कनेक्टिविटी बिहार से होते हुए यूपी को जोड़ रही है। किसानों के उत्पाद हों या बिहार का मखाना, जल मार्ग से दुनिया के बाजारों में पहुंचाया जा रहा है।

पहले व दूसरे चरण के 27% प्रत्याशियों पर गंभीर आपराधिक मामले

पटना। एसोसिएशन फॉर डेमोक्रेटिक रिफॉर्म्स (एडीआर) की ताज़ा रिपोर्ट के मुताबिक, बिहार चुनाव के पहले और दूसरे चरण के 2,600 उम्मीदवारों में से 697 (27%) पर गंभीर आपराधिक मामले हैं। यह आंकड़ा 2020 के चुनाव की तुलना में अधिक है, जब 25% उम्मीदवारों ने इसकी घोषणा की थी। इस बार उम्मीदवारों की संख्या भले ही कम हो, लेकिन दागी चेहरों का प्रतिशत बढ़ा है। एडीआर के अनुसार, सीपीएम के 4 में से 4 उम्मीदवार, सीपीआई के 9 में से 6, सीपीआई (एमएल) के 20 में से 13, कांग्रेस के 60 में से 32, लोजपा (रामविलास) के 28 में से 14, आरजेडी के 140 में से 69, भाजपा के 101 में से 49, जन सुराज पार्टी के 231 में से 100, जदयू के 101 में से 26, आप के 83 में से 21 और बीएसपी के 180 में से 28 उम्मीदवार के खिलाफ आपराधिक मामले दर्ज हैं। इन आंकड़ों से स्पष्ट है कि हर पार्टी ने आपराधिक छवि वाले उम्मीदवारों को टिकट दिया है। रिपोर्ट के अनुसार, 94 उम्मीदवारों ने अपने ऊपर महिलाओं पर अत्याचार से जुड़े मामले घोषित किये हैं, जिनमें 5 पर दुष्कर्म का आरोप हैं। वहीं 52 ने हत्या और 165 ने हत्या के प्रयास के मामले घोषित किये हैं।

राजग वोट चोरी से सरकार बनाना चाहता है : प्रियंका

बेतिया। कांग्रेस नेता प्रियंका गांधी ने आरोप लगाया कि राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) बिहार में वोट चोरी से सरकार बनाना चाहता है। उन्होंने दावा किया कि विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) प्रक्रिया के तहत 65 लाख लोगों के नाम मतदाता सूची से हटा दिए गए हैं, जिनमें बड़ी संख्या में महिलाएं हैं। प. चंपारण जिले के वाल्मीकि नगर और चनपटिया की जनसभाओं में प्रियंका ने कहा कि राजग जानता है कि जनता उससे ऊब चुकी है, इसलिए वह वोट चोरी में लिप्त है। आज देश में हालात ऐसे हैं, जैसे अंग्रेजों के शासनकाल में हुआ करते थे, मुझे संदेह है कि

भविष्य में इस देश में चुनाव भी होंगे या नहीं। प्रियंका ने कहा कि राजग सब कुछ बर्बाद कर देगा, यह भी साफ नहीं है कि आगे चुनाव होंगे या नहीं, आप चुप क्यों हैं? इन्हें सत्ता से बाहर का रास्ता दिखाइए।

मतदान से पहले जनसुराज का उम्मीदवार भाजपा में

मुंगेर। प्रथम चरण के मतदान से पहले जनसुराज के उम्मीदवार संजय सिंह ने भाजपा का दामन थाम लिया। भाजपा के मुंगेर प्रभारी राजेश झा के अनुसार, संजय सिंह ने भाजपा उम्मीदवार कुमार प्रणय और अन्य वरिष्ठ नेताओं की मौजूदगी में सदस्यता ग्रहण की। उन्होंने कहा कि उनका यह निर्णय विकास और स्थिर सरकार की दिशा में उठाया गया कदम है। संजय सिंह ने कहा कि वह प्रधानमंत्री की नीतियों से प्रभावित हैं और राजग के साथ विकास कार्य करना चाहते हैं।

हरियाणा का चुनाव चोरी हुआ था, सरकार वैध नहीं : राहुल

नई दिल्ली, एजेंसी

कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने वोट चोरी पर बुधवार को हरियाणा की मतदाता सूची के आंकड़े सामने रखे और दावा किया कि गत वर्ष अक्टूबर में हुए विधानसभा चुनाव को 25 लाख फर्जी मतों के जरिये चोरी हुआ था। उन्होंने निर्वाचन आयोग पर भाजपा के साथ मिलीभगत का आरोप भी लगाया और कहा कि न सिर्फ हरियाणा की सरकार और मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी वैध रूप से पद पर नहीं हैं, बल्कि प्रधानमंत्री मोदी और गृह मंत्री अमित शाह भी सरकार में वैध रूप से नहीं हैं।

राहुल गांधी ने कहा कि हरियाणा में वोट चोरी को लेकर वह जो बातें कर रहे हैं वो सौ फीसदी सबूत पर आधारित हैं। उन्होंने कहा कि हरियाणा में सर्वेक्षणों में कांग्रेस की जीत की संभावना थी, लेकिन कांग्रेस की तय जीत को हार में बदला गया। उन्होंने हरियाणा के मुख्यमंत्री के बयान का वीडियो दिखाया, जिसमें सैनी ने सरकार बनाने की व्यवस्था होने की बात की थी। राहुल ने दावा किया कि हरियाणा में पांच अलग-अलग तरीकों से 25,41,144 फर्जी मतों से वोट चोरी हुई। डुप्लीकेट वोटर की संख्या 5,21,619 रही। फर्जी पते वालों की संख्या 93,174 थी, बल्क वोटर 19,26,351 थे। उन्होंने कहा कि फॉर्म 6 और 7 का भी दुरुपयोग हुआ। फॉर्म 6 और फॉर्म 7 के जरिये वोटरों को जोड़ा और घटाया जाता है। महादेवापुरा और आलंद के खुलासे के बाद निर्वाचन आयोग ने इसका डेटा देना बंद कर दिया है।

बिहार में होना है मतदान और राहुल बता रहे हरियाणा की कहानी : रीजीजू

भाजपा ने हरियाणा चुनाव में वोट चोरी संबंधी राहुल गांधी के दावों को बुधवार को झूठा और निराधार बताते हुए खारिज कर दिया और कांग्रेस नेता पर अपनी नाकामियों को छिपाने तथा देश को बदनाम करने के लिए निर्वाचन आयोग पर सवाल उठाने का आरोप लगाया। भाजपा नेता एवं केंद्रीय मंत्री किरेन रीजीजू ने गांधी पर 'जेन जेड' को भड़काने का प्रयास का आरोप लगाया और कहा कि ऐसे प्रयास कभी सफल नहीं होंगे, क्योंकि देश के युवा इतने समझदार हैं कि वे ऐसे उकसावे में नहीं आएंगे। उन्होंने भाजपा मुख्यालय में कहा, हरियाणा चुनावों के दौरान उनकी वरिष्ठ नेता कुमारी सैलजा ने कहा था कि कांग्रेस जीत नहीं पाएगी, क्योंकि हरियाणा कांग्रेस के नेता चाहते थे कि पार्टी हार जाए। तीन दिन पहले कांग्रेस के पूर्व नेता ने पार्टी से इस्तीफा दे दिया और कहा कि कांग्रेस हरियाणा चुनाव इसलिए हारी, क्योंकि उसके नेता काम नहीं कर रहे थे। हरियाणा कांग्रेस अध्यक्ष राव नरेंद्र सिंह ने भी कहा था। रीजीजू ने कहा कि बिहार में मतदान होने वाला है और वह हरियाणा की कहानी बता रहे हैं। इससे स्पष्ट है कि बिहार में (कांग्रेस के लिए) कुछ नहीं बचा है। इसीलिए वह जनता का ध्यान भटकाने के लिए हरियाणा का मुद्दा लेकर आए हैं।

हरियाणा को लेकर राहुल के दावे निराधार: ईसी

निर्वाचन आयोग (ईसी) ने कहा कि कांग्रेस नेता द्वारा हरियाणा में मतदाता सूची को लेकर लगाए गए आरोप निराधार हैं क्योंकि प्रदेश में न तो उनकी पार्टी के बूथ एजेंट की ओर से अपील दायर की गई और न ही एक से अधिक मतदान की शिकायत हुई थी। निर्वाचन आयोग के अधिकारियों ने सवाल किया कि कांग्रेस के बूथ एजेंट ने अक्टूबर 2024 में हुए हरियाणा चुनावों में कई बार वोट डालने वाले मतदाताओं को चिह्नित क्यों नहीं किया। कांग्रेस नेता के आरोपों का खंडन करते हुए एक अधिकारी ने कहा, मतदाता सूची में संशोधन के दौरान कांग्रेस के बूथ स्तरीय एजेंट द्वारा कोई दावा या आपत्ति क्यों नहीं उठाई गई? बूथ स्तरीय एजेंट (बीएलए) राजनीतिक दलों द्वारा मतदाता सूची में अनियमितता को चिह्नित करने के लिए नियुक्त किए जाते हैं। मतदाता सूचियों के विरुद्ध शून्य अपील दायर हुई थीं और वर्तमान में पंजाब एवं हरियाणा उच्च न्यायालय में केवल 22 चुनाव याचिकाएं लंबित हैं। कुल 23 चुनाव याचिकाएं दायर की गईं, जिनमें से एक को बाद में वापस ले लिया गया।

बिलासपुर ट्रेन हादसे में मृतकों की संख्या बढ़कर 11 हुई, 20 घायल

बिलासपुर (छत्तीसगढ़)। बिलासपुर रेलवे स्टेशन के करीब मंगलवार को हुए रेल हादसे में मरने वालों की संख्या बढ़कर 11 हो गई है, जबकि 20 लोग घायल हैं। अधिकारियों ने बुधवार को बताया कि 'मेनलाइन इलेक्ट्रिक मल्टीपल यूनिट' (एमईएमयू) यात्री ट्रेन कोरबा जिले के गेवरा से पड़ोसी जिले बिलासपुर जा रही थी।

अधिकारियों ने कहा, दुर्घटना में छह महिलाओं सहित 11 लोगों की मौत हुई है तथा 20 अन्य घायल हो गए हैं। 11 मृतकों में से पांच में रेलगाड़ी के लोको पायलट विद्या सागर, लवकुश शुक्ला, रंजीत प्रभाकर, शीला यादव और प्रिया चंद्र है। मृतकों में से चार महिलाओं और दो पुरुषों की पहचान अभी नहीं हो पाई है। 20 घायलों में नौ महिलाएं और दो वर्षीय बच्चा हैं। यात्री ट्रेन की सहायक लोको पायलट रश्मि राज और ट्रेन मैनेजर अशोक कुमार दीक्षित तथा मालगाड़ी के गार्ड शैलेश चंद्र भी अस्पताल में हैं। टक्कर इतनी ज़ोरदार थी कि रेलगाड़ी का एक डिब्बा मालगाड़ी के एक डिब्बे के ऊपर चढ़ गया था।

घूस के पैसे से शेयरों में निवेश कर कमाया लाभ अपराध से अर्जित आय है : हाईकोर्ट

नई दिल्ली, एजेंसी

- ईडी की अपील पर दिल्ली हाईकोर्ट ने सुनाया फैसला

दिल्ली हाईकोर्ट ने कहा कि घूस के पैसे से शेयर बाजार में निवेश कर कमाए लाभ को अपराध से अर्जित आय माना जाएगा और यह धन शोधन अपराध है। अदालत ने कहा कि यदि किसी ने रिश्वत की राशि को निवेश किया है, तो उसकी कीमत बढ़ने पर भी उस धन का अवैध स्रोत शुद्ध नहीं होता और यह बढ़ी हुई राशि भी उसी अवैध स्रोत से जुड़ी होती है।

न्यायमूर्ति अनिल क्षेत्रपाल और हरीश वैद्यनाथन शंकर की पीठ ने तीन नवंबर को दिए फैसले में कहा, धन शोधन सतत अपराध है, जो अवैध धन अर्जित करने की प्रारंभिक क्रिया तक सीमित नहीं है बल्कि इसमें उस धन के विभिन्न लेनदेन भी शामिल है। पीठ ने कहा कि यदि कोई अधिकारी रिश्वत लेकर उसे शेयर बाजार, रियल एस्टेट या मादक पदार्थ के धंधे में लगाता है, तो धन की अवैधता समाप्त नहीं होती और ऐसी पूरी राशि जब्ती योग्य होती है। यह फैसला ईडी की अपील पर दिया गया, जिसमें उसने फतेहपुर कोल ब्लॉक आवंटन से संबंधित मामले में एकल न्यायाधीश के आदेश को चुनौती दी थी। ईडी ने 122.74 करोड़ की संपत्ति को जब्त किया था कि एम/एस प्रकाश इंडस्ट्रीज ने धोखाधड़ी से कोल ब्लॉक आवंटन पाया और शेयर की कीमतें बढ़ाईं।

वर्ल्ड ब्रीफ

जमैका में तूफान मेलिसा से 30 लोगों की मौत, 15 लाख प्रभावित

संयुक्त राष्ट्र। संयुक्त राष्ट्र ने कहा है कि जमैका और आसपास के इलाकों में आए भीषण चक्रवाती तूफान मेलिसा ने भारी तबाही मचाई है और इसके कारण 30 लोगों की मौत हो गई और 15 लाख से अधिक लोग प्रभावित हुए हैं। संयुक्त राष्ट्र महासचिव के उप प्रवक्ता फरहान हक ने बताया कि जमैका में सड़कें, बिजली और संचार व्यवस्था बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गई हैं। लगभग एक सौ तीस सड़कें अवरुद्ध हैं और कई क्षेत्रों में बिजली तथा मोबाइल नेटवर्क ठप पड़े हैं। स्वास्थ्य सेवाओं पर भी इसका गंभीर असर पड़ा है क्योंकि कई अस्पताल और स्वास्थ्य केंद्र पूरी तरह नष्ट या क्षतिग्रस्त हो गए हैं। संयुक्त राष्ट्र के विश्व खाद्य कार्यक्रम का अनुमान है कि जमैका में लगभग साढ़े तीन लाख लोगों को खाद्य पदार्थों की सहायता की आवश्यकता पड़ सकती है।

अंतरिक्ष में गए चीन के चालक दल की वापसी सुरक्षा के लिए टाली

बीजिंग। चीन के अंतरिक्ष स्टेशन पर तैनात दल की बुधवार को निर्धारित वापसी को टाल दिया गया है। ऐसा संदेह है कि अंतरिक्ष यान पर सूक्ष्म अंतरिक्ष मलबे का प्रभाव पड़ा है। यह घोषणा 'चाइना मैन्ड स्पेस एजेंसी' (सीएमएसए) ने की। अंतरिक्ष एजेंसी ने कहा कि वापसी में देरी का निर्णय अंतरिक्ष यात्रियों की सुरक्षा और मिशन की सफलता सुनिश्चित करने के लिए लिया गया है। चीन अपने अंतरिक्ष स्टेशन के दल को हर छह महीने में बदलता है। शनिवार को शेनझोउ-20 अंतरिक्ष यान ने शेनझोउ-21 दल के साथ कक्षा में कार्यभार हस्तांतरण पूरा किया था और उसका बुधवार को पृथ्वी पर लौटने का कार्यक्रम था। शेनझोउ-20 में वर्तमान अंतरिक्ष दल सवार है।

बोस्निया में एक इमारत में आग लगने से 10 की मौत, कई घायल

साराजेवा। बोस्निया के उत्तरपूर्वी शहर तुजला में एक आवासीय इमारत में आग लगने से मंगलवार को कम से कम 10 लोगों की मौत हो गयी। एक अधिकारी और बोस्निया मीडिया ने यह जानकारी दी। दैनिक समाचार पत्र 'दनेवनी अवाज' ने बताया कि इमारत की एक ऊपरी मंजिल पर आग लगने से कम से कम 10 लोगों की मौत हो गयी। अभी तक कम से कम 20 लोगों को अस्पताल में भर्ती कराया गया तथा कई और लोगों के हताहत होने की आशंका है। कैंटोनल नेता इरफान हालिलागिक ने समाचारपत्र को दिए एक बयान में पुष्टि की कि मौतें हुई हैं लेकिन उन्होंने यह नहीं बताया कि कितने लोग मारे गए। हालिलागिक ने कहा, हम अब विचार कर रहे हैं कि निवासियों को कहां ठहराया जाए। अखबार और अन्य बोस्नियाई मीडिया संगठनों ने भीषण आग की खबरें पुलिस सूत्रों के हवाले से प्रकाशित की हैं।

उलानबटोर में फंसे 228 यात्री लेकर एअर इंडिया का विमान दिल्ली आया

नई दिल्ली, एजेंसी

- सैन फ्रांसिस्को से दिल्ली आ रहे विमान ने की थी आपात लैंडिंग

एअर इंडिया का एक विमान मंगोलिया की राजधानी उलानबटोर में फंसे 228 यात्रियों और चालक दल के 17 सदस्यों को लेकर बुधवार सुबह दिल्ली पहुंचा। तकनीकी समस्या के कारण सोमवार को सैन फ्रांसिस्को से दिल्ली आ रहे विमान का मार्ग परिवर्तित कर उसे मंगोलिया की राजधानी ले जाया गया, जिसके बाद यात्री वहां फंस गए थे।

एक अधिकारी ने बताया कि उलानबटोर से यात्रियों को लेकर एअर इंडिया का राहत विमान बुधवार सुबह करीब आठ बजकर 24 मिनट पर राष्ट्रीय राजधानी पहुंचा। राहत उड़ान संख्या एआई183 बोइंग 787 ड्रीमलाइनर के साथ संचालित की गई। घटनाक्रम से जुड़े एक सूत्र ने सोमवार को कहा था कि उलानबटोर ले जाए गए बोइंग 777 विमान में 228 यात्रियों और चालक दल के 17 सदस्यों सहित 245 लोग सवार थे। एयरलाइन ने बुधवार को एक बयान में कहा, एहतियाती तौर पर मार्ग परिवर्तन के बाद मंगोलिया के उलानबटोर में फंसे एआई174 के यात्रियों और चालक दल को लेकर राहत उड़ान सुबह दिल्ली में उतरी। संबंधित अधिकारियों के अलावा एअर इंडिया ने भी अपने यात्रियों को मार्ग परिवर्तन के दौरान उनके धैर्य और समझदारी के लिए धन्यवाद दिया।

भारतवंशियों की उपलब्धियां

दुनिया में भारत का परचम

अमेरिका के ताजा चुनाव में न्यूयॉर्क के मेयर चुने गए जोहर ममदानी, वर्जीनिया की लेफ्टिनेंट गवर्नर बनीं गजाला हाशमी और ओहायो के सिनसिनाटी शहर के मेयर पद के चुनाव में आफताब पुरेवैल की जीत ने दुनिया के सबसे शक्तिशाली देश में एक बार फिर भारतवंशियों का डंका बजा दिया है। हालांकि यह पहली बार नहीं है, जब भारतीय मूल के लोगों ने दूसरे देशों में राजनीतिक के शीर्ष पदों पर कब्जा जमाया है। इतिहास उठाकर देखें तो पता चलता है कि दुनिया के लगभग 29 देशों में भारतीय मूल के लोग राजनीति के शीर्ष पदों पर रह चुके हैं या अब भी हैं, इनमें से आठ से ज्यादा देशों के राष्ट्राध्यक्ष भी शामिल हैं। इनमें ब्रिटेन, मॉरीशस, गुयाना, सिंगापुर और आयरलैंड शामिल हैं। भारतवंशियों ने दूसरे देशों में राजनीति के अलावा व्यवसाय, विज्ञान और प्रौद्योगिकी जैसे क्षेत्रों में भी अपनी प्रतिभा की दम पर धाक जमाई है।

दूसरे देशों का नेतृत्व

- भारतीय मूल के ऋषि सुनक को वर्ष 2022 में यूनाइटेड किंगडम का प्रधानमंत्री चुना गया था।
- लियो वराडकर ने 2017 से 2020 और 2022 से 2024 आयरलैंड के प्रधानमंत्री का पद संभाला।
- मॉरीशस में अनिरुद्ध जगन्नाथ, नवीन रामगुलाम, प्रविंद जगन्नाथ कई बार प्रधानमंत्री चुने गए।
- त्रिनिदाद और टोबैगो में कमला प्रसाद-बिस्सेसर वर्ष 2010 से 2015 के बीच प्रधानमंत्री चुने गए।
- गुयाना में 1990 से अब तक चेदी जगन, बर्रत जगदेओ, इरफान अली भारतीय मूल के राष्ट्रपति।
- सूरीनाम में वर्ष 2020 में भारतीय मूल के चंद्रिका प्रसाद संतोखी राष्ट्रपति पद संभालने का मौका।
- सेशेल्स में वेवेल रामकलावन, फिजी में महेंद्र चौधरी और सिंगापुर में श्रीनाथन ने भी नेतृत्व किया।

लोकप्रियता में भी आगे

- फिजी में महेंद्र चौधरी जातीय संघर्ष में अपने दृढ़ रुख के कारण पहले भारतीय मूल के प्रधानमंत्री बने।
- आयरलैंड में लियो वराडकर पश्चिमी यूरोप के पहले खुले तौर पर समलैंगिक भारतवंशी प्रधानमंत्री।
- गुयाना का नेतृत्व करने वाले भारतवंशी चेदी जगन को स्वतंत्रता आंदोलन के महानायक माना जाता है।
- मॉरीशस में प्रविंद जगन्नाथ भारतीय मूल के सबसे लंबे समय तक सत्ता में रहने वाले नेताओं में एक थे।

भारत को क्या लाभ

- वैश्विक पहचान और मजबूत छवि, ऋषि सुनक, प्रविंद जगन्नाथ जैसे नेता भारत हितैषी नीति के लिए जाने जाते हैं।
- उद्यमी विदेश में भारत में निवेश के सेतु, सिलिकॉन वैली में भारतीय निवेशक भारत के स्टार्टअप्स को फंड देते हैं।
- सांस्कृतिक प्रभाव बढ़ा है। दिवाली और होली जैसे भारतीय त्योहारों को कई देशों में आधिकारिक मान्यता मिली है।
- भारतीय प्रवासी समुदाय दूसरे देशों में भारत की नीतियों के समर्थन में लॉबिंग करता है, अंतर्राष्ट्रीय लाभ प्राप्त होते हैं।

दुनिया के दूसरे देशों में भारतवंशियों की स्वीकार्यता

- अमेरिका, कनाडा, यूके जैसे उच्च आय वाले देशों में भारतीय मूल के लोगों को सफल, शिक्षित और भरोसेमंद समुदाय माना जाता है।
- कैरेबियाई और अफ्रीकी देशों में शुरू में भेदभाव था, अब भारतीय समुदाय स्थानीय राजनीति व अर्थव्यवस्था में मुख्यधारा में आया है।
- मध्य पूर्व में भारतीय मूल के लोग मुख्यत: श्रमिक और तकनीकी कामगार हैं, और वहां उनका प्रभाव सीमित है, लेकिन वे सम्मानित हैं।

यहां भी आगे : राजनीति के अलावा भारतवंशी कई अन्य क्षेत्रों में भी अगुवाई कर रहे हैं। सुंदर पिचाई गूगल के सीईओ हैं और सत्य नडेला माइक्रोसॉफ्ट के सीईओ। यूएस की टेक पॉलिसी में अर्जुन रामपाल, वेंचर कैपिटल में विनोद खोसला का नाम आता है। साइंस एंड रिसर्च में नोबल पुरस्कार विजेता वेंकटरमण रामकृष्णन, व्यापार और वित्त में लक्ष्मी मित्तल का नाम आता है।

न्यूयॉर्क का मेयर बनते ही ममदानी ने ट्रंप को आव्रजन के मुद्दे पर दी चुनौती

चुनाव जीतने के बाद नेहरू को किया याद, कहा- पुराने से नए युग में रखेंगे कदम

न्यूयॉर्क, एजेंसी

ममदानी की विजय के बाद उनके समर्थक जश्न मनाने न्यूयॉर्क की सड़कों पर उतर आए।

न्यूयॉर्क सिटी के मेयर चुने गए जोहरान ममदानी ने अपने तेजतर्रार विजयी भाषण में अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप को आव्रजन के मुद्दे पर चुनौती दी, 'राजनीतिक वंशवाद' को खत्म करने की बात कही और पूर्व भारतीय प्रधानमंत्री जवाहरलाल नेहरू के शब्दों का उल्लेख करते हुए कहा कि शहर पुराने से नए युग की ओर बढ़ रहा है। उन्होंने कहा कि उनकी जीत अत्याचार और मुनाफाखोरी के खिलाफ उम्मीद का प्रतीक है।

भारतीय मूल के ममदानी ने मंगलवार को चुनावों में निर्णायक एवं ऐतिहासिक जीत हासिल की। उन्होंने रिपब्लिकन उम्मीदवार कर्टिस स्लिवा तथा दिग्गज नेता एवं न्यूयॉर्क के पूर्व गवर्नर एंड्रयू कुओमो को हराया, जो निर्दलीय उम्मीदवार के रूप में चुनाव लड़ रहे थे। कुओमो को चुनाव की पूर्व संध्या पर ही अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप का समर्थन प्राप्त हुआ था। इस जीत के साथ ही ममदानी अमेरिका के सबसे बड़े शहर में मेयर बनने वाले पहले दक्षिण एशियाई और मुस्लिम व्यक्ति बन गए।

ममदानी ने आधी रात के आसपास डाउनटाउन ब्रुकलिन के एक संगीत स्थल 'ब्रुकलिन पैरामाउंट' में अपने हज़ारों समर्थकों के सामने जोशीले विजयी भाषण में कहा, भविष्य हमारे हाथों में है। दोस्तों, हमने एक राजनीतिक वंश को उखाड़ फेंका है। उन्होंने तालियों की गड़गड़ाहट और अपने समर्थकों के नारों के बीच कहा, न्यूयॉर्क, आज रात आपने कर दिखाया, यह बदलाव का जनादेश है। एक नई राजनीति का जनादेश। एक ऐसे शहर का जनादेश, जहां रहने का खर्चा हम वहन कर सकते हैं। और एक ऐसी सरकार का जनादेश जो बिल्कुल यही करती है।

ममदानी ने न्यूयॉर्क की राजनीति में एक नए युग की शुरुआत की बात करते हुए भारत के प्रथम प्रधानमंत्री नेहरू का उल्लेख किया। उन्होंने कहा, आपके सामने खड़े होकर मुझे जवाहरलाल नेहरू के शब्द याद आते हैं। इतिहास में कभी-कभी ऐसा क्षण आता है जब हम पुराने से नए युग में कदम रखते हैं, जब एक युग समाप्त होता है और जब किसी राष्ट्र की लंबे समय से दबाई गई आत्मा को अभिव्यक्ति मिलती है। उन्होंने कहा... तो आइए अब हम स्पष्टता और दृढ़ विश्वास के साथ इस बारे में बात करें कि यह नया युग क्या लाएगा और किसके लिए लाएगा।

ट्रंप पर वार... अब आव्रजक ही चलाएंगे न्यूयॉर्क

ममदानी ने अपने विजय भाषण में ट्रंप को चुनौती दी, जिन्होंने राष्ट्रपति के रूप में अपने दूसरे कार्यकाल में आव्रजन पर कड़ी कार्रवाई शुरू की है। उन्होंने कहा कि न्यूयॉर्क को आव्रजकों द्वारा चलाया जाएगा और उनकी ऐतिहासिक जीत के बाद इसका नेतृत्व भी एक आव्रजक द्वारा किया जाएगा। अपने माता-पिता और पत्नी रमा दुवाजी के साथ ममदानी का लगभग 25 मिनट का भाषण बॉलीवुड फिल्म 'धूम' के लोकप्रिय भारतीय गीत 'धूम मचाले' के साथ समाप्त हुआ। उन्होंने कहा, मेरे मां और बाबा, आज मैं जो कुछ हूं, आपकी वजह से हूं। मुझे आपका बेटा होने पर बहुत गर्व है। और मेरी अद्भुत पत्नी रमा, मेरी जिंदगी : इस पल और हर पल, आपके सिवा मैं किसी और को अपने साथ नहीं देखना चाहता।

मेरे चुनाव प्रचार में न उतरने और शटडाउन के कारण हारे : ट्रंप

वाशिंगटन। ट्रंप ने बुधवार को सोशल मीडिया मंच 'ट्रुथ' पर पोस्ट में कहा कि चुनाव प्रचार से उनकी अनुपस्थिति और शटडाउन के कारण रिपब्लिकन पार्टी मेयर चुनाव हार गई। एक अन्य पोस्ट में ट्रंप ने मतदाता सुधारों का आह्वान किया। उन्होंने लिखा, रिपब्लिकन 'फिलिबस्टर' को समाप्त करें। कानून पारित कराने और मतदाता सुधार पर ध्यान केंद्रित करें। फिलिबस्टर एक संसदीय प्रक्रिया है, जिसमें विधायी निकाय के एक या अधिक सदस्य प्रस्तावित कानून पर बहस को इतना लंबा खींचते हैं कि निर्णय में देरी हो जाती है या उसे पूरी तरह से रोका जा सकता है।

डेमोक्रेटिक पार्टी ने जीत का जश्न मनाया

वाशिंगटन। अमेरिका के पूर्व राष्ट्रपति बिल क्लिंटन और बराक ओबामा ने ममदानी और अन्य पार्टी नेताओं को चुनावी सफलता की बधाई दी। क्लिंटन ने लिखा, न्यूयॉर्क के अगले मेयर के रूप में चयन पर जोहरान ममदानी को बधाई। आपकी सफलता की कामना करता हूं, जब आप अपने चुनाव अभियान के जोश को एक बेहतर, न्यायसंगत और अधिक किफायती न्यूयॉर्क बनाने के प्रयास में बदलने के लिए काम करेंगे। ओबामा ने कहा, यह हमें याद दिलाता है कि जब हम मजबूत और दूरदर्शी नेताओं के साथ एकजुट होते हैं, जो महत्वपूर्ण मुद्दों को ध्यान में रखते हैं, तो हम जीत सकते हैं।

अमेरिकी के केंटुकी में विमान दुर्घटना, सात मरे, आसपास के इलाकों तक फैली आग

- कार्गो विमान में था 38000 गैलन जेट ईंधन, प्रशासन ने मृतकों की संख्या बढ़ने की आशंका जताई

न्यूयॉर्क, एजेंसी

कार्गो विमान के दुर्घटनाग्रस्त होने के बाद ऊपर उठता घना काला धुआं।

अमेरिका के केंटुकी में लुइसविले अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डे के निकट मंगलवार को एक कार्गो विमान दुर्घटनाग्रस्त हो गया जिसमें मरने वालों की संख्या बढ़कर सात हो गई है। इस घटना में विमान में आग लग गई जो विमान के गिरने के साथ ही एक बड़े क्षेत्र में फैल गई।

संघीय उड्डयन प्रशासन (एफएए) ने बताया कि यूपीएस के विमान 2976 में 38,000 गैलन जेट ईंधन और चालक दल के तीन सदस्य सवार थे। यह विमान लुइसविले के मुहम्मद अली अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डे से उड़ान भरने के कुछ ही देर बाद स्थानीय समयानुसार शाम लगभग सवा पांच बजे दुर्घटनाग्रस्त हो गया।

गर्वनर एंडी बेशियर ने कहा कि इस विनाशकारी दुर्घटना में कम से कम सात लोगों की मौत हो गई और 11 लोग घायल हो गए।

उन्होंने कहा कि यह संख्या बढ़ने की आशंका है। उन्होंने बताया कि विमान हवाई अड्डे के पास दुर्घटनाग्रस्त हुआ, जिससे दो व्यावसायिक प्रतिष्ठान प्रभावित हुए और क्षेत्र के अन्य व्यवसाय भी प्रभावित हुए। घटनास्थल से प्राप्त वीडियो में भीषण आग और दुर्घटनास्थल से काले धुएं का घना गुबार उठता दिखाई दिया। लुइसविले के अग्निशमन प्रमुख ब्रायन ओ'नील ने कहा कि सैकड़ों अग्निशमन कर्मियों ने आग पर लगभग काबू पा लिया है और संभावित पीड़ितों की तलाश में पूरे इलाके में ग्रिड दर ग्रिड तलाशी अभियान चला रहे हैं।

अमेरिका में सबसे लंबा 36 दिन का शटडाउन

वाशिंगटन। अमेरिका में एक अक्टूबर से शुरू हुआ शटडाउन बुधवार को 36वें दिन में प्रवेश कर गया। यह अमेरिका के इतिहास का सबसे लंबा शटडाउन है। इससे पहले राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के पहले कार्यकाल के दौरान 2018 में 35 दिनों तक सरकारी कामकाज ठप रहा था। इस शटडाउन की वजह से 4.2 करोड़ गरीब अमेरिकियों की खाद्य सहायता (फूड स्टैंप) रुक गई है।

अमेरिकी वस्तुओं के आयात पर 24% टैरिफ को एक साल के लिए स्थगित करेगा चीन

बीजिंग, एजेंसी

- व्यापार वार्ता में बनी सहमति को लागू करने का लिया गया निर्णय

चीनी वित्त मंत्रालय ने कहा है कि चीनी राष्ट्रपति शी जिनपिंग और अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के बीच हाल ही में हुई व्यापार वार्ता के अनुरूप चीन 10 नवंबर से एक वर्ष के लिए अमेरिकी वस्तुओं पर अतिरिक्त 24 प्रतिशत आयात शुल्क को स्थगित करेगा।

मंत्रालय के मुताबिक चीन-अमेरिका व्यापार वार्ता के दौरान बनी सहमति को लागू करने के लिए आयात शुल्क कानून, सीमा शुल्क कानून, विदेश व्यापार कानून और अन्य प्रासंगिक कानूनों तथा विनियमों तथा अंतर्राष्ट्रीय कानून के मूल सिद्धांतों के अनुसार यह निर्णय लिया गया है। राज्य परिषद की स्वीकृति से 10 नवंबर, 2025 से अमेरिकी वस्तुओं पर 24 प्रतिशत का अतिरिक्त सीमा शुल्क एक वर्ष के लिए स्थगित कर दिया जाएगा। लेकिन अमेरिकी वस्तुओं पर 10 प्रतिशत का अतिरिक्त शुल्क लागू रहेगा।

मंत्रालय ने कहा कि इस स्थगन से दोनों देशों के बीच व्यापार और आर्थिक संबंधों के स्वस्थ और स्थिर विकास सुनिश्चित होगा। दोनों देशों के लोगों को लाभ पहुंचाने और वैश्विक समृद्धि में योगदान करने में मदद मिलेगी। बातचीत के दौरान ट्रंप ने कहा था कि अमेरिकी प्रशासन चीनी आयातों पर फेंटेनाइल से संबंधित शुल्कों में कटौती करेगा और चीनी उत्पादों पर कुछ पारस्परिक शुल्कों को स्थिर रखेगा। मंगलवार को जारी कार्यकारी आदेशों में उल्लिखित ये कदम अक्टूबर में दक्षिण कोरिया में एपेक सम्मेलन के दौरान जिनपिंग के साथ हुए व्यापक व्यापार समझौते के प्रमुख तत्वों को समाहित करते हैं।

इसके तहत चीन 10 नवंबर से अमेरिका से आयातित ज्वार, सोयाबीन, सूअर का मांस, बीफ़, जलीय उत्पादों, फलों, सब्जियों और डेयरी उत्पादों पर अतिरिक्त 10 प्रतिशत शुल्क के साथ चिकन, गेहूं, मक्का और कपास पर 15 प्रतिशत शुल्क भी हटाएगा। इस समझौते के तहत चीन चार मार्च से घोषित सभी परस्पर शुल्कों को स्थगित कर देगा।

पाकिस्तान ने गुरु नानक जयंती मनाने सिख जत्थे के साथ जा रहे हिंदुओं को रोका

अमृतसर, एजेंसी

गुरु नानक देव की जयंती समारोह में भाग लेने भारतीय सिख तीर्थयात्रियों का पहला जत्था मंगलवार को अटारी-वाघा सीमा पार कर पाकिस्तान पहुंचा, लेकिन तीर्थयात्रियों की खुशी वाघा सीमा पर उस समय फीकी पड़ गई, जबएक बड़े सिख प्रतिनिधिमंडल के साथ पाकिस्तान में प्रवेश कर रहे 12 हिंदू तीर्थयात्रियों के एक समूह को सभी औपचारिकताएं पूरी करने के बावजूद अचानक आगे बढ़ने से रोक दिया गया। पाकिस्तानी अधिकारियों ने कहा कि वे हिंदू होने के कारण आगे नहीं बढ़ सकते।

इन हिंदू तीर्थयात्रियों को भारत लौटना पड़ा। भारतीय अधिकारियों और संगठनों ने इस कार्रवाई की व्यापक रूप से निंदा की और इसे भेदभावपूर्ण बताया। हिंदू तीर्थयात्रियों के पास वैध वीजा थे और उन्होंने सभी आव्रजन और यात्रा प्रक्रियाएं पूरी कर ली थीं। पाकिस्तानी अधिकारियों ने उन्हें ननकाना साहिब जाने वाली बस में चढ़ने से रोक दिया और कहा कि केवल सिखों के रूप में सूचीबद्ध लोगों को ही यात्रा करने की अनुमति होगी। इसके बाद तीर्थयात्रियों को भारत वापस भेज दिया गया, और उनमें से एक ने इस घटना पर अपना अपमान और दुख व्यक्त किया।

गुरु पर्व मनाने पहुंचे पहले सिख जत्थे का स्वागत करते पाकिस्तानी अधिकारी।

भारत सरकार दे मुंहतोड़ जवाब : प्रो. चावला ने कहा कि जत्थेदार कुलदीप सिंह गड़गज भी पाकिस्तान पहुंचे हैं। यह उनसे आशा की जाती है कि वे इस अन्याय को रोकते और पाकिस्तान की चाल का मुंह तोड़ जवाब देते। अफसोस ऐसा नहीं हो सका। उन्होंने कहा कि अब भारत सरकार को चाहिए कि वे पाकिस्तान को उसी की भाषा में जवाब दे और पाकिस्तान के केवल हिंदू श्रद्धालुओं को ही भारत यात्रा की आज्ञा दे।

हिंदू-सिखों में फूट डालने की नापाक चाल

ऑपरेशन सिंदूर के बाद पाकिस्तान जाने वाला यह पहला जत्था था और इस घटना को हिंदू और सिख समुदायों के बीच विभाजन पैदा करने के एक जानबूझकर किया गया कृत्य माना जा रहा है। पंजाब की पूर्व स्वास्थ्य मंत्री प्रो. लक्ष्मीकांत चावला ने घटना की निंदा करते हुए कहा है कि पाकिस्तान में हिंदू श्रद्धालुओं को गुरुद्वारा दर्शन के लिए न जाने देना भारत में लोगों में फूट डालने का घृणित प्रयास है, जिसका केंद्र सरकार शीघ्र ही गंभीर नोटिस लेना चाहिए। पूर्व मंत्री ने कहा कि हिंदू और सिख जो एक ही मां के दो बेटे हैं, एक ही परंपरा से पैदा हुए हैं और जिनका परिवार भी एक है उनको बांटने के लिए पहले अंग्रेजों ने प्रयास किया। 1882 में पहले अंग्रेजों का थोपा हुआ प्रिंसिपल मैकालिफ इस काम को आगे बढ़ाता रहा और इसके बाद अपने ही देश के कुछ नेताओं ने समाज को बांटने की कमान संभाल ली। उन्होंने कहा कि हिंदुस्तान के सभी प्रमुख गुरुद्वारों में विशेषकर अमृतसर श्री हरिमंदिर में अगर रोज के श्रद्धालुओं की संख्या देखी जाए तो हिंदू श्रद्धालु ज्यादा हैं, जो देश से भी आते हैं, विदेश से भी आते हैं। प्रो. चावला ने कहा कि वैसे तो हिंदू और सिख दो लिखने में ही कष्ट होता है, पर अगर राजनीतिक हितों ने उन्हें दो पक्ष बना ही दिया है तो पाकिस्तान को यह छूट नहीं दी जा सकती कि वह भारत से गए हिंदू श्रद्धालुओं को गुरु घर के दर्शन करने न जाने दे।

आज का भविष्यफल

-पं.डॉ. ज्ञानेन्द्र शर्मा

आज की ग्रह स्थिति : 6 नवंबर, गुरुवार 2025 संवत-2082, शक संवत 1947 मास- मार्गशीर्ष, पक्ष-कृष्ण पक्ष, प्रतिपदा 14.54 तक तत्पश्चात द्वितीया।

आज का पंचांग

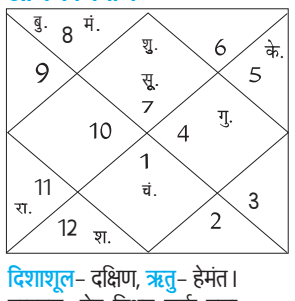

दिशाशूल- दक्षिण, ऋतु- हेमंत। चन्द्रबल- मेष, मिथुन, कर्क, तुला, वृश्चिक, कुंभ।
ताराबल- अश्विनी, भरणी, कृत्तिका, रोहिणी, आर्द्रा, पुष्य, मघा, पूर्वा फाल्गुनी, उत्तरा फाल्गुनी, हस्त, स्वाति, अनुराधा, मूल, पूर्वाषाढ़ा, उत्तराषाढ़ा, श्रवण, शतभिषा, उत्तराभाद्रपद।
नक्षत्र- भरणी 06.34 तक तत्पश्चात कृत्तिका 7 नवंबर 03.28 तक तत्पश्चात रोहिणी।

मेष आज का दिन नई साझेदारियों के लिए शुभ है। कार्यक्षेत्र में दूसरों पर निर्भरता बढ़ सकती है। आपकी कार्यकुशलता में वृद्धि होगी। पड़ोसियों से अपने संबंध अच्छे रखें। प्रेम संबंधों को लेकर पारिवारिक सहमति मिल सकती है।

वृष आज समाज में आपको उचित मान-सम्मान मिलेगा। रुका हुआ कार्य बनने से मानसिक अशांति दूर होगी। दांपत्य संबंधों की कड़वाहट दूर हो सकती है। ससुराल पक्ष से अपने संबंध अच्छे रखें। परिवार में उत्सव का वातावरण रहेगा।

मिथुन आज अपनी उपलब्धियों का दिखावा करने से बचें। वाहन चलाते समय चोट लग सकती है। जीवनसाथी के साथ आप अच्छा समय बिताएंगे। आपके ऊपर काम का दबाव बढ़ सकता है। गृहस्थ जीवन में शांति रहेगी। बच्चों के स्वास्थ्य की चिंता रहेगी।

कर्क आज कारोबार में नई शुरुआत कर सकते हैं। नौकरी कर रहे लोगों के ऊपर से काम का दबाव कम होगा। प्रेमीजन से विवाह को लेकर चर्चा कर सकते हैं। मित्रों और सहयोगियों की सहायता करने से आत्मिक संतुष्टि होगी।

सिंह आज अपनी जिम्मेदारियों को लेकर थोड़े परेशान रहेंगे। आप अत्यंत ऊर्जावान महसूस करेंगे। किसी राजनीतिक चर्चा में सम्मिलित हो सकते हैं। अपनी दिनचर्या को अनुशासित रखें। प्रेमी जन से कोई वादा न करें।

कन्या आज कानूनी मामले उलझ सकते हैं। विद्यार्थियों के लिए दिन बहुत अच्छा है। उच्च शिक्षा में परेशानियां बढ़ सकती हैं। घर के छूटे कार्यों को लेकर तनाव हो सकता है। आर्थिक नुकसान होने की संभावना बन रही है।

तुला आज कोई भी बड़ा निर्णय सोच-समझकर ही लें। अनावश्यक चर्चाओं से दूरी बनाकर रखें। दांपत्य संबंधों में संवादहीनता जैसी परिस्थितियां उत्पन्न हो सकती हैं। नजदीकी लोगों की सलाह को अनसुना करना नुकसानदेह हो सकता है।

वृश्चिक आज व्यवसाय में आपको बड़ा धन लाभ हो सकता है। पिछले काफी समय से चली आ रही उलझनों से राहत मिलेगी। ननिहाल पक्ष से शुभ समाचार मिल सकते हैं। वैवाहिक जीवन काफी रोमांटिक रहेगा। गले में कफ की शिकायत हो सकती है।

धनु आज आपकी कार्यक्षमता प्रभावित हो सकती है। अचानक नए कार्यों की शुरुआत न करें। आपको सभी कार्य समय पर करने चाहिए। अटका हुआ धन वापस मिलेगा। अपने स्वभाव में लचीलापन रखना आवश्यक है। प्रेम संबंधों में प्रगाढ़ता बढ़ेगी।

मकर आज निवेश के दौरान सावधानी रखें। दार्शनिक विचारों के प्रभाव में रहेंगे। जल्दबाजी में लिए गए निर्णयों से नुकसान होगा। उच्च रक्तचाप के कारण समस्या होगी। अधिकारी वर्ग के साथ तनाव हो सकता है। नए प्रेम संबंधों को लेकर समस्या होगी।

कुंभ आज अपनी गलतियों को छिपाने के बजाय उन्हें दूर करने का प्रयास करें। रियल एस्टेट से जुड़े लोग नए सौदों को जांच-परख कर ही करें। जाने-अनजाने में आपसे कुछ त्रुटियां हो सकती हैं। आपको सिरदर्द और वायरल बुखार की समस्या हो सकती है।

मीन आज आपकी बातों से लोग प्रभावित होंगे। जॉब में स्थायित्व की भावना बढ़ेगी। जीवनसाथी के साथ संबंध मधुर होंगे। आपके नए मित्र बन सकते हैं। आपको मेहनत का सार्थक परिणाम मिलेगा। आपको अधिकारियों से सहायता लेनी चाहिए।

सुडोकू-152

सुडोकू एक तरह का तर्क वाला खेल है, जो एक वर्ग पहेली की तरह होता है। जब आप इस खेल को खेलना सीख जाते हैं तो यह बहुत ही सरलता से खेला जा सकता है। सुडोकू खेल में बॉक्स में 1 नंबर से 9 नंबर तक आने वाले अंक दिए हैं। इसमें कुछ बॉक्स खाली हैं, जिन्हें आपको भरना है। कोई भी अंक दोबारा नहीं आना चाहिए। एक सीधी लाइन और एक खड़ी लाइन तथा बॉक्स में नंबर रिपीट नहीं होना चाहिए।

		1				2	3	
	2	4						
			2	6	7			
5			3	7				
7								8
3				9	4			
			8	5	1			
	3					7	2	
	6	5				9		

सुडोकू - 151 का हल

9	1	5	6	2	8	3	4	7
3	4	8	5	1	7	6	9	2
6	7	2	3	4	9	8	5	1
2	6	4	9	7	3	1	8	5
8	3	1	4	5	2	7	6	9
5	9	7	8	6	1	2	3	4
1	5	6	7	3	4	9	2	8
7	8	3	2	9	5	4	1	6
4	2	9	1	8	6	5	7	3

अर्शदीप सिंह विश्वस्तरीय गेंदबाज हैं। उन्होंने पावरप्ले में अधिकतर विकेट लिए हैं। हम बस उनसे यही कहते हैं कि वे कड़ी मेहनत करें और जब भी उन्हें मौका मिले, उसके लिए तैयार रहें।
–मोर्ने मोर्कल

स्टेडियम

अयोध्या, गुरुवार 6 नवंबर 2025

अमृत विचार

www.amritvichar.com

हाईलाइट

सऊदी अरब के रियाद में डब्ल्यूटीए टेनिस फाइनल्स के महिला एकल मैच के दौरान कजाकिस्तान की एलेना रयबाकिना रूस की एकातेरिना एलेक्जेंड्रोवा के शॉट को रोकती हुई।

रिचा घोष को सोने की परत वाली गेंद और बल्ला देगा कैब

कोलकाता : बंगाल क्रिकेट संघ (कैब) भारत की विकेटकीपर बल्लेबाज रिचा घोष को महिला विश्व कप में शानदार प्रदर्शन के लिये यहां शनिवार को ईडन गार्डस पर एक भव्य सम्मान समारोह में खास तौर से बनाए गए सोने की परत चढा बल्ला और गेंद प्रदान करेगा। भारत की ऐतिहासिक खिताबी जीत की शिल्पकारों में से एक रिचा ने आठ पारियों में 133.52 की स्ट्राइक रेट से 235 रन बनाए। वह टीम के लिये सर्वाधिक रन बनाने वाली पांच बल्लेबाजों में से थी। भारत के पूर्व कप्तान सौरव गांगुली और महान तेज गेंदबाज झूलन गोस्वामी के हस्ताक्षर वाला बल्ला उन्हें भारतीय क्रिकेट में अतुलनीय योगदान के लिये प्रदान किया जाएगा।

वेस्टइंडीज ने सात रन से न्यूजीलैंड को हराया

आकलैंड : वेस्टइंडीज ने कम स्कोर वाले पहले टी-20 मैच में बुधवार को न्यूजीलैंड को सात रन से हरा दिया। कप्तान शाई होप ने 39 गेंद में 53 रन बनाए। वेस्टइंडीज ने पहले बल्लेबाजी के लिए भेजे जाने पर छह विकेट पर 164 रन बनाए। न्यूजीलैंड ने दसवें ओवर तक दो विकेट खोकर 70 रन बना लिये थे लेकिन इसके बाद टीम की लय बिगड़ गई।

ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ चौथा टी-20 मुकाबला आज, भारत का पड़ला भारी

शुभमन गिल की निगाह बड़े स्कोर पर

कैरारा (गोल्ड कोस्ट), एजेंसी

अभी तक अपेक्षित प्रदर्शन नहीं कर पाने वाले शुभमन गिल ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ गुरुवार को यहां होने वाले चौथे टी-20 अंतर्राष्ट्रीय मैच में बड़ा स्कोर बनाने की कोशिश करेंगे जिसमें भारतीय टीम जीत के प्रबल दावेदार के रूप में शुरुआत करेगी। तीन मैचों के बाद शृंखला 1-1 से बराबर है, लेकिन ऑस्ट्रेलिया की टीम कुछ प्रमुख खिलाड़ियों की अनुपस्थिति में थोड़ा कमजोर नजर आ रही है। पिछले मैच में जोश हेजलवुड की अनुपस्थिति से स्पष्ट अंतर नजर आया था, जब भारत 186 रन के लक्ष्य को हासिल करके शृंखला बराबर करने में सफल रहा था। चौथे मैच में ऑस्ट्रेलिया को ट्रेविस हेड की भी कमी खलेगी क्योंकि सलामी बल्लेबाज को एशेज की तैयारी के लिए शेफील्ड शील्ड में खेलना है। ऑस्ट्रेलिया की टीम के इन दोनों प्रमुख खिलाड़ियों की अनुपस्थिति में भारत के पास गाबा में अंतिम मैच से पहले 2-1 की बढ़त हासिल करने का यह सबसे अच्छा मौका है। हालांकि, भारतीय टीम प्रबंधन को टेस्ट और वनडे कप्तान शुभमन गिल की फॉर्म थोड़ी परेशान कर सकती है, क्योंकि उन्होंने अब तक ऑस्ट्रेलिया के वर्तमान दौरे में छह मैच खेले हैं और एक भी अर्धशतक नहीं लगाया है। एकदिवसीय एजेंसी की शुरुआत से अब तक उनके स्कोर का क्रम 10, 9, 24, नाबाद 37, 5 और 15 है। अभी तक केवल एक बार वह अच्छी फॉर्म में दिखे थे। वह कैनबरा में था जब उन्होंने कप्तान सूर्यकुमार यादव के साथ अच्छी साझेदारी की थी। बारिश के कारण यह मैच रद्द कर दिया गया था। गिल को फुल लेंथ की गेंदों से परेशानी हो रही है, जिनमें मूवमेंट की झलक दिख रही है। चिंता की बात यह है कि गिल अभी तक अपनी चिर परिचित लय में नहीं दिखे हैं। भारत के लिए अच्छी बात यह है कि अभिषेक शर्मा ने विश्व के नंबर एक टी20 बल्लेबाज की अपनी ख्याति के अनुरूप प्रदर्शन किया है और टीम को उनसे एक बार फिर एक और जोरदार पारी की उम्मीद होगी। गिल को एक सप्ताह के भीतर लाल गेंद से खेलना शुरू करना होगा और अगर वह किसी भी प्रारूप में खेल रहे हों तो कुछ रन बनाने से उनका आत्मविश्वास काफी बढ़ेगा। कप्तान सूर्यकुमार यादव ने पहले और तीसरे मैच में अच्छी शुरुआत के साथ अपनी पुरानी फॉर्म की झलक दिखाई है लेकिन अब वह बड़ा स्कोर बनाना चाहेंगे क्योंकि दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ अगली सीरीज से पहले उन्हें एक महीने का ब्रेक मिलेगा। इस बीच, उम्मीद की जा रही है कि सूर्यकुमार पुडुचेरी के खिलाफ मुंबई की ओर से रणजी ट्रॉफी मैच खेलेंगे। अर्शदीप सिंह के शामिल होने से गेंदबाजी विभाग अधिक मजबूत दिखता है, जबकि कुलदीप यादव को दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ टेस्ट सीरीज की तैयारी के लिए वापस भेज दिया गया है।

समय
दोपहर 1:45 बजे से

शुभमन गिल व अभिषेक शर्मा।

स्पिन का सामना करने के लिए अच्छी तैयारी जरूरी : मैथ्यू शॉर्ट

गोल्ड कोस्ट : ऑस्ट्रेलियाई बल्लेबाज मैथ्यू शॉर्ट मौजूदा टी-20 शृंखला में भारतीय गेंदबाजों का सामना करने के अवसर का आनंद ले रहे हैं, लेकिन उन्होंने स्वीकार किया कि अगले साल होने वाले टी-20 विश्व कप की तैयारी के लिए उपमहाद्वीपीय परिस्थितियों में स्पिन के अनुकूल ढलना महत्वपूर्ण होगा। शॉर्ट मौजूदा सीमित ओवरों की शृंखला का अभिन्न हिस्सा रहे हैं क्योंकि ऑस्ट्रेलिया अगले साल फरवरी से मार्च के दौरान भारत और श्रीलंका में होने वाले टी 20 विश्व कप के लिए अपनी टीम को अंतिम रूप देने की कोशिश कर रहा है। शॉर्ट ने चौथे टी-20 मैच से पहले कहा सुधार करने के अपने अलग-अलग तरीके होते हैं। विश्व कप भारत और श्रीलंका में खेला जाना है और इसे देखते हुए स्पिन के खिलाफ खेलना मेरे लिए अच्छी बात है। मुझे लगता है कि इसमें थोड़ी और मेहनत करने की जरूरत है।

टीम

भारत : सूर्यकुमार यादव (कप्तान), अभिषेक शर्मा, शुभमन गिल (उपकप्तान), तिलक वर्मा, नितीश कुमार रेड्डी, शिवम दुबे, अक्षर पटेल, जितेश शर्मा (विकेटकीपर), वरुण चक्रवर्ती, जसप्रीत बुमराह, अर्शदीप सिंह, हर्षित राणा, संजू सैमसन (विकेटकीपर), रिंकू सिंह, वॉशिंगटन सुंदर।

ऑस्ट्रेलिया : मिशेल मार्श (कप्तान), मैथ्यू शॉर्ट, जोश इंग्लिस (विकेट कीपर), जोश फिलिप (विकेट कीपर), मिशेल ओवेन, ग्लेन मैक्सवेल, मैट कुहनेमन, एडम ज़म्पा, महली बियर्डमैन, बेन ड्वार्शिस, जेवियर बार्टलेट, नाथन एलिस, मार्कस स्टोइनिस।

टीम प्रबंधन का मुख्य मुद्दा हमेशा से यह रहा है कि कुलदीप व अर्शदीप दोनों को एक साथ नहीं खिलाया जा सकता। पर फिलहाल ऐसी कोई समस्या नजर नहीं आती है। वाशिंगटन सुंदर की मौजूदगी में भारतीय बल्लेबाजी मजबूत नजर आती है। वाशिंगटन ने पिछले मैच में 23 गेंद पर नाबाद 49 रन बनाकर भारत को जीत दिलाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई थी। ऑस्ट्रेलियाई टीम अपनी आक्रामक बल्लेबाजी के लिए कप्तान मिशेल मार्श और टिम डेविड पर काफी हद तक निर्भर रहेगी। हेड की अनुपस्थिति में मार्श मैथ्यू शॉर्ट को अपना सलामी जोड़ीदार बना सकते हैं। ऑस्ट्रेलिया को हालांकि अपने गेंदबाजी विभाग में बदलाव करने पड़ सकते हैं क्योंकि सीन एबॉट अपेक्षित प्रदर्शन नहीं कर पाए हैं और बेन ड्वार्शुइस या महली बियर्डमैन में से किसी एक को उनकी जगह पर लाया जा सकता है।

ऑस्ट्रेलिया में सीरीज के एक मैच के दौरान विकेट लेने के बाद जश्न मानते अर्शदीप सिंह।

अर्शदीप सिंह जानते हैं हमारी योजना : मोर्कल

कैरारा (गोल्ड कोस्ट), एजेंसी

- भारत के गेंदबाजी कोच मोर्ने मोर्कल बोले- हम आजमा रहे हैं अलग-अलग संयोजन

भारत के गेंदबाजी कोच मोर्ने मोर्कल ने बुधवार को कहा कि अर्शदीप सिंह को चयन मामलों में भले ही परेशानी का सामना करना पड़ा हो, लेकिन यह तेज गेंदबाज इस बात को अच्छी तरह से समझता है कि टीम प्रबंधन बड़ी तस्वीर को देखते हुए अलग-अलग संयोजन आजमा रहा है। अर्शदीप को होबार्ट में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ तीसरे टी-20 अंतर्राष्ट्रीय मैच में अंतिम एकादश में शामिल किया गया था।

उन्होंने शानदार वापसी की और वह मैच के सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी चुने गए थे। उन्हें पहले दो मैचों में अंतिम एकादश में नहीं चुना गया, क्योंकि उन्हें और कुलदीप यादव को एक साथ नहीं खिलाया जा सकता और दुबई की परिस्थितियों के कारण सितंबर में एशिया कप में भी वे पहली पसंद नहीं थे। गौरतलब है कि अर्शदीप टी-20 अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट में 100 से अधिक विकेट लेने वाले एकमात्र भारतीय गेंदबाज़ हैं।

मोर्कल ने गुरुवार को यहां होने वाले चौथे टी-20 अंतर्राष्ट्रीय मैच से पहले संवाददाताओं से कहा अर्शदीप अनुभवी हैं और उन्हें पता है कि हम बड़ी तस्वीर को देख रहे हैं और अलग-अलग संयोजनों को आजमा रहे हैं। उन्हें पता है कि वह विश्वस्तरीय गेंदबाज हैं और उन्होंने पावरप्ले में अधिकतर विकेट लिए हैं। उन्होंने कहा हम जानते हैं कि वह टीम के लिए कितने अमूल्य खिलाड़ी है, लेकिन हमें अन्य संयोजनों पर भी गौर करने की जरूरत है और वह इस बात को समझते हैं। मोर्कल ने हालांकि स्वीकार किया कि अर्शदीप जैसी क्षमता वाले गेंदबाज के लिए यह आसान नहीं रहा है। उन्होंने कहा यह आसान काम नहीं है लेकिन कभी-कभी कड़े फैसले करने पड़ते हैं। हम बस उनसे यही कहते हैं कि वे कड़ी मेहनत करें और जब भी उन्हें मौका मिले, उसके लिए तैयार रहें। टी20 विश्व कप से पहले अब सीमित मैच ही बचे हैं। मोर्कल ने कहा इसलिए, हमारे लिए यह देखना ज़रूरी है कि दबाव की परिस्थितियों में खिलाड़ी कैसा प्रदर्शन करते हैं।

फिटनेस साबित करने के बाद पंत की वापसी

नई दिल्ली, एजेंसी

- दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ टेस्ट सीरीज के लिए भारतीय टीम घोषित, शमी को नहीं मिली जगह

स्टार विकेटकीपर बल्लेबाज ऋषभ पंत ने पैर के फ्रेक्चर से उबरकर दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ आगामी दो मैचों की घरेलू श्रृंखला के लिये भारतीय टेस्ट टीम में वापसी की जबकि तेज गेंदबाज मोहम्मद शमी एक बार फिर टीम में जगह बनाने में नाकाम रहे।

पंत को जुलाई में मैनचेस्टर में इंग्लैंड के खिलाफ चौथे टेस्ट के दौरान चोट लगी थी और वह वेस्टइंडीज के खिलाफ अगली श्रृंखला नहीं खेल सके थे। उन्होंने हाल ही में बेंगलुरु में दक्षिण अफ्रीका ए के खिलाफ भारत ए टीम की कप्तानी की और दूसरी पारी में 90 रन बनाए। शुभमन गिल की कप्तानी वाली भारतीय टीम में उन्होंने एन जगदीशन की जगह ली। बंगाल के लिये तीन रणजी मैचों में अच्छा प्रदर्शन करने वाले शमी को टीम में जगह नहीं मिल सकी है। पैंतीस वर्ष के शमी ने उत्तराखंड और गुजरात के खिलाफ बंगाल की जीत में अहम भूमिका निभाते हुए तीन मैचों में 93 ओवर डालकर 15 से अधिक विकेट लिए।

टेस्ट टीम

शुभमन गिल (कप्तान), ऋषभ पंत, यशस्वी जायसवाल, केएल राहुल, साइ सुदर्शन, देवदत्त पडिक्कल, ध्रुव जुरेल, रविंद्र जडेजा, वॉशिंगटन सुंदर, जसप्रीत बुमराह, अक्षर पटेल, नीतिश कुमार रेड्डी, मोहम्मद सिराज, कुलदीप यादव और आकाश दीप।

भारत ए वनडे टीम

तिलक वर्मा (कप्तान), रूतुराज गायकवाड़, अभिषेक शर्मा, रियान पराग, ईशान किशन, आयुष बडोनी, निशांत सिंधु, विपराज निगम, मानव सुतार, हर्षित राणा, अर्शदीप सिंह, प्रसिद्ध कृष्णा, खलील अहमद, प्रभसिमरन सिंह।

पहला टेस्ट कोलकाता में 14 नवंबर से
दूसरा टेस्ट गुवाहाटी में 22 नवंबर से

चयनकर्ताओं को शायद लगा होगा कि अब वह टेस्ट क्रिकेट में लंबे स्पैल नहीं डाल सकेंगे चूंकि घरेलू क्रिकेट में भी स्पैल के बीच उन्होंने ब्रेक लिए।

दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ टेस्ट सीरीज के बाद अगले छह महीने भारत को टेस्ट क्रिकेट नहीं खेलना है जिसे देखकर लगता है कि शमी के लिये दरवाजे बंद हो चुके हैं। बंगाल के तेज गेंदबाज आकाश दीप ने भी कंधे की चोट से उबरकर वापसी की है। वह भारत ए टीम का भी हिस्सा हैं। भारत के पास तेज गेंदबाजों में जसप्रीत बुमराह और मोहम्मद सिराज हैं जबकि स्पिन की कमान रविंद्र जडेजा, अक्षर पटेल, कुलदीप यादव और हरफनमौला वॉशिंगटन सुंदर के पास होगी।

चयनकर्ताओं ने दक्षिण अफ्रीका ए के खिलाफ तीन मैचों की सीरीज के लिए भारत ए वनडे टीम की भी घोषणा की है जिसमे तिलक वर्मा को कप्तान बनाया गया है। ये मैच 13, 16 और 19 नवंबर को राजकोट में होंगे।

स्टार विकेटकीपर बल्लेबाज ऋषभ पंत। एजेंसी

दक्षिण अफ्रीका के पास सीरीज जीतने का बड़ा मौका : बावुमा

बेंगलुरु : दक्षिण अफ्रीका के कप्तान तेम्बा बावुमा का मानना है कि विराट कोहली और रोहित शर्मा के संन्यास के बावजूद भारत के खिलाफ आगामी टेस्ट सीरीज आसान नहीं होगी लेकिन उन्होंने कहा कि अपने बेहतरीन स्पिन आक्रमण के दम पर उनकी टीम के पास 25 साल बाद भारत में सीरीज जीतने का सुनहरा मौका है। दक्षिण अफ्रीका ने आखिरी बार 1999-2000 में दिवंगत हैंसी क्रोन्ये की कप्तानी में भारत में पहली टेस्ट शृंखला जीती थी। दो मैचों की शृंखला का दूसरा मैच 14 नवंबर से कोलकाता में खेला जाएगा। बावुमा ने कहा दक्षिण अफ्रीका टीम ने लंबे समय से भारत में टेस्ट शृंखला नहीं जीती है। इस बार हमारे पास सुनहरा मौका है। उन्होंने भारत ए और दक्षिण अफ्रीका ए के बीच दूसरे चार दिवसीय मैच से पहले चुनिंदा मीडिया से बातचीत में कहा विश्व चैम्पियन होने के नाते हमसे काफी अपेक्षाएं हैं। भारत में खेलना हमेशा कठिन होता है। भारत के पास बेहतरीन युवा खिलाड़ी हैं। बावुमा ने कहा विराट और रोहित ने लंबे समय तक भारत के लिए खेला और भारत को वहां पहुंचाया, जहां टीम आज है। युवा खिलाड़ी उनकी जगह लेने की कोशिश कर रहे हैं। यह हालांकि बहुत बड़ी चुनौती है। जहां तक हमारी बात है तो हम पूरी तैयारी के साथ आये हैं और हमें यहां मिलने वाली चुनौती का अहसास है। हम अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करेंगे। बावुमा की नजरें अच्छे स्पिन आक्रमण के खिलाफ भारतीय बल्लेबाजों की कमी का फायदा उठाने पर भी लगी हैं। न्यूजीलैंड के स्पिनरों के खिलाफ भारतीय बल्लेबाजों को हुई परेशानी उनकी नजरों से बच नहीं सकी है। बावुमा ने कहा गेंदबाजी हमेशा से हमारी ताकत रही है। हम इस बार बेहतर स्पिन आक्रमण के साथ आये हैं।

शर्मा और चक्रवर्ती पुरुष टी-20 रैंकिंग में शीर्ष पर

दुबई : सलामी बल्लेबाज अभिषेक शर्मा और स्पिनर वरुण चक्रवर्ती ने आईसीसी पुरुष टी-20 खिलाड़ियों की बुधवार को जारी रैंकिंग में बल्लेबाजों और गेंदबाजों में शीर्ष स्थान कायम रखा है।

अभिषेक बल्लेबाजों की रैंकिंग में 925 रेटिंग अंक लेकर शीर्ष पर है जबकि इंग्लैंड के फिल साल्ट और भारत के तिलक वर्मा उनके बाद हैं। भारत के टी20 कप्तान सूर्यकुमार यादव आठवें स्थान पर हैं। गेंदबाजों में चक्रवर्ती शीर्ष पर हैं जबकि आस्ट्रेलिया के तेज गेंदबाज जोश हेजलवुड दसवें स्थान पर आ गए हैं। वेस्टइंडीज के अकील हुसैन दूसरे और अफगानिस्तान के राशिद खान तीसरे स्थान पर हैं।

भारत का कोई अन्य गेंदबाज शीर्ष दस में नहीं है। हरफनमौलाओं की सूची में भारत के हार्दिक पंड्या चौथे स्थान पर हैं। पाकिस्तान के सईम अयूब शीर्ष पर, जिम्बाब्वे के सिकंदर रजा दूसरे और वेस्टइंडीज के रोस्टन चेस तीसरे स्थान पर हैं।

कुलदीप, सिराज और राहुल की नजर अच्छी तैयारी पर

बेंगलुरु, एजेंसी

- भारत ए और दक्षिण अफ्रीका ए का मुकाबला आज से

भारत ए के कप्तान ऋषभ पंत पहले मैच की तरह अपनी फॉर्म और फिटनेस बरकरार रखने के इरादे से मैदान पर उतरेंगे जबकि मोहम्मद सिराज और कुलदीप यादव जैसे खिलाड़ी गुरुवार से यहां तेम्बा बावुमा की अगुवाई वाली दक्षिण अफ्रीका ए के खिलाफ होने वाले दूसरे चार दिवसीय मैच में लाल गेंद से महत्वपूर्ण मैच अभ्यास हासिल करने की कोशिश करेंगे।

पंत ने बीसीसीआई सेंटर ऑफ एक्सीलेंस के इसी मैदान पर पिछले सप्ताह खेले गए पहले मैच में विकेटकीपर के रूप में 139.3 ओवर बिना किसी परेशानी के खेले और साथ ही बल्लेबाज के रूप में 133 गेंदें खेली। उन्होंने दूसरी पारी में 90 रन बनाकर अपनी बल्लेबाजी फॉर्म का भी अच्छा परिचय दिया। फिटनेस की चिंता पूरी तरह से पीछे छूट जाने के बाद बाएं हाथ का यह बल्लेबाज अब 14 नवंबर से दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ शुरू हो रही दो मैचों की टेस्ट श्रृंखला से पहले एक बार फिर अपने खेल के चरम पर पहुंचने की कोशिश करेगा।

सिराज, केएल राहुल और कुलदीप स्वदेश लौटने से पहले भारत के ऑस्ट्रेलिया के मौजूदा सफेद गेंद के दौरे का हिस्सा थे और अब वे दक्षिण अफ्रीका ए जैसी प्रतिस्पर्धी टीम के खिलाफ अपने लाल गेंद के कौशल को निखार सकते हैं।

स्मृति, जेमिमा हरमनप्रीत टीम की नई ब्रांड : घावरी

मुंबई : भारत के पूर्व तेज गेंदबाज करसन घावरी ने महिला वनडे विश्व कप विजेता भारतीय टीम की जमकर प्रशंसा करते हुए बुधवार को हरमनप्रीत कौर, जेमिमा रोड्रिग्स और स्मृति मंधाना को भारतीय क्रिकेट का नया ब्रांड करार दिया।

भारतीय महिला टीम ने रविवार को नवी मुंबई में खेले गए फाइनल में दक्षिण अफ्रीका को 52 रन से हराकर पहली बार अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद का कोई टूर्नामेंट जीता। घावरी ने कहा भारतीय महिला टीम की जितनी भी प्रशंसा की जाए कम है। उन्होंने पूरे विश्व कप में अच्छा प्रदर्शन किया विशेष कर ऑस्ट्रेलिया और दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ आखिरी दो मैच में उनका प्रदर्शन शानदार रहा। वह विश्व कप जीतने की असली हकदार थी।

ओलंपिक की तैयारी | अंतर्राष्ट्रीय भारोत्तोलन महासंघ ने लॉस एंजेलिस 2028 के लिए ओलंपिक भार वर्गों का किया पुनर्गठन

मीराबाई चानू अपना भार वर्ग बदलने को तैयार

नई दिल्ली, एजेंसी

अंतर्राष्ट्रीय भारोत्तोलन महासंघ (आईडब्ल्यूएफ) द्वारा सोमवार को घोषित लॉस एंजेलिस 2028 के लिए ओलंपिक भार वर्गों के पुनर्गठन के बाद भारतीय स्टार मीराबाई चानू को एक वर्ग ऊपर जाने के लिए मजबूर होना पड़ेगा।

टोक्यो 2020 में महिलाओं के 49 किग्रा वर्ग में रजत पदक जीतने वाली और पेरिस 2024 में इसी वर्ग में चौथे स्थान पर रहने वाली मीराबाई चानू अब लॉस एंजेलिस में इस वर्ग में भाग नहीं ले पाएंगी। लॉस एंजेलिस 2028 ओलंपिक में भारोत्तोलन के लिए महिलाओं की न्यूनतम श्रेणी अब 53 किग्रा होगी। आईडब्ल्यूएफ ने लॉस एंजेलिस 2028 में 12 नए वर्गों की पुष्टि की है- पुरुषों और महिलाओं के लिए छह-छह। पेरिस 2024 में प्रत्येक लिंग के लिए पांच वर्ग थे।

लॉस एंजेलिस 2028 ओलंपिक भारोत्तोलन भार वर्ग पुरुषः 65 किग्रा, 75 किग्रा, 85 किग्रा, 95 किग्रा, 110 किग्रा, 110 किग्रा महिलाः 53 किग्रा, 61 किग्रा, 69 किग्रा, 77 किग्रा, 86 किग्रा, 86 किग्रा पेरिस 2024 में, पुरुषों के लिए 61 किग्रा, 73 किग्रा, 89 किग्रा, 102 किग्रा और 102 किग्रा और महिलाओं के लिए 49 किग्रा, 59 किग्रा, 71 किग्रा, 81 किग्रा और 81 किग्रा थे। आईडब्ल्यूएफ ने अब एक साल से भी कम समय में दो बार भार वर्ग बदले हैं। भारत के मुख्य राष्ट्रीय कोच विजय शर्मा का मानना है कि यह बदलाव मीराबाई के पक्ष में काम कर सकता है। शर्मा ने कहा यह (49 किग्रा हटाना) मीराबाई के लिए अच्छी बात है क्योंकि 48 किग्रा तक अपना वजन कम करना एक कठिन प्रक्रिया थी। 31 वर्षीय मीराबाई ने इस साल 48 किग्रा वर्ग में राष्ट्रमंडल चैंपियनशिप में स्वर्ण और विश्व चैंपियनशिप में रजत पदक जीता।

ओलंपिक कार्यक्रम से हटा 49 किग्रा वर्ग

इस साल की शुरुआत में, आईडब्ल्यूएफ द्वारा ओलंपिक कार्यक्रम से 49 किग्रा वर्ग को हटाने के बाद, चानू 48 किग्रा वर्ग में आ गईं। 49 किग्रा वर्ग को तब से आईडब्ल्यूएफ के विश्व चैंपियनशिप जैसे आयोजनों में बहाल कर दिया गया है, लेकिन इसे ओलंपिक में शामिल नहीं किया जाएगा। मीराबाई चानू की सभी प्रमुख अंतर्राष्ट्रीय उपलब्धियां – जिनमें तीन विश्व भारोत्तोलन चैंपियनशिप पदक और तीन राष्ट्रमंडल खेल पदक शामिल हैं – 50 किग्रा से कम भार वर्ग में ही आई हैं।